चैत्र शुक्ल पक्ष नवमी
विक्रम संवत 2081

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 17 अप्रैल 2024
वर्ष-2, अंक-236, पृष्ठ-14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में है सूर्य 14

मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हूं 2

रामनवमी

अयोध्या में राम जन्मोत्सव की पूर्व संध्या पर रामलला के मंदिर को रंग-बिरंगी लाइटों से सजा दिया गया। रामलला के गर्भगृह को भी आकर्षक फूलों से सजाया गया है। बुधवार को 12 बजे राम जन्म मनाया जाएगा। 12 बजकर 16 मिनट पर सूर्य की किरणें रामलला का मस्तकाभिषेक करेंगी। **फोटो : प्रशांत शेखर**

यूपीएससी की ओर से आयोजित परीक्षा में 1016 अभ्यर्थियों का हुआ चयन, इनमें 664 पुरुष और 352 महिलाएं शामिल

सिविल सेवा परीक्षा में लखनऊ के आदित्य रहे टॉपर, अनिमेष द्वितीय

नई दिल्ली, एजेंसी

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से मंगलवार को सिविल सर्विस परीक्षा-2023 का परिणाम घोषित किया गया। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अनिमेष प्रधान द्वितीय और डोनुरु अनन्या रेड्डी तीसरे स्थान पर रहीं। कुल 1016 अभ्यर्थियों ने (664 पुरुष और 352 महिलाओं) ने परीक्षा उत्तीर्ण की और आयोग ने विभिन्न सेवाओं में नियुक्ति के लिए उनके नामों की सिफारिश की है।

यूपीएससी ने बताया कि शीर्ष पांच स्थानों पर तीन पुरुष और दो महिलाएं हैं जिन्हें कामयाबी मिली। वहीं पी. के. सिद्धार्थ रामकुमार और रुहानी ने चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया। टॉपर आदित्य ने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में 'इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग' को चुना था। उन्होंने कानपुर आईआईटी से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में ही स्नातक (बैचलर ऑफ टेक्नोलॉजी) किया है। वहीं, राउरकेला स्थित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) से कंप्यूटर विज्ञान में स्नातक (बीटेक) अनिमेष प्रधान ने अपने वैकल्पिक विषय के रूप में समाजशास्त्र को चुना था।

दिल्ली विश्वविद्यालय के मिरांडा हाउस से भूगोल में स्नातक (ऑनर्स) की पढ़ाई करने वाली डोनुरु अनन्या रेड्डी का वैकल्पिक विषय मानव विज्ञान था।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिविल सेवा परीक्षा के सफल अभ्यर्थियों को बधाई दी।

आदित्य पहले आईपीएस और अब आईएएस

लखनऊ। सिविल सेवा परीक्षा-2023 में लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव ने टाप कर लखनऊ का मान बढ़ाया है। पिछले वर्ष उनका चयन आइपीएस के लिए हुआ था और वर्तमान में वे हैदराबाद में ट्रेनिंग कर रहे हैं। लखनऊ के आदित्य श्रीवास्तव की प्रारंभिक शिक्षा सीएमएस लखनऊ की अलीगंज शाखा में हुई। वर्ष 2014 में इंटर में इन्हें 98.4 फीसदी अंक मिले थे। मां आभा श्रीवास्तव बताती हैं कि 12 वीं पास करने के बाद आदित्य का चयन आईआईटी कानपुर के लिए हो गया। वर्ष 2019 में कानपुर से बीटेक किया। सीएजी में ऑडिट ऑफिसर पिता अजय श्रीवास्तव बताते हैं कि आदित्य ने पिछले वर्ष दूसरे प्रयास में 226 रैंक प्राप्त की थी। पहले प्रयास में आदित्य सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा में असफल रहे थे। पिता अजय ने यह भी बताया कि बीटेक करने के बाद आदित्य ने बेंगलुरु की एक निजी कंपनी में कुछ दिनों तक सेवाएं भी दी थी। आदित्य श्रीवास्तव अपनी सफलता का श्रेय पिता और मामा को देते हैं। उनके मामा विनोद कुमार मसूरी स्थित आईएएस ट्रेनिंग सेंटर के डायरेक्टर रह चुके हैं। अजय श्रीवास्तव बताते हैं आदित्य ने फोन करके अपने टाप करने की जानकारी दी। का फोन आया। उसने परीक्षा में टॉपर होने की जानकारी दी। यह सुनकर उनकी आंखों में खुशी के आंसू आ गए। आदित्य की बहन भी दिल्ली में रहकर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रही है।

शीर्ष 25 में 10 महिलाएं

शीर्ष 25 अभ्यर्थियों में 10 महिलाएं और 15 पुरुष हैं। आईएएस, आईएफएस और आईपीएस के अधिकारियों का चयन करने के लिए यूपीएससी हर वर्ष तीन चरणों में प्रारंभिक, मुख्य और साक्षात्कार में सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है। सफल अभ्यर्थियों में 30 दिव्यांग (16 अस्थिबाधित, छह दृष्टिबाधित, पांच श्रवणबाधित और तीन बहुदिव्यांग) भी शामिल हैं।

एक नजर

हेमंत सोरेन मामले में एक और गिरफ्तारी

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य के खिलाफ दर्ज धनशोधन मामले में ईडी ने एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। ईडी ने अंतु तिर्की नामक व्यक्ति के खिलाफ रांची में कुछ स्थानों पर छापे भी मारे। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान एक अन्य धनशोधन मामले में न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद अफशार अली के रूप में हुई है और ईडी ने कोर्ट से अनुमति के बाद नए मामले में उसे हिरासत में लिया है। यह इस मामले में चौथी गिरफ्तारी है।

झेलम में नाव पलटने से छह लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में गंडबल से बटवारा जा रही नाव मंगलवार सुबह झेलम नदी में पलट गई, जिसमें छह लोगों की मौत हो गई और कई अन्य लापता हैं। नाव में स्कूली बच्चों सहित 20 से अधिक लोग सवार थे। वहीं हादसे का कारण नदी पार करने में मदद करने वाली रस्सी के टूट को बताया जा रहा है। जिला मजिस्ट्रेट बिलाल मोहिउद्दीन भट ने कहा कि नाव में सवार लोगों में सात नाबालिग थे और बाकी वयस्क थे। हमने 12 लोगों को नदी से निकाला है और उनमें से छह की मौत हो गई है। इस समय, दो बच्चों समेत तीन लापता हैं। उनका पता लगाने के लिए राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल सहित कई एजेंसियों द्वारा राहत एवं बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

एक सप्ताह में सार्वजनिक रूप से माफी मांगे रामदेव-बालकृष्ण : सुप्रीम कोर्ट

कोर्ट ने कहा- आपका काम अच्छा लेकिन एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को बाबा रामदेव, उनके सहयोगी बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद को भ्रामक विज्ञापन मामले में सार्वजनिक तौर पर माफी मांगने के लिए एक सप्ताह का समय दिया, लेकिन यह भी कहा कि वह अभी उन्हें इस चरण में राहत नहीं देने जा रहा है। सुनवाई के दौरान रामदेव और बालकृष्ण दोनों उपस्थित थे और उन्होंने व्यक्तिगत रूप से शीर्ष अदालत से बिना शर्त माफ़ी मांगी।

न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने स्पष्ट किया कि उन्होंने उन्हें इस चरण में राहत देने का फैसला नहीं किया है। पीठ ने बालकृष्ण से कहा कि आप अच्छा काम कर रहे हैं लेकिन आप एलोपैथी को नीचा नहीं दिखा सकते। रामदेव ने पीठ से कहा कि उनका किसी भी तरह से अदालत का अनादर करने का कोई इरादा नहीं था। हालांकि, पीठ ने बालकृष्ण से कहा कि वे (पतंजलि) इतने सीधे साधे नहीं हैं कि उन्हें नहीं पता कि कोर्ट ने मामले में अपने पहले के आदेशों में क्या कहा था। रामदेव और बालकृष्ण के वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने पीठ से कहा कि वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगने को तैयार हैं। इस पर अदालत ने रामदेव और बालकृष्ण को बातचीत के लिए आगे बुलाया। कोर्ट ने मामले की सुनवाई के लिए 23 अप्रैल की तिथि तय की है। रामदेव और बालकृष्ण ने अपने उत्पादों की औषधीय प्रभावशीलता के बारे में बड़े-बड़े दावे करने वाले विज्ञापनों पर उच्चतम न्यायालय के समक्ष पिछले सप्ताह बिना शर्त मांगी थी। कोर्ट में दाखिल दो अलग-अलग हलफनामों में रामदेव और बालकृष्ण ने कोर्ट के पिछले साल 21 नवंबर के आदेश में दर्ज बयान के उल्लंघन के लिए बिना शर्त माफी मांगी। उच्चतम न्यायालय ने 21 नवंबर, 2023 के आदेश में कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद का प्रतिनिधित्व करने वाले वकील ने उसे आश्वासन दिया था कि अब से खासकर पतंजलि आयुर्वेद द्वारा निर्मित और विपणन किए गए उत्पादों के विज्ञापन या ब्रांडिंग के संबंध में किसी भी कानून का उल्लंघन नहीं होगा। पतंजलि ने कहा था कि असर के संबंध में या चिकित्सा की किसी भी पद्धति के खिलाफ कोई भी बयान मीडिया में जारी नहीं किया जाएगा। कोर्ट ने कहा था कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड इस तरह के आश्वासन का पालन करने के लिए बाध्य है। आश्वासन का पालन नहीं करने और उसके बाद मीडिया में बयान जारी किए जाने पर कोर्ट ने अप्रसन्नता जताई थी। कोर्ट ने बाद में पतंजलि को कारण बताओ नोटिस जारी किया कि क्यों न उसके खिलाफ अवमानना की कार्यवाही शुरू की जाए।

भ्रामक विज्ञापन मामले में सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट जाते बाबा रामदेव। ● एजेंसी

भ्रामक विज्ञापन मामला

● **रामदेव और बालकृष्ण ने व्यक्तिगत रूप से बिना शर्त कोर्ट से माफी मांगी**

छत्तीसगढ़ में बड़ी कार्रवाई, 29 नक्सलियों को मार गिराया

कांकेर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 29 नक्सलियों को मार गिराया है। मुठभेड़ में तीन जवान भी घायल हो गए। बस्तर क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक सुंदरराज पी ने बताया कि जिले के छोटेबेठिया पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत बीनागुंडा और कोरोनार गांवों के मध्य हापाटोला गांव के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी।

उन्होंने बताया कि सुरक्षाबलों को माओवादियों के उत्तरी बस्तर डिवीजन के नक्सली शंकर, ललिता, राजू समेत अन्य की मौजूदगी की सूचना मिली थी। जिसके बाद छोटेबेठिया थाना क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) के संयुक्त दल को गश्त के लिए रवाना किया गया। दल मंगलवार दोपहर लगभग दो बजे हापाटोला गांव के जंगल में था तभी नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की।

प्रारंभिक जानकारी के घटनास्थल से एके-47 राइफल, एसएलआर राइफल, इंसास राइफल और 303 बंदूक समेत भारी मात्रा में हथियार बरामद किया गया है। सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच रुक-रुक कर हो रही गोलीबारी के बीच इलाके में अब भी खोजी अभियान जारी है। सुंदरराज ने बताया, मुठभेड़ में तीन जवान घायल हुए हैं जिन्हें अस्पताल भेजा गया। तीनों की हालत खतरे से बाहर है।

घटनास्थल पर खड़ा सुरक्षाबल का जवान।

असम राइफल्स और उग्रवादियों में मुठभेड़, एक जवान घायल

तिनसुकिया/गुवाहटी। असम के तिनसुकिया जिले में मंगलवार को असम राइफल्स और उग्रवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में एक जवान घायल हो गया। तिनसुकिया के एसपी गौरव अभिजीत दिलीप के अनुसार, आज सुबह असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास मार्गेरिटा के नामदांग में जवानों और उग्रवादियों में मुठभेड़ हुई थी।

डॉक्टर से परामर्श के केजरीवाल के अनुरोध पर ईडी से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की अदालत ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से डॉक्टर से परामर्श करने के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के अनुरोध वाले आवेदन पर मंगलवार को ईडी से जवाब मांगा है। विशेष न्यायाधीश राकेश स्याल के समक्ष दायर आवेदन में केजरीवाल ने कहा कि उनका रक्त शर्करा स्तर घट-बढ़ रहा है और वह अपने डॉक्टर से परामर्श करना चाहते हैं। न्यायाधीश ने ईडी को 18 अप्रैल तक उसका जवाब देने का निर्देश दिया। अदालत उस दिन इस पर सुनवाई कर सकती है। याचिका के विरोध में ईडी के वकील ने दलील दी कि जेल में रोगियों के लिए सुविधाएं हैं तथा उनका चिकित्सा परीक्षण हो सकता है।

● **रक्त शर्करा स्तर घटने-बढ़ने पर चिकित्सकीय परामर्श के लिए दिल्ली के सीएम ने किया आवेदन**

'मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं आतंकवादी नहीं हूं'

नई दिल्ली। आप नेता संजय सिंह ने मंगलवार को कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री ने तिहाड़ जेल से एक संदेश जारी कर कहा है मेरा नाम अरविंद केजरीवाल है और मैं कोई आतंकवादी नहीं हूं। सिंह ने जेल में केजरीवाल से किए जा रहे व्यवहार पर भाजपा) की आलोचना की। सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा प्रतिशोध और दुर्भावना के चलते उन्हें तोड़ना चाहती है, लेकिन वह इन सबसे और अधिक मजबूत होकर उभरेंगे।

शशांक और विश्वदीप को भाजपा ने दिया टिकट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भाजपा ने मंगलवार को लोकसभा की दो और उप्र. की चार विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव के लिए भी उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। पार्टी ने देवरिया से मौजूदा सांसद रमापति राम त्रिपाठी का टिकट काटकर पूर्व सांसद लेफ्टिनेंट जनरल श्रीप्रकाश मणि त्रिपाठी के पुत्र शशांक मणि त्रिपाठी को दिया है। फिरोजाबाद से मौजूदा सांसद चंद्रसेन जादौन का टिकट काटकर ठाकुर विश्वदीप सिंह को प्रत्याशी बनाया है। लखनऊ पूर्वी विधानसभा सीट के उपचुनाव में पार्टी ने ओपी श्रीवास्तव पर दांव लगाया है। वहीं, गैंसड़ी विस. उप चुनाव के लिए से पूर्व विधायक शैलेंद्र सिंह शैलू, ददरौल से विधायक रहे मानवेंद्र सिंह की जगह उनके बेटे अरविंद सिंह को उम्मीदवार बनाया है। जबकि, दुद्धी सीट पर श्रवण गोंडगों को टिकट दिया है। उप चुनाव के लिए लखनऊ में 20 मई, ददरौल में 13 मई, गैसड़ी में 25 मई और दुद्धी में एक जून को वोटिंग होगी।

● **देवरिया से सांसद रमापति राम त्रिपाठी और फिरोजाबाद से चंद्रसेन जादौन का टिकट काटा**

कानूनी प्रक्रिया में बाधा पहुंचाने वाले कदम सही नहीं : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। विपक्षी दलों द्वारा सरकार पर उसके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाये जाने के बीच निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को कहा कि वह सभी पार्टियों को समान अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसा कोई कदम उठाना सही नहीं है जो कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया में आड़े आ सकता है। विपक्षी गठबंधन इंडिया के कई घटक दलों ने सरकार पर उनके नेताओं को निशाना बनाने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग का रुख किया था। कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी द्वारा दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद विपक्षी दलों ने सरकार पर नये सिरे से हमले शुरू कर दिए। उन्होंने सरकार पर लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी नेताओं की आवाज बंद करने का आरोप लगाया।

मॉब लिंचिंग पर रोक को क्या उठाए कदम : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को विभिन्न राज्य सरकारों से कथित गोरक्षकों और भीड़ की ओर से पीट-पीटकर हत्या किए जाने के मामलों पर की गई कार्रवाई के बारे में अवगत करने के लिए छह सप्ताह का समय दिया। न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने एक महिला संगठन की याचिका पर सुनवाई छह सप्ताह बाद करने का फैसला किया।

याचिका में अनुरोध किया गया था कि राज्यों को कथित गोरक्षकों की ओर से मुसलमानों के खिलाफ भीड़ हिंसा की घटनाओं से निपटने के लिए शीर्ष अदालत के 2018 के एक फैसले के अनुरूप तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया जाए। पीठ ने आदेश दिया कि हमने पाया है कि अधिकतर राज्यों ने 'मॉब लिंचिंग' के उदाहरण पेश करने वाली रिट याचिका पर अपने जवाबी हलफनामे दाखिल नहीं किए हैं। राज्यों से अपेक्षा थी कि वे कम से कम इस बात का जवाब दें कि ऐसे मामलों में क्या कार्रवाई की गयी है।

● **भीड़ हिंसा की घटनाओं में हुई कार्रवाई से अवगत कराने के लिए राज्यों को दिया छह सप्ताह का समय**

भारत की वृद्धि दर का अनुमान 6.8 %

वाशिंगटन, एजेंसी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने घरेलू मांग बढ़ने और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी का जिक्र करते हुए वर्ष 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान मंगलवार को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया। इस तरह भारत दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना हुआ है।

इसी अवधि में चीन की आर्थिक वृद्धि दर 4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। आईएमएफ ने ''विश्व आर्थिक परिदृश्य'' के नवीनतम संस्करण में कहा, भारत में वृद्धि दर वर्ष 2024 में 6.8 प्रतिशत और 2025 में 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान है। घरेलू मांग में निरंतर मजबूती और कामकाजी उम्र की बढ़ती आबादी से इस तेजी को बल मिलता है। मुद्राकोष ने यह रिपोर्ट आईएमएफ और विश्व बैंक की सालाना बसंत बैठकों से पहले जारी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, उभरते और विकासशील एशिया में वृद्धि दर पिछले साल के अनुमानित 5.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2024 में 5.2 प्रतिशत और 2025 में 4.9 प्रतिशत रहने का अनुमान है। यह अनुमान जनवरी में जताए गए पिछले अनुमान की तुलना में थोड़ा बेहतर है। आईएमएफ ने अपनी जनवरी रिपोर्ट में 2024 के लिए भारत की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। इसके साथ ही मुद्राकोष ने चीन में वृद्धि दर 2023 के 5.2 प्रतिशत की तुलना में सुस्त पड़कर इस साल 4.6 प्रतिशत और 2025 में 4.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया है।

इस सुस्ती के लिए महामारी के बाद खपत बढ़ने और राजकोषीय प्रोत्साहन जैसे कारकों का असर कम होने और रियल एस्टेट में सुस्ती को जिम्मेदार बताया है। वैश्विक वृद्धि वर्ष 2024 और 2025 में भी पुरानी रफ्तार से जारी रहने का अनुमान है। वर्ष 2023 में अनुमानित वैश्विक वृद्धि 3.2% रही है। आईएमएफ के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गॉरींशेस ने कहा, निराशाजनक अनुमानों के बावजूद वैश्विक अर्थव्यवस्था सशक्त बनी हुई है।

● **दुनिया की सबसे तेज रफ्तार से बढ़ रही अर्थव्यवस्था बना भारत**

भाजपा, सपा और बसपा के सभी प्रत्याशी करोड़पति

राज्य ब्यूरो,लखनऊ

अमृत विचार : लोकसभा चुनाव के दूसरे चरण में आठ सीटों पर 91 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहें हैं। इनमें से 42 उम्मीदवार यानि 46 प्रतिशत प्रत्याशी करोड़पति हैं । खास बात है कि भाजपा हो या सपा,बसपा का हर प्रत्याशी करोड़पति है। यही नहीं, छोटे दलों भी करोड़पति को ही प्रत्याशी बना रहें हैं। इस मामले में कांग्रेस पीछे है, इनके चार में से तीन उम्मीदवार करोड़पति हैं।

उत्तर प्रदेश इलेक्शन वॉच और एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स(एडीआर) ने दूसरे चरण में अलीगढ़, अमरोहा, बागपत, बुलंदशहर, गौतमबुध नगर, गाजियाबाद, मथुरा और मेरठ से चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के शपथ पत्रों का विश्लेषण किया है। यूपी इलेक्शन वॉच के राज्य संयोजक संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि दूसरे चरण में मथुरा से भाजपा के टिकट पर हेमामालिनी चुनाव लड़ रही हैं, जिनकी संपत्ति करीब 278 करोड़ रुपये है। इसी तरह से बीजेपी के ही अलीगढ़ सीट के सतीश कुमार गौतम की संपत्ति 16 करोड़ है। मेरठ लोकसभा सीट पर बसपा प्रत्याशी देवव्रत की संपत्ति पांच करोड रुपये के आसपास हैं। उन्होंने बताया कि, दूसरे चरण के उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 10.05 करोड़ है। पार्टियों की बात की जाये तो बसपा के आठ प्रत्याशियों की औसत संपत्ति लगभग 10.75 करोड़ है। बीजेपी के सात उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 91.23करोड़ है। सपा के चार प्रत्याशियों की औसत संपत्ति 17.34 करोड़ है। वहीं कांग्रेस के चार उम्मीदवारों की औसत संपत्ति 3.56 करोड़ है। इसके अलावा जय हिंद नेशनल पार्टी के दो प्रत्याशी मैदान में हैं, दोनो ही करोड़पति हैं। इसी प्रकार समाज विकास क्रांति पार्टी का इकलौता प्रत्याशी है वह करोड़पति है।

निर्दलीय भी अपराधी: संपत्ति की जानकारी देते हुए एडीआर के संजय सिंह कहा कि आपराधिक मामलों में निर्दलीय प्रत्याशी भी पीछे नही हैं। अलीगढ़ से निर्दल प्रत्याशी पं.केशवदेव गौतम पर पांच मामले दर्ज हैं। दूसरे नम्बर पर सपा के बागपत सीट के उम्मीदवार अमरपाल हैं, नौ आपराधिक मामले है, वही दो आपराधिक मामलों के साथ मेरठ के प्रत्याशी हाजी अफज़ल तीसरे नंबर पर हैं।

निरक्षर प्रत्याशी मैदान में

यूपी इलेक्शन वॉच के संजय सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में वर्तमान में भी साक्षर एवं निरक्षर लोग अपनी किस्मत अजमा रहे हैं। दूसरे चरण में 33 प्रत्याशियों ने अपनी शैक्षिक योग्यता पांचवीं से 12वीं के बीच में घोषित की है। जबकि 52 उम्मीदवार स्नातक व परास्नातक घोषित हैं। वहीं, दो प्रत्याशियों ने खुद को डिप्लोमा धारक हैं। इसके अलावा दो ने खुद को साक्षर और दो ने खुद को निरक्षर घोषित किया है।

अपराधों में 21 लिप्त

संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि इन 91 प्रत्याशियों में 21 ने अर्थात 23 प्रतिशत ने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किये हैं। इन आठ सीटों पर सपा के चार प्रत्याशी मैदान में हैं और चारों पर अपराध के मामले लंबित हैं। वहीं बसपा के आठ में से तीन (38 प्रतिशत), बीजेपी के सात में से दो, कांग्रेस के चार में दो अर्थात 50 फीसदी, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने प्रत्याशी तीन उतारें हैं। इनमें से दो पर आपराधिक मामले चल रहे हैं। इनमें से गंभीर मामलों की बात करें तो बसपा के 25 प्रतिशत उम्मीदवारों पर, बीजेपी के 29 प्रतिशत, सपा व कांग्रेस के 50-50 प्रतिशत, राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी ने 33 प्रतिशत प्रत्याशियों पर दर्ज हैं।

ऑरेंज कैप

खिलाड़ी	मैच	रन
विराट कोहली (आरसीबी)	07	361
रियान पराग (राजस्थान)	07	318
सुनील नरेन (कोलकाता)	06	276

पर्पल कैप

खिलाड़ी	मैच	विकेट
युजवेंद्र चहल (राजस्थान)	07	12
जसप्रीत बुमराह (मुंबई)	06	10
मुस्तफिजुर रहमान (चेन्नई)	05	10

आईपीएल-2024 में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ी

आईपीएल 2024 में सर्वाधिक छक्के जड़ने वाले खिलाड़ियों में हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन पहले स्थान पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग दूसरे, लखनऊ सुपर जायंट्स के निकोलस पूरन तीसरे स्थान तथा हैदराबाद के अभिषेक शर्मा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के दिनेश कार्तिक और संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के शिवम दूबे, मुम्बई इंडियंस के रोहित शर्मा और दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स 15 छक्कों के साथ 5वें स्थान पर हैं।

खेल डायरी

यूनान में पेरिस ओलंपिक की लौ जलाई गयी

प्राचीन ओलंपिया (यूनान)। पेरिस ओलंपिक में जलने वाली लौ दक्षिणी यूनान में प्राचीन खेलों के स्थल पर जलाई गयी। बादलों के कारण मंगलवार को पारंपरिक तरीके से लौ जलाने के प्रयास विफल हो गये। पारंपरिक तरीके में चांदी की मशाल जलाने के लिए सूरज का इस्तेमाल किया जाता है, जिसके लिए प्राचीन यूनान की पुजारिन की पोशाक पहने एक युवती हाथ में मशाल लिये रहती थी। बल्कि मंगलवार को एक 'बैकअप' लौ का उपयोग किया गया था, जिसे सोमवार को अंतिम 'रिहर्सल' के दौरान उसी स्थान पर जलाया गया था।

सबालेंका स्टुटगार्ट में पोर्शे ग्रां प्री में बडोसा से भिड़ेंगी

स्टुटगार्ट (जर्मनी)। पाउला बडोसा ने डायना श्नाइडर पर 6-3, 6-4 की जीत से स्टुटगार्ट पोर्शे ग्रां प्री टेनिस प्रतियोगिता के अगले दौर में प्रवेश किया। जिसमें उनका सामना दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी आर्यना सबालेंका से होगा। सबालेंका स्टुटगार्ट में पिछले तीन साल से उप विजेता रही हैं। वह 2021 में फाइनल में क्रमश: पूर्व नंबर एक एशले बार्टी तथा 2022 और 2023 के फाइनल में मौजूदा नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक से हार गयी थीं। अमेरिका के सचिया विक्रे ने बेलारूस की अलियांकसांद्रा सासनोविच को 7-6, 7-5 से पराजित किया और अब दूसरे दौर में उनका सामना हमवतन कोको गॉफ से होगा।

दीपिका सोरेंग को हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार

नयी दिल्ली। हॉकी इंडिया ने भारतीय महिला हॉकी टीम की फारवर्ड दीपिका सोरेंग वर्ष के उभरते खिलाड़ी के लिए प्रतिष्ठित हॉकी इंडिया असुंता लाकड़ा पुरस्कार से सम्मानित किया है। दीपिका को वर्ष 2023 के दौरान उनके शानदार प्रदर्शन के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने महिला जूनियर एशिया कप में टीम के लिए पदार्पण करते हुए छह मैचों में सात गोल दागकर टीम को स्वर्ण पदक जीतने में मदद की और टूर्नामेंट में टीम के लिए दूसरे सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी के रूप में उभरीं।

डी गुकेश ने नेपोमनियाच्ची से ड्रा खेला

टोरंटो। भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 10वें दौर में रूस के इयान नेपोमनियाची से ड्रा खेलकर इस खिलाड़ी के साथ संयुक्त शीर्ष बढ़त कायम रखी। भारतीयों के बीच हुए मुकाबले में आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती ने भी अंक बांटे जबकि फैबियानो कारूआना ने फिरोजा अलीरेजा को और हिकारू नाकामूरा ने निजात अबासोव को पराजित किया। अब साल के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में महज चार राउंड बचे हैं। गुकेश और नेपोमनियाची के समान छह छह अंक हैं जबकि प्रज्ञानानंदा, कारूआना और नाकामूरा इनसे आधा अंक पीछे हैं। गुजराती के छह अंक हैं, जिससे वह अकेले छठे स्थान पर काबिज हैं।

पेरिस ओलंपिक: इंग्लैंड ने की तैराकी टीम की घोषणा

लंदन। इंग्लैंड ने पेरिस ओलंपिक 2024 में भाग लेने वाली पूल और मैराथन स्पर्धाओं के लिए अपनी 33 सदस्यीय तैराकी टीम की मंगलवार को घोषणा की। टीम में तीन बार की ओलंपिक चैंपियन एडम पीटी, दो बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता टॉम डीन और जेम्स गाइ, ओलंपिक चैंपियन अन्ना हॉपकिन, कैथलीन डॉसन, फ्रेया एंडरसन और मैट रिचर्ड्स और टोक्यो ओलंपिक 2020 में चार पदक जीतने वाले डंकन स्कॉट का टीम में चयन किया गया है। मैराथन तैराकी के लिए टोक्यो 2020 ओलंपियन और फरवरी में विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता हेक्टर पार्डो को भी टीम में शामिल किया गया है।

कोलकाता ने राजस्थान को दिया 224 रनों का लक्ष्य

सुनील नरेन ने 109 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली, राजस्थान के आवेश और कुलदीप ने दो-दो विकेट झटके

कोलकाता, एजेंसी

सुनील नरेन 109 रनों की तूफानी शतकीय पारी की मदद से कोलकाता नाइट राइडर्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 31वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को जीत के लिए 224 रनों का लक्ष्य दिया हैं। मंगलवार को ईडन गार्डंस में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथे ही ओवर में उसने सलामी बल्लेबाज फिल सॉल्ट 10 रन का विकेट गवां दिया। फिल को आवेश खान ने अपनी गेंद पर कैच आउट किया। उसके बाद सुनील नरेन ने अंगकृष रघुवंशी के साथ दूसरे विकेट के लिये 85 रन जोड़े। 11वें ओवर में कुलदीप सेन ने अंगकृष रघुवंशी को आर अश्विन के हाथों कैच आउट करा दिया। रघुवंशी ने 18 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 30 रन बनाये। कप्तान श्रेयस अय्यर 11 रन को यजुवेन्द्र चहल ने पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। आंद्रे रसेल 13 रन बनाकर आउट हुये। सुनील नरेन ने 16वें ओवर में 49 गेंदों में अपना शतक पूरा किया। सुनील नरेन ने 109 रनों की पारी में 13 चौके और छह छक्के लगाये। उन्हें 18वें ओवर में बोल्ट ने बोल्ड आउट किया। वेंकटेश अय्यर आठ रन बनाकर आउट हुये। रिंकू सिंह नौ गेंदों में एक चौका और दो छक्के लगाकर 20 रन बनाकर नाबाद रहे। रमनदीप सिंह भी एक रन बनाकर नाबाद रहे। कोलकाता ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 223 रन का स्कोर खड़ा किया। राजस्थान रॉयल्स की ओर से आवेश खान और कुलदीप सेन ने दो-दो विकेट लिये। ट्रेंट बोल्ट और युजवेंद्र चहल को एक-एक विकेट मिला।

अंकतालिका

टीम	मैच	जीत	हार	अंक	रनरेट
राजस्थान	6	5	1	10	+0.767
कोलकाता	5	4	1	8	+1.688
चेन्नई	6	4	2	8	+0.726
हैदराबाद	6	4	2	8	+0.502
लखनऊ	6	3	3	6	+0.038
गुजरात	6	3	3	6	-0.637
पंजाब	6	2	4	4	-0.218
मुंबई	6	2	4	4	-0.234
दिल्ली	6	2	4	4	-0.975
बेंगलुरु	7	1	6	2	-1.185

कोलकाता नाइट राइडर्स :

सॉल्ट कॉट एण्ड बोल्ड आवेश	10
सुनील नरेन बोल्ड बोल्ट	109
अंगकृष का अश्विन बो के सेन	30
श्रेयस अय्यर पगबाधा चहल	11
रसेल का जुरेल बो आवेश	13
रिंकू सिंह नाबाद	20
वेंकटेश का जुरेल बो के सेन	08
रमनदीप सिंह नाबाद	01
अतिरिक्त : 21 रन	
कुल 20 ओवर में छह विकेट पर 223 रन	

गेंदबाजी :

ट्रेंट बोल्ट	4-0-31-1
आवेश खान	4-0-35-2
कुलदीप सेन	4-0-46-2
युजवेंद्र चहल	4-0-54-1
रवि अश्विन	4-0-49-0

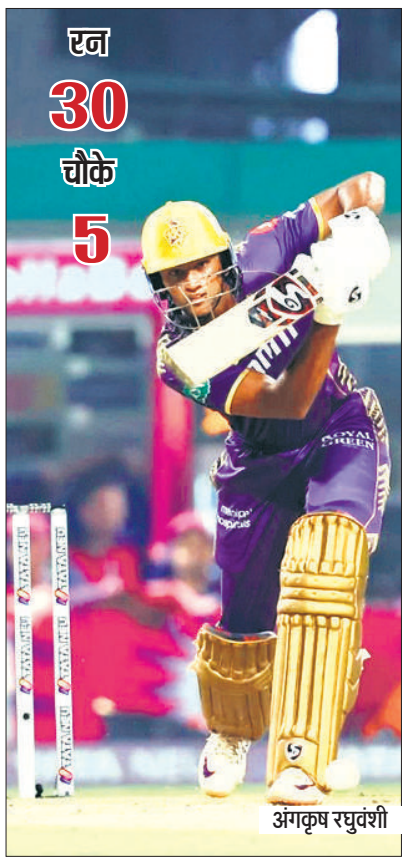

ऑस्ट्रेलिया से निपटने को बेहतर पासिंग की जरूरत

नयी दिल्ली, एजेंसी

पूर्व ड्रैग फ्लिक विशेषज्ञ रूपिंदर पाल सिंह को लगता है कि भारतीय पुरुष हॉकी टीम बेहतर रक्षात्मक तालमेल और बेहतर पासिंग से ऑस्ट्रेलिया की आक्रामक खेल शैली से निपट सकती है। हाल में भारत को पर्थ में हुई पांच टेस्ट की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया से 0-5 से हार का सामना करना पड़ा। यह दौरा भारत के लिए निराशाजनक रहा जबकि इससे पहले टीम ने एफआईएच प्रो लीग में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था।

टीम से जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक में तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक से बेहतर या इसके बराबरी वाले प्रदर्शन की उम्मीद है। भारत की 2014 एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता टीम के सदस्य सिंह हालांकि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस नतीजे से ज्यादा चिंतित नहीं हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि टीम प्रत्येक मैच के साथ सुधार करती गयी। सिंह ने 'पीटीआई वीडियो' से कहा, ''हम पहला मैच 5-1 से हारे लेकिन इसके बाद टीम ने सुधार किया और स्कोर बराबरी का रहा। हमने कुछ मौके गंवाये जिसे देखते हुए ओलंपिक से पहले कुछ काम करने की जरूरत है। यह श्रृंखला पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए थी।

स्टार खिलाड़ी होने के नाते मैक्सवेल दबाव में था : पोंटिंग

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने मंगलवार को ग्लेन मैक्सवेल के प्रति सहानुभूति दिखाते हुए कहा कि लगातार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का स्टार खिलाड़ी होने का दबाव उन पर हावी हो गया और उन्होंने खेल से अनिश्चिकालीन 'मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य' ब्रेक लेकर सही फैसला किया। मैक्सवेल ने अपने करियर में दूसरी दफा इस तरह का ब्रेक लिया है। आईपीएल के इस चरण में लगातार कम स्कोर के बाद इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलरांउडर ने सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में आराम दिये जाने के बारे में कहा। पोंटिंग ने पीटीआई से कहा, ''आरसीबी की टीम में ग्लेन जैसे खिलाड़ी का होना, वह विराट कोहली के साथ टीम का बड़ा खिलाड़ी है जिससे उस टीम में खेलते हुए इन दोनों खिलाड़ियों पर काफी दबाव होता है। अगर वे अच्छा नहीं करते और नतीजे अच्छे नहीं आते तो दबाव होता है।'' आरसीबी इस समय 10 टीम की तालिका में सात मैच में छह हार से अंतिम स्थान पर चल रही है। पोंटिंग ने कहा, ''अगर आप देखो कि टूर्नामेंट में उन्होंने कैसा प्रदर्शन किया है तो दबाव व्यक्तिगत खिलाड़ी पर भी आ जाता है। मैंने आज सुबह वो लेख देखा कि ग्लेन हटना चाहते हैं।''

गुजरात और दिल्ली को निरंतरता की तलाश

अहमदाबाद, एजेंसी

- **मैच भारतीय समयानुसार शाम साढ़े सात बजे शुरू होगा।**

निरंतरता हासिल करने की कोशिश में जुटी गुजरात टाइटन्स और दिल्ली कैपिटल्स दोनों ही टीम बुधवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में बेहतर प्रदर्शन कर एक-दूसरे को पराजित करने के इरादे से मैदान में उतरेंगी। पिछले दो चरण की तरह गुजरात टाइटन्स अभी तक एकजुट होकर शानदार प्रदर्शन नहीं कर सकी है, हालांकि उनके पास अपनी कमियों को पूरा करने का अब भी काफी समय है।

गुजरात टाइटन्स ने तालिका में शीर्ष पर चल रही राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 10 अप्रैल को अंतिम गेंद में जीत हासिल की थी और अगर उसे अपने अभियान में जान फूंकनी है तो उसे ऐसा ही प्रदर्शन करने की जरूरत है। टीम अपने पहले छह मैच में केवल दो में ही जीत सकी है और अभी आठ मैच बाकी हैं तो शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम के पास चीजों का रुख बदलने के लिए काफी समय है। शमी की अनुपस्थिति हालांकि उसके लिए नुकसानदायक रही है लेकिन उन्हें अपने सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध गेंदबाजों का सही इस्तेमाल करना होगा।

आम्रपाली दुबे स्टारर कभी खुशी कभी गम का ट्रेलर रिलीज

मुंबई, एजेंसी। प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी स्टारर फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यशी फिल्म्स - अभय सिन्हा एवं रेणु विजय फिल्म्स एंटरटेनमेंट प्रस्तुत और निर्माता निशांत उज्जवल की फिल्म कभी खुशी कभी गम का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में प्रदीप पांडेय चिंटू, आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी के बीच की कहानी दर्शकों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली है।फिल्म में महानायक कुणाल सिंह सिंह की दमदार उपस्थिति भी है। निर्माता निशांत उज्जवल ने कहा कि फिल्म कभी खुशी कभी गम इंसानी रिश्तों की धूप छांव की कहानी है। ट्रेलर में इसकी एक झलक देखने को मिल रही है, लेकिन जब दर्शक इसे बड़े परदे पर देखेंगे तो दंग रह जायेंगे। उन्होंने बताया कि फिल्म कभी खुशी कभी गम के लिए एक बार फिर से आम्रपाली दुबे और संचिता बनर्जी लकी चार्म साबित होंगी, जिन्हें दर्शक फिल्म निरहुआ हिंदुस्तानी 2 के बाद फिर से एक साथ देख पाएंगे। इनकी जोड़ी जब भी आती है, फिल्म का हिट होना तय माना जाता है, और वैसे भी यदि देखा जाए तो दोनों गजब की अदाकारा हैं, जिन्होंने चिंटू के साथ मिलकर फिल्म के ग्राफ को और भी बढ़ा दिया है। अब फिल्म को जल्द ही रिलीज करेंगे।

खेसारी की रंग दे बसंती 7 जून को होगी रिलीज

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार खेसारी लाल यादव की बहुचर्चित भोजपुरी फिल्म 'रंग दे बसंती' 07 जून को रिलीज होगी। फिल्म के निर्माता रौशन सिंह ने बताया कि सेंसर बोर्ड के प्रॉब्लम के बाद अब यह फिल्म रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है। फिल्म अपने ओरिजिनल नाम के साथ ही 07 जून को पैन इंडिया सिनेमाघरों में होगी।इस फिल्म को बड़े पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है, फिल्म मल्टीप्लेक्स में भी दिखाई देगी। उन्होंने बताया कि अभी देशभर के मल्टीप्लेक्स और सिंगल स्क्रीन में इस फिल्म के ट्रेलर चल रहे हैं, जो पहली बार हुआ है, जब बॉलीवुड फिल्मों के बीच में ट्रेलर चल रहा है। यह फिल्म 250 से ज्यादा स्क्रीन पर पैन इंडिया रिलीज होने वाली है। फिल्म रंग दे बसंती के निर्माता रौशन सिंह और सह निर्माता शर्मिला आर सिंह हैं। निर्देशक प्रेमांशु सिंह हैं। इस फिल्म में खेसारीलाल यादव, रति पांडे और डायना खान के साथ अमिताभ भट्टाचार्य, फिरोज खान और मास्टर ऋषभ यादव राज प्रेमी, मीर सरवर, अमित तिवारी, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैश, ज्योति कलश, संजय महानंद, रीना रानी, श्रद्धा नवल, सुजान सिंह, सोनू पांडेय, रितु चौहान, रिंकू भारती, नेहा पाठक, खुशबू यादव, संजय वर्मा, अखिलेश कुमार अक्की, सूर्या द्विवेदी, निकिता भारद्वाज और चाहत प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी मनोज कुशवाहा ने लिखी है। संगीतकार ओम झा हैं। गीतकार प्यारेलाल यादव, अरविंद तिवारी, राकेश निराला, डॉ. कृष्णा एन शर्मा और सत्य सावरकर हैं। डीओपी वासु, कोरियोग्राफर रिकी गुप्ता, कला राजीव शर्मा का है।

मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हैं अभिनेत्री आलिया भट्ट

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट, राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर की आने वाली फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही देखने के लिए एक्साइटेड हैं। करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और महेंद्र सिंह धोनी पर आधारित है। फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज माही' में राजकुमार राव और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का पहला पोस्टर रिलीज कर दिया गया है। आलिया भट्ट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम की स्टोरी पर ''मिस्टर एंड मिसेज माही'' का पोस्टर शेयर किया है। इस पोस्टर को आलिया ने ने जाह्नवी और राजकुमार को टैग करते हुए कैप्शन में लिखा कि इंतजार नहीं हो रहा शैरी। मिस्टर एंड मिसेज माही 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

शुद्ध पेयजल के लिए बाजारों में रखवाए जाएं घड़े: डीएम

संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत दिए गए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

बैठक में निर्देश देते जिलाधिकारी अभिषेक आनंद। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने संचारी रोग एवं दिमागी बुखार की रोकथाम के लिए पूरे जिले में सघन सफाई अभियान चलाने को कहा। उन्होंने अधिशासी अधिकारियों से बाजारों में शुद्ध पेयजल के लिए घड़े रखवाने के निर्देश दिए।

मंगलवार को इस संबंध में हुई अंतर्विभागीय बैठक में बताया गया कि विशेष संचारी रोग नियंत्रण व दस्तक अभियान का प्रथम चरण 30 अप्रैल तक चलाया जा रहा है। सीएमओ डॉ. भूपेश द्विवेदी ने बताया कि दस्तक अभियान में आशा और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की 824 टीमें घर-घर भ्रमण कर बुखार के मरीजों, कुपोषित बच्चों, खांसी-जुकाम व क्षय रोग के लक्षण वाले व्यक्तियों को चिह्नित कर उन्हें इलाज के लिए जागरूक कर रही हैं। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. जीआर रतमेले ने बताया कि इस बार आशा कार्यकर्ता घर के सभी लोगों की आभा आईडी बना रही हैं। डीएम ने कहा कि नालियों-गलियों की सफाई के साथ हैंडपंपों की मरम्मत कराएं। हैंडपंप खराब हैं तो लाल पेंट से मार्क भी कराएं। उन्होंने डीपीआरओ को निर्देशित किया कि सचिवों के साथ मीटिंग कर झाड़ियों की सफाई कराएं। बाजारों में व पंचायत घरों में पानी के लिए रखे घड़ों में भी सफाई का ध्यान दें। अधिशासी अधिकारियों को बाजार में आरओ लगवाने व शुद्ध पेयजल के लिए घड़े रखवाने के निर्देश दिए। सीडीओ अमृतपाल कौर, बीएसए, डीपीओ आदि अधिकारी मौजूद रहे।

अब तक 34,412 घरों का भ्रमण

जिला मलेरिया अधिकारी लाल साहब सिंह ने बताया कि दस्तक अभियान के अंतर्गत अभी तक आशा कार्यकर्ताओं ने 34422 घरों का भ्रमण किया है। खांसी-जुकाम, बुखार के 23 मरीज, क्षय रोग का एक मरीज चिह्नित किया गया है।

नवम सिद्धिदात्री

मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियों को देने वाली हैं। नवरात्र पूजन के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस दिन शास्त्रीय विधि-विधान और पूर्ण निष्ठा के साथ साधना करने वाले साधक को सभी सिद्धियों की प्राप्ति हो जाती है। सृष्टि में कुछ भी उसके लिए अगम्य नहीं रह जाता है। देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

बीज मंत्र-ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

सवा किलो गांजा बरामद, आरोपी गिरफ्तार

मऊ (चित्रकूट) एसआई विनय विक्रम सिंह ने भानु प्रताप पुत्र रामसवारे निवासी ग्राम पिपरौंद को एक किलो 200 ग्राम अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया। इसके विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज की गई। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में आरक्षी प्रवीण पांडेय शामिल रहे।

मरम्मत कार्य के चलते बिजली सप्लाई बाधित

कालपी (जालौन)। स्थानीय नगर के अलग-अलग इलाकों में विद्युत विभाग के कर्मचारियों की टीमों द्वारा बिजली के खम्भों, तारों तथा ट्रांसफार्मरों में उलझे पेड़ की टहनियों को काटने, छांटने तथा नई केबल बिछाने की वजह से आपूर्ति प्रभावित हो रही है। बिजली की आपूर्ति बेहतर बनाने के उद्देश्य से नगर में स्थापित कराये गये पोलों में नई केबिल बिछाने का काम टरनंनगंज बाजार तथा आलमपुर में चलाया गया। फलस्वरूप बिजली की कटौती रही।

मेडिकल स्टोर के संचालक कल्लू गुप्ता, दिनेश गुप्ता आदि दुकानदारों ने बताया कि मंगलवार को पूरे दिन आपूर्ति ठप रही। बिजली के तारों, खम्भों तारों तथा ट्रांसफार्मरो के इर्द-गिर्द पेड़ों की टहनियों तथा झाड़ियों से आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित होती है।इसी को देखते हुए टहनियों तथा झाड़िय विभागीय टीमें अपने अपने क्षेत्र में टहनियों तथा झाड़ियों को काटने का काम करेंगी। विभागीय कर्मचारी रिंकू पोरवाल के नेतृत्व में रामगंज, रावगंज,तरीबुल्दा, तहसील परिसर टरनंनगंज, आदि मुहल्लों में टहनियों तथा झाड़ियों को छांटा गया है।

हवाई वादों की बानगी है मलवारा गांव

संवाददाता, राजपुर (चित्रकूट)

मलवारा गांव की सड़क का यह हाल है। अमृत विचार

अमृत विचार। राजापुर तहसील का मलवारा गांव अफसरों के कागजी वादों और जनप्रतिनिधियों के हवाहवाई वादों का सुबूत बनकर रह गया। यहां एक अदद अच्छी सड़क की आवश्यकता बाशिंदों को कचोटती है।

मनोज।

राममूरत।

घनश्याम।

जनप्रतिनिधि सरकार की उपलब्धियों के बखान के दौरान सड़कों की बेहतरी के दावे बहुत करते हैं पर ये दावे गांव-मजरों की हकीकत में खोखले साबित हो जाते हैं। मलवारा का यही हाल है। यहां एक अदद संपर्क मार्ग की कमी से गांववाले परेशानी में हैं। घनश्याम पाल, मनोज नामदेव आदि ने बताया कि मलवारा को 2016-17 में लोहिया ग्राम के रूप में चयनित तो किया गया पर इसके बाद भी विकास नजर नहीं आया। लंबे समय बाद एक किमी इंटरलॉकिंग के लिए लगभग चार लाख की धनराशि स्वीकृत हुई लेकिन निर्माण कार्य नहीं हो पाया। ग्रामीणों ने आशंका जताई कि इसमें भी धन का बंदरबांट किया गया है। उन्होंने बताया कि अभिलेखों में इंटरलॉकिंग दर्ज है लेकिन जमीनी हक़ीक़त देखी जाए तो समूची सड़क गड्ढों में तब्दील है और जगह जगह कीचड़ व जलभराव सड़क की दास्तान बयां करते हैं। बरसात के समय कीचड़ भरे रास्ते से आना जाना पड़ता है। गर्भवती महिलाओं और मरीजों को अस्पताल ले जाने में दिक्कत का सामना करना पड़ता है। राम मूरत और अन्य ग्रामीणों ने इसके पीछे प्रधान व सचिव की लापरवाही को वजह बताया।

गांव की किसी भी समस्या का निपटारा नहीं

गांव के लोगों का कहना है कि मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाने से ज़ीना दुभर हो रहा है। नालियां बजबजा रही हैं। राजापुर-बूढ़ा सेमरवार संपर्क मार्ग के दोनों ओर नालियां न होने से गंदा पानी भी सड़क पर बहता है। सफाई कर्मी नदारत रहता है जिसकी मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में कई बार शिकायतें की गई हैं। आरोप लगाया कि अधिकारी मनमानी ढंग से फर्जी रिपोर्ट लगाकर शिकायतों का निस्तारण कर रहे हैं। उमेश सिंह, दीपराज सिंह, लाल सिंह, सुभाष सिंह, सुमेर आदि ने जिलाधिकारी से इस ओर ध्यान देने का अनुरोध किया है।

विवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

विवाहिता के घर के बाहर लगी भीड़ और मौजूद पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार। सरधुआ थानांतर्गत एक मजरे में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी की वजह गृह कलह बताई जा रही है।

ग्राम पंचायत सरधुआ के मजरे जालंधरपुरवा में 32 वर्षीया पूजा देवी ने सोमवार पूर्वाह्न लगभग 11 बजे कमरे में फांसी लगाकर जान दे दी। पूजा के पति शिवपर्थन निषाद ने बताया कि वह बच्चों के साथ नदी नहाने गया था। घर सूना पाकर पत्नी ने खुद को कमरे में बंद करके आत्महत्या कर ली।

बताया कि जब वे घर वापस पहुंचे तो कमरा अंदर से बंद था। खिड़की से देखा तो पूजा फांसी पर लटकी थी। इसकी प्रभारी निरीक्षक को सूचना दी। बताया कि उसके तीन पुत्र व एक पुत्री है। ग्राम प्रधान कमलेश कुमार प्रजापति ने बताया कि आत्महत्या करने का कारण पता नहीं चला है। शिवपर्थन भूमिहीन था और गांव के कुछ लोगों के खेतों को बटाई में लेकर परिवार का पेट पालता था। उधर, पता चला है कि मायके पक्ष के लोगों ने इस संबंध में आरोप लगाए हैं। प्रभारी निरीक्षक आशुतोष तिवारी ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई। प्रथमदृष्टया गृह कलह की वजह से आत्महत्या की आशंका है।

- घटना के समय नदी में नहाने गए थे पति और बच्चे

रामनवमी की पूर्व संध्या पर संकीर्तन

हमीरपुर। नगर के स्थानीय सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज में रामनवमी की पूर्व संध्या पर कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत संगीताचार्य ज्ञानेश जड़िया के नेतृत्व में सरस्वती वंदना एवं श्री राम लक्ष्मण की झांकी के समक्ष संकीर्तन के साथ हुई।

इस अवसर पर प्रधानाचार्य रामप्रकाश गुप्ता ने कहा कि रामनवमी का त्योहार चैत्र मास की शुक्ल पक्ष की नवमी को मनाया जाता है। हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्म हुआ था। जब जब धर्म की हानि होती है तब तब प्रभु अवतार लेते हैं। राम को मर्यादा पुरुषोत्तम इसलिए कहा जाता है क्योंकि वह पुरुषों में उत्तम तथा उनमें सोलह गुण है। जैसे मातृ पितृ, भक्ति, धैर्यवान, आदर्श, साहसी, न्यायप्रिय, उदार चरित्र, चरित्रवान, कृतज्ञ योद्धा आदि थे।

अर्पित यादव ने आईएएस बनकर पिता के सपने को किया साकार

कार्यालय संवाददाता, चित्रकूट

अर्पित यादव।

अमृत विचार। जिला मुख्यालय निवासी अर्पित यादव ने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा 2023 में सफलता हासिल कर परिवार और जिले का नाम रोशन किया है। 136वीं रैंक पाने वाले अर्पित के पिता की कोरोना से मृत्यु हो गई थी। वह कहते हैं कि उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता के सपने को साकार किया है।

संघ लोक सेवा आयोग ने मंगलवार को सिविल सेवा परीक्षा 2023 का अंतिम परिणाम जारी किया। इसमें चित्रकूट मुख्यालय अंतर्गत अहिरनपुरवा निवासी अर्पित यादव का भी नाम है। अर्पित ने बेड़ी पुलिया के पास स्थित बैजनाथ भारद्वाज विद्या मन्दिर इंटर कालेज से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट उत्तीर्ण किया और इसके बाद दिल्ली विश्वविद्यालय में दाखिला लिया था। अर्पित ने सफलता का श्रेय अपनी माता मीरा देवी और पिता स्व. राममूरत यादव को दिया है। राममूरत यादव प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे और कोरोना की चपेट में आने से उनकी मृत्यु हो गई थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस परीक्षा में सफलता हासिल कर अपने पिता के सपने को पूरा किया है। यह उनका दूसरा प्रयास था। उनको अखिल भारतीय स्तर पर 136वीं रैंक प्राप्त हुई है। खास बात यह है कि अर्पित को हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में जिले की मेरिट में स्थान नहीं मिला था। इस पर अर्पित ने कहा कि हाईस्कूल और इंटरमीडिएट में टाप न कर पाने वाले बच्चे भी आईएएस बन सकते हैं। इसके लिए सभी को हौसले की जरूरत होती है। सफलता पर अर्पित के छोटे भाई आलोक और शुभचिंतकों ने प्रसन्नता जताई और स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

- कर्वी के रहने वाले अर्पित को मिली 136वीं रैंक

अलग-अलग दुर्घटनाओं में कई लोग हुए घायल

मऊ (चित्रकूट)। अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में कई लोग घायल हो गए। मंगलवार की शाम लगभग छह बजे तहसील के मुख्य गेट के पास अमृत लाल (32) पुत्र जगमोहन निवासी सुरौंधा की बाइक मऊ निवासी अभय (20) पुत्र श्रीराम से टकरा गई। दोनों युवकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। शाम को ही बरगढ़ के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बाइकों की भिड़ंत में रमेश (40) पुत्र रामदीन, जीतलाल (60) पुत्र श्यामलाल और राजबहोर (27) पुत्र रामबहोर घायल हो गए। सभी बरगढ़ के निवासी हैं। इनको भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इधर यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि दुर्घटनाओं से बचाव के लिए ट्रैफिक नियमों का पालन करना यकीनी बनाएं।

बलकेश्वरी माता मंदिर में पूरे वर्ष लगता है मेला

संवाददाता, पहाड़ी (चित्रकूट)

बलकेश्वरी माता का मंदिर।

जगदीश गौतम।

अनिल यादव।

अमृत विचार। नवरात्र में चंदेलकालीन बलकेश्वरी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। लोग यहां अपनी श्रद्धा के अनुसार चढ़ावा चढ़ाकर मन्नत मांगते हैं।

ब्लाक मुख्यालय से 10 किमी दूर लोहदा और अरछा बरेठी के मध्य स्थित बलकेश्वरी माता के प्राचीन मंदिर में नवरात्र में आस्थावानों का मेला सा लगता है। भाजपा नेता जगदीश गौतम के पिता जय नारायण गौतम बताते हैं कि यह चंदेलकालीन मंदिर है। इसका निर्माण महोबा के वीर क्षत्रिय आल्हा ऊदल के भांजों सिया भांजा ने कराया था। पहले इस स्थान का नाम सिरोंजगढ़ था। बलकेश्वरी माता उनकी कुलदेवी थीं। आज भी आसपास के क्षत्रिय राजपूत शादी व अन्य शुभ अवसरों पर यहां आते हैं और पूजा करते हैं। मंदिर के पुजारी जगदीश दास उर्फ राजा महाराज ने बताया कि वैसे तो पूरे वर्ष सोमवार को यहां मेला लगता है लेकिन नवरात्र का विशेष महत्व है। पहाड़ी के साथ ब्यौहरा, भानपुर, सुरसेन, औदहा, पनौटी आदि क्षेत्र के गांवों व पड़ोसी जिलों बांदा, कौशांबी, फतेहपुर आदि से श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। समाजसेवी जगदीश गौतम ने यहां अपने खर्च से धर्मशाला का निर्माण कराया, हैंडपंप लगवाया व प्रकाश की व्यवस्था कराई। 1940 में मां बलकेश्वरी के नाम पर लोहदा में मां बलकेश्वरी संस्कृत उत्तर माध्यमिक विद्यालय की भी स्थापना हुई। लोहदा निवासी धर्मेंद्र मिश्रा ने बताया कि नवरात्र में लोक कल्याण के लिए दुर्गा सप्तशती का नियमित पाठ भी मंदिर में करते हैं। नवमी पर दंगल का आयोजन किया जाता है। ग्राम प्रधान अरछा बरेठी अनिल यादव और लोहदा प्रधान राजा देवी ने बताया कि यह स्थान दोनों ग्राम पंचायतों के मध्य में है। धाम के जीर्णोद्धार के लिए संयुक्त रूप से काम किया जाएगा।

आदर्श और समर्पण का प्रतीक है श्रीराम-सीता का संपूर्ण जीवन: किशोरी शरण

सीतापुर (चित्रकूट)। श्री रघुवीर मंदिर ट्रस्ट बड़ी गुफा में चल रही नौ दिवसीय कथा के तहत सातवें दिन कथावाचक किशोरी शरण मधुकर ने प्रभु राम और माता सीता के जीवन से प्रेरणा लेने की सीख दी। उन्होंने कहा कि दोनों का जीवन प्रेम, आदर्श और समर्पण को प्रदर्शित करता है। मंगलवार को कथा की शुरुआत श्री सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष विशद भाई मफतलाल और उनकी धर्मपत्नी रूपल द्वारा श्रीरामकथा पोथी के पूजन से हुई। कथावक्ता ने प्रभु राम और माता सीता के विवाह की कथा सुनाई। कथा प्रेमियों को बताया कि राम सीता के जीवन से सबको प्रेरणा लेनी चाहिए। इस मौके पर श्री सद्गुरु सेवा संघ के अध्यक्ष, उनकी पत्नी, माता, डा. बीके जैन, उषा जैन, विष्णु जोबनपुत्रा, मनोज पंड्या, इलेश जैन आदि ने कथा सुनी।

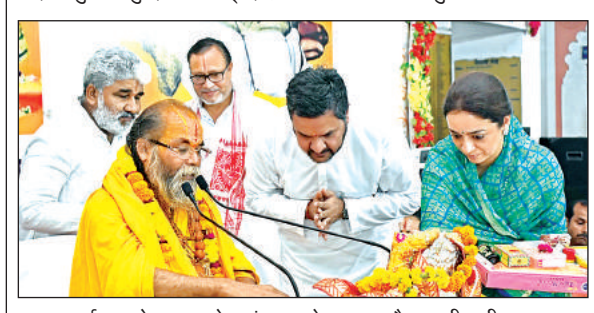

पूजन-अर्चन करते सद्गुरु सेवा संघ ट्रस्ट के अध्यक्ष और उनकी पत्नी।

रंग लाई 'अमृत विचार' की पहल, रास्ते का निर्माण शुरू

संवाददाता, रामनगर (चित्रकूट)

खेत आने-जाने में लंबी दूरी का करना पड़ता है सफर
'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार।

अमृत विचार। आखिरकार 'अमृत विचार' की पहल रंग लाई। ग्राम पंचायत छीबों के समीप स्थित गुंता नहर की बुधवल माइनर से आने-जाने के लिए मार्ग का निर्माण शुरू कर दिया गया। अवर अभियंता ने भी माना कि 'अमृत विचार' में प्रकाशित समाचार के बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर कार्य शुरू किया गया है।

गौरतलब है कि गुंता नहर की बुधवल माइनर की प्रथम एवं द्वितीय नहर की शाखा के किनारे मार्ग न होने से किसानों को खेत आनेजाने में दिक्कत होती थी। इसकी एक वजह यह भी थी कि लोग रास्ते को खेत में मिलाकर अतिक्रमण करके फसल की बुवाई कर देते थे। जेई गुंता नहर हिमांशु शुक्ला ने बताया कि 'अमृत विचार' ने 14 अप्रैल 2023 को खबर प्रकाशित की थी। इसमें किसानों की दिक्कत बताने के साथ ही पुलिया की समस्या का भी जिक्र किया गया था। बताया कि सिंचाई विभाग के उच्चाधिकारियों ने खबर का संज्ञान लिया था। इसके बाद स्थलीय निरीक्षण कराया गया था। इसमें पाया गया था कि कई किसानों ने नहर परियोजना की जमीन तक का अतिक्रमण कर खेत में मिला लिया है।

शासन की स्वीकृति मिलने पर गुंता नहर की बुधवल माइनर प्रथम एवं द्वितीय पर दोनों ओर तीन मीटर चौड़ा कच्चा मार्ग बनाया जाना है। निर्माण की जिम्मेदारी प्रगति कंस्ट्रक्शन ने ली है। जेई ने बताया कि बुधवल माइनर द्वितीय में सड़क का काम शुरू हो गया है। बुधवल माइनर द्वितीय 2.7 किमी लंबी है। इसे देवानी गांव तक दोनों ओर बनाया जाएगा। इसके बाद बुधवल माइनर प्रथम, को भी तीन मीटर चौड़ा बनाया जाएगा। जेई ने बताया कि विभागीय निर्देश मिलते ही किसानों के तय किए स्थान पर पुलिया निर्माण भी कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि नहर परियोजना के दोनों ओर 15 से 30 मीटर विभाग की जमीन है। रास्ता बनाने के बाद नहर विभाग अपनी जमीन का सीमांकन कराएगा कि फिर से किसान अतिक्रमण न कर सकें।

आस्था | दूरदराज से लोग आकर मां के दरबार में लगाते हैं हाजिरी, मंदिर के पीछे स्थित तालाब में भरा गंदा पानी

सुंदरीकरण की बाट जोह रहा मऊ क्षेत्र का मां आनंदी धाम मंदिर

संवाददाता, मऊ (चित्रकूट)

मऊ का मां आनंदी धाम मंदिर।

मंदिर के पीछे स्थित तालाब में भरा गंदा पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। मऊ क्षेत्र में झांसी मिर्जापुर राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे स्थित माता आनंदी देवी का प्राचीन मंदिर में गूंज रहे जयकारों से पूरा इलाका देवीमय हो गया है। यहां दूरदराज से लोग मन्नत पूरी होने पर गाजेबाजे के साथ मां के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं। मंदिर परिसर में साल भर भंडारा एवं भजन कीर्तन होता रहता है।

क्षेत्र के बुजुर्ग बताते हैं कि मां आनंदी धाम मंदिर का परिसर पहले खुला हुआ था। मंदिर का निर्माण बाद में हुआ। श्रद्धालुओं का कहना है कि मंदिर में स्थापित मां आनंदी माता के प्रति लोगों में बहुत आस्था है। लोग सुख दुःख में मां आनंदी माता को ही याद करते हैं। बुजुर्ग लोग बताते हैं कि मंदिर परिसर के पीछे स्थित तालाब के उत्खनन में मूर्ति मिली थी जिसे लोगों ने विधि विधान से स्थापित कर पूजा अर्चना प्रारंभ कर दी थी। मंदिर के सुंदरीकरण की आवश्यकता बहुत है। मंदिर के पीछे का तालाब भी गंदे पानी से भरा है।

अमर शहीदों के बलिदान की यादें अब भी लोगों के जेहन में बसीं : प्रफुल्ल चंद्र

वरिष्ठ अधिवक्ता प्रफुल्ल चंद्र त्रिपाठी बताते हैं कि स्वतंत्रता संग्राम के समय इसी परिसर में नीम का पेड़ था, जिस पर अंग्रेजों ने आजादी के मतवालों को फांसी दी थी। कालांतर में पेड़ गिर गया और निशान भी मिट गया। पर अमर शहीदों के बलिदान की यादें अब भी लोगों के जेहन में हैं।

टीनशेड लगाया जाए: शिवम

वहीं क्षेत्र के युवा शिवम पांडेय का कहना है की मंदिर के मुख्य गेट से मंदिर परिसर तक टिन शेड लगाया जाए। इससे श्रद्धालुओं को धूप एवं बरसात में दिक्कत न होगी। साथ ही तालाब की सफाई कराई जाए।

भंडारा स्थल बनाया जाए: बेटू

वहीं क्षेत्र के युवा बेटू वाजपेई ने मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए कई निर्माण की आवश्यकता बताई। कहा कि मंदिर परिसर में अलग से भंडारा स्थल एवं सार्वजनिक शौचालय की सख्त जरूरत है, जिससे आने वाले आस्थावानों को दिक्कत न हो।

उपेक्षित मंदिर पर अब ध्यान दें लोग: मुकुल

मुकुल ने कहा कि मंदिर दशकों से उपेक्षित रहा है। इससे लोगों को ठेस पहुंची है। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों को मंदिर के सुंदरीकरण पर ध्यान देना चाहिए।

सुंदरीकरण बहुत जरूरी: विष्णु देव

समाजसेवी विष्णु देव त्रिपाठी का कहना है कि मंदिर के प्रति लोगों में बहुत आस्था है। आसपास के दर्जनों गांवों से श्रद्धालु आते रहते हैं। मंदिर के सुंदरीकरण की महती आवश्यकता है।

नदी में मिला अधेड़ का शव

बरगढ़ (चित्रकूट)। थानांतर्गत हरहा गांव के मजरे गोईयाकलां में एक अधेड़ का शव नदी में उतराता मिला। गांव निवासी हरिश्चंद्र पाल ने पुलिस को बताया कि उसके पिता द्वारिका प्रसाद (55) 13 अप्रैल की सुबह भैंस चराने के लिए निकले थे। नहीं लौटे तो थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मंगलवार को ग्रामीणों ने नदी में शव उतराने की जानकारी दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। आशंका जताई जा रही है कि डूबने से अधेड़ की मौत हुई है।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति–पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

एक नजर

पुत्र से विवाद पर पिता ने फांसी लगा जान दी

बबेरू। पुत्र से विवाद होने पर पिता ने कमरे के अंदर छत के छल्ले पर अंगौछा से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मर्का थाना क्षेत्र के बैरफ गांव के मजरा बरगदहा डेरा निवासी अजीत सिंह (42) पुत्र रामगोपाल सिंह ने सोमवार की रात कमरे के अंदर छत के छल्ले पर अंगौछा से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मंगलवार को सुबह परिजनों ने उसका शव फंदे पर लटकता देखा। मृतक के पारिवारिक चाचा राजभान सिंह का कहना है कि अजीत किसानी करता था। किसी बात को लेकर उसका पुत्र से विवाद हो गया था। इसी से क्षुब्ध होकर फांसी लगाकर खुदकुशी कर लिया।

बाइक गिरने से मां-बेटा समेत तीन घायल

बांदा : अतर्रा कस्बा निवासी शोभा (40) पत्नी दयाराम अपने मायके अलिहा गांव आई थी। मंगलवार की दोपहर वह अपने पुत्र दिव्यांश (8) का इलाज कराने देवर लवलेश (25) के साथ बाइक में बैठकर मुरवल जा रही थी। तभी रास्ते में तेज रफ्तार बाइक आनियंत्रित होकर गिर पड़ी। तीनों घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां महिला की हालत गंभीर बताई गई है।

तीन लोगों ने जहर खाया

बांदा। गिरवां कस्बा निवासी प्रियंका (19) का पति रामजी दिल्ली में रह कर मजदूरी करता है। रविवार की शाम घरेलू किसी बात को लेकर पति से विवाद हो गया। नाराज होकर उसने जहर खा लिया। हालत बिगड़ने पर घरवालो को जानकारी हुई। इसी तरह शहर के कांशीराम कालोनी निवासी आशीष (25) पुत्र चंद्रभान ने घरेलू किसी बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। देहात कोतवाली क्षेत्र के चहितारा गांव निवासी रमाकांत (27) पुत्र पप्पू का सोमवार की शाम घरेलू किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। इसी से नाराज होकर उसने जहरीला पदार्थ खा लिया। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

कुएं में गिरकर बुजुर्ग घायल

बांदा। पन्ना जिला के कीरतपुर बरूआपुरा निवासी बेटा लाल (75) पुत्र अर्जुन रविवार की शाम खेत जा रहा था। अधेरा होने के कारण वह समतल कुएं में जा गिरा। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर गुल सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणो ने कड़ी मशक्कत के बाद उसे कुए से बाहर निकाला। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मोबाइल केंद्रों पर आसानी से बेच सकते गेहूं

डीएम ने एसडीएम, तहसीलदार, खाद्य विपणन अधिकारी व नजदीकी क्रय केंद्र प्रभारी से संपर्क करने को कहा

कार्यालय संवाददाता,बांदा

मोबाइल खरीद केंद्र में गेहूं की गुणवत्ता परखतीं डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल।

- डीएम ने किया खरीद केंद्रों का निरीक्षण, खामियां दुरुस्त करने की हिदायद
- 15 अप्रैल से मोबाइल क्रय केंद्रों पर शुरू की जा चुकी है गेहूं की खरीद

अमृत विचार। खाद्य एवं विपणन विभाग द्वारा संचालित मोबाइल गेहूं खरीद केंद्र का निरीक्षण करते हुए किसानों से जानकारी ली। कहा कि किसान मोबाइल खरीद केंद्रों पर अपना गेहूं आसानी से गांव में रहकर बेच सकते हैं। एसडीएम, तहसीलदार व जिला खाद्य विपणन अधिकारी और नजदीकी क्रय केंद्र प्रभारी से संपर्क कर अपना गेहूं बेचें।

डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने मंगलवार को खाद्य एवं विपणन विभाग द्वारा पचनेही गांव में संचालित मोबाइल गेहूं खरीद केंद्र का निरीक्षण किया। कहा किसान इस केंद्र पर गेहूं आसानी से बेच सकता है। बताया कि 15 अप्रैल से मोबाइल क्रय केंद्रों पर गेहूं की खरीद की जा रही है। अभी तक पपरेंदा में 316 क्विंटल की खरीद किसान सोनू देवी, सुनील सिंह, अमित सिंह व अनुज सिंह से की जा चुकी है। गोखरही में 198 क्विंटल व पचनेही में 392.50 क्विंटल गेहूं खरीद की जा चुकी है। डीएम ने बताया कि शासन द्वारा कृषकों से उनके गांव, खेत में गेहूं खरीद की व्यवस्था की गई है। किसानों से कहा कि अपने तहसील के उपजिलाधिकारी, तहसीलदार, जिला खाद्य विपणन अधिकारी व नजदीकी क्रय केंद्र प्रभारी से संपर्क कर अपने गांव या फिर खेत से गेहूं की तौल कराने की सुविधा का लाभ उठाएं। इस दौरान एडीएम राजेश कुमार, उप खाद्य विपणन अधिकारी रामानंद जायसवाल,ग्राम प्रधान आशा रहे।

अधिकारियों के जारी किए गए मोबाइल नंबर

जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने अधिकारियों के नंबर जारी करते हुए कृषक बन्धुओं से कहा कि इन नंबरों पर संपर्क कर सुविधा का लाभ उठाएं। गेहूं बिक्री करने वाले इच्छुक कृषक बन्धु निम्नवत् मोबाइल नम्बरों पर सम्पर्क कर अवगत करा सकते हैं-जिला खाद्य विपणन अधिकारी (9415629261), एसडीएम सदर (9454415969), तहसीलदार सदर (9454415977), एसडीएम अतर्रा (9454415975), तहसीलदार अतर्रा (9454415979), एसडीएम नरैनी (9454415971), तहसीलदार नरैनी (9454415989), एसडीएम बबेरू (9454415970), तहसीलदार बबेरू (9454415980), एसडीएम पैलानी (9454415973), तहसीलदार पैलानी (9454415987)

चुनाव आयोग का है आह्वान, सबको करना है मतदान

संवाददाता, पैलानी

मतदाता जागरुकता रैली में भागीदारी करते एसडीएम व ग्रामीण। अमृत विचार

- जसपुरा गांव में निकली रैली तीन सैकड़ा लोगों ने हस्ताक्षर अभियान में की भागीदारी

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के लिए निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला प्रशासन मतदाता जागरुकता अभियान चलाकर 85 फीसदी मतदान की कवायदों में जुटा है। प्राथमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं व प्रबुद्ध ग्रामीणों ने जागरुकता रैली निकालकर मतदान की अलख जगाई। घर-घर जाकर लोगों से 20 मई को बूथ में जाकर मतदान करने को प्रेरित किया। इस मौके पर हस्ताक्षर अभियान चलाकर ग्रामीणों को मतदान और वोट का महत्व बताया।

पैलानी तहसील क्षेत्र के जसपुरा ब्लॉक अंतर्गत गड़रिया गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों, छात्र-छात्राओं व प्रबुद्ध ग्रामीणों ने मंगलवार को स्वीप के तहत 85 प्रतिशत मतदान को लेकर मतदाता जागरूकता निकाली। एसडीएम शशि भूषण मिश्रा व तहसीलदार विकास पांडेय की अगुवाई में गाजे-बाजे के साथ रैली निकालकर लोगों को लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी बनने का आह्वान किया। इस दौरान चुनाव आयोग का है आह्वान, सबको करना है मतदान, डरने की क्या बात है, पुलिस-प्रशासन साथ है और बनो देश के भाग्य विधाता, अब जागो बांदा के मतदाता के प्रेरक नारे गूंजे। गांव की प्रमुख गलियों का भ्रमण करते हुए घर-घर जाकर लोगों से 20 मई को बूथ में जाकर मतदान करने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता रैली के बाद चलाए गए हस्ताक्षर अभियान में करीब तीन सैकड़ा ग्रामीणों ने हिस्सा लेते हुए मतदान का संकल्प लिया। इस दौरान पैलानी नायब तहसीलदार मोहम्मद मुस्तकीम, जसपुरा नायब तहसीलदार वेद प्रकाश, सहायक बेसिक शिक्षा अधिकारी जसपुरा प्रवीण दीक्षित मौजूद रहे। उधर, जिला मुख्यालय स्थित खानकाह इंटर कालेज प्रधानाचार्य शहाना खान की अगुवाई में शिक्षकों व छात्रों ने नगर पालिका परिषद वार्ड नंबर-15 अभियान चलाकर मतदाताओं को जगारू किया। इस मौके पर बीएलओ सुनील शर्मा, के साथ शिक्षक शाहिद वली खान, मोहम्मद बाकर, तारिक मंसूर खान, वासिफ खान आदि शामिल रहे।

बोलेरो की टक्कर से युवा किसान की मौत महिला गंभीर घायल

बबेरू। तेज रफ्तार बोलेरो ने फसल काट कर पैदल घर आ रहे युवा किसान व महिला को बुरी तरह से रौंद दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार से पहले ही युवक ने दम तोड़ दिया। जबकि महिला का उपचार किया जा रहा है।

कोतवाली क्षेत्र के कोर्रम गांव निवासी रीतेश (18) पुत्र रामनरेश रविवार की शाम फसल काट कर पैदल घर जा रहा था। तभी अतर्रा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार बोलेरो ने उसे टक्कर मार कर घायल कर दिया। हादसे के बाद मौके से भाग रही चालक ने गांव की मंजू (30) पत्नी पप्पू को बुरी तरह से रौंद दिया। दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को सीएचसी बबेरू में भर्ती कराया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में रीतेश को कानपुर रेफर कर दिया। परिजन उसे प्रयागराज लेकर जा रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। मृतक के चचेरे भाई उमेश कुमार ने बताया कि रीतेश किसानी करता था। उसके पिता की दो साल पहले बीमारी से मौत हो गई थी।

सड़क हादसों में आधा दर्जन लोग हुए घायल

नरैनी: सड़क हादसों में विभिन्न स्थानों में आधा दर्जन लोग घायल हो गए। घायलों का स्वास्थ केंद्र में इलाज हुआ।

कालिंजर थाना क्षेत्र के प्रसिद्धपुर निवासी आशीष कुमार बाइक में अपनी मां रूपा देवी और बड़ी मां सियाप्यारी को साथ लेकर निमंत्रण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले के अंतर्गत गौरिहार जा रहे थे। तभी कालिंजर फतेहगंज मार्ग में सामने से आ रहे बाइक सवार टक्कर मारकर भाग खड़े हुए।जिससे बाइक में सवार तीनो लोगो खंती में गिर गए। तीनो घायलों को राहगीरों की मदद से नरैनी अस्पताल भेजा गया। इसी प्रकार से रंनखेरा गांव का रहने वाला भोला (28) पुत्र जोधा भवई गांव निमंत्रण कार्यक्रम में बाइक से जा रहा था। जमवारा गांव के पास सामने से आ रहे अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। पीछे आ रहे चाचा विनोद कुमार ने सड़क में घायल पड़े भतीजे को स्वास्थ केंद्र भर्ती करवाया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सको ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। इसी प्रकार से रिसौरा गांव निवासी पिंकी देवी गांव से नरैनी कस्बे आ रही थी। पनगरा गांव के पास सामने वाले वाहन को पासिंग देते समय बगल से जा रहे वाहन से भिड़कर घायल हो गई। मौके पर मौजूद लोगो की मदद से घायल को एंबुलेश के जरिए नरैनी स्वास्थ केंद्र में भर्ती कराया गया। जहा मौजूद चिकित्सको के द्वारा घायल प्राथमिक उपचार के गंभीर हालत में मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

आज निकाली जाएगी रामजी की सवारी

कार्यालय संवाददाता,बांदा

रामनवमी जुलूस के लिए भगवा रंग से सजाई गईं सड़कें। अमृत विचार

- सिर पर पगड़ी पहन जुलूस की अगुवाई करेंगे कमेटी के लोग

अमृत विचार। रामनवमी का पर्व भव्य और आकर्षक तरीके से मनाने को रामभक्त पूरी तरह से तैयार हैं। रामभक्तों ने इस बार भी रामनवमी के जुलूस को आकर्षक रंग देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। समूचे शहर को भगवा रंग की झंडियों व झंडों से सजाया जा रहा है। वहीं बुधवार को समूचे जनपद में मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का जन्मोत्सव पूरी श्रद्धा व उत्साह के साथ मनाया जाएगा।

रामनवमी के अवसर पर शहर के विभिन्न इलाकों से भव्य जुलूस निकालने की परंपरा को कायम रखने के लिये रामभक्तों की तैयारियां जोरों पर हैं। जुलूस में निकलने वाली झांकियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। सूबे में भाजपा की दोबारा सरकार बनने के बाद रामनवमी के जुलूस को और अधिक भव्य रूप दिये जाने को लेकर रामभक्तों में खासी होड़ लग है। रामभक्त अपने इष्ट का जन्मोत्सव मनाने के लिये आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। रामनवमी कमेटी के अध्यक्ष ने बताया कि रामनवमी जुलूस भव्यतम बनाने के सारे प्रबंध किये जा चुके हैं।

जुलूस में शामिल रामभक्त सिर पर भगवा पगड़ी बांधकर अगुवाई करेंगे, वहीं शहर के विभिन्न स्थानों पर रामभक्तों का जोरदार स्वागत की भी व्यवस्था की गई है। रामनवमी की तैयारियों को लेकर समूचे शहर को भगवा रंग में रगने का काम तेज हो गया है। शहर के सभी प्रमुख मार्गों को भगवा रंग के विशालकाय झंडों और झंडियों से आकर्षक रूप दिया जा रहा है।

शोभायात्रा का रूट चार्ट

शोभायात्रा बुधवार को दोपहर 2 बजे रामलीला मैदान से शुरू होकर बाकरगंज चैराहा, स्टेशन रोड, पीलीकोठी, बाबूलाल चैराहा, कालीदेवी मंदिर, गणेश भवन से अलीगंज, जिला परिषद चौराहा, नगर पालिका बालिका इंटर कॉलेज, पुराने सेल टैक्स ऑफिस के सामने से निकलते हुए अमर टॉकीज चैराहा गूलरनाका, शंकरगुरु चैराहा, बाटा चैराहा से कोतवाली रोड होते हुए छोटी बाजार व झंडा चैराहा होते हुए बलखंडी नाका से महेश्वरी देवी मंदिर पहुंचेगी

सार-संक्षेप

छात्र-छात्राओं को शपथ दिलाते स्काउट-गाइड प्रशिक्षक। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को दिलाई गई स्काउट-गाइड की शपथ

बांदा। भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी में स्काउट और गाइड प्रशिक्षण में प्रवेश शिविर का प्रारंभ किया गया। जिसमें स्काउट गाइड शिक्षा के लिए छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। पहले दिन ध्वज फहराकर स्काउट गाइड बच्चों को नियमों की जानकारी दी गई। अकादमी में सोमवार को प्रारंभ हुए स्काउट गाइड प्रशिक्षण के दौरान स्काउट गाइडों के चयन के पश्चात राष्ट्रीय ध्वजारोहण से संबंधित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी उपलब्ध कराई गई। इसी क्रम में प्रार्थना सभा तथा झंडा गीत के बाद सभी छात्र बच्चों को शपथ दिलाई। प्रशिक्षण क्रम के तहत मंगलवार को स्काउट गाइड बच्चों द्वारा स्काउट ध्वज फहराकर स्काउट के नियमों की जानकारी दी गई। आपातकालीन स्थिति में फस्टएड किस तरह से करें इसके बारे में भी बताया गया। विभिन्न आपदाओं से बचने के उपायों को भी बताया गया जिनमें जंगलों में फँस जाए तो ऐसी स्थिति में रहकर अपना जीवन-यापन कैसे करें। बिना बर्तन के भोजन कैसे बनाएं? आवश्यकता पड़ने पर, घायल होने पर वनस्पतियों, जड़ी बूटियां का उपयोग कर उपचार करना सीखना, देश के लिए समर्पण की भावना विकसित करना, प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है। प्रशिक्षण में बायां हाथ क्यों मिलाया जाता है, इनके कारण बताए गए। कार्यक्रम में शिवप्रताप सिंह पाल, कुलदीप श्रीवास, वेद प्रकाश, स्मिता द्विवेदी, प्रियांशी गाइड कैप्टन (भागवत प्रसाद मेमोरियल अकादमी) आदि उपस्थित रहे।

शिविर में मरीज के आंखों की जांच करते चिकित्सक। अमृत विचार

शिविर में नेत्र परीक्षण कर बांटे गए चश्मे

बांदा। पुण्य तिथि पर राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत आयोजित नेत्र परीक्षण शिविर में सद्गुरु नेत्र चिकित्सालय जानकीकुंड (चित्रकूट) के चिकित्सकों ने एक सैकड़ा मरीजों की आंखों का परीक्षण किया। इसमें मोतियाबिंद के चिह्नित मरीजों को लेंस प्रत्यारोपण के लिए जानकी कुंड नेत्र चिकित्सालय भेजा गया। मरीजों को मुफ्त दवाएं और चश्मा वितरित करते हुए चिकित्सकों ने उचित इलाज की सलाह दी। शहर के लोहिया पुल के नजदीक स्थित मैरिज हाउस में मंगलवार को स्व.कल्लूराम गुप्ता की पुण्य तिथि पर उनके पुत्र शंकर बाबू गुप्ता व सुरेश कान्हा ने राष्ट्रीय अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित किया। शिविर का शुभारंभ संत शिरोमणि रणछोड़दास महराज के चित्र पर दीप जलाकर व पूजन से हुआ। शिविर में एक सैकड़ा मरीजों का परीक्षण नेत्र विशेषज्ञ चिकित्सकों ने किया। मोतियाबिंद ग्रस्त मरीजों को लैंस प्रत्यारोपण के लिए जानकी कुंड चिकित्सालय भेजा गया। इसके अलावा चिकित्सकों ने नेत्र परीक्षण करते हुए विजन चेक किया और मुफ्त दवाएं और चश्मा वितरित किए। शिविर में नेत्र चिकित्सक डा.पंकज गुप्ता व उनकी टीम ने मरीजों की आंखों की जांच की। इस मौके पर पद्मश्री उमाशंकर पांडेय, राजकुमार राज, मनोज जैन, अमित सेठ भेलू, संजय निगम अकेला व बब्बू भाई समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नरैनी। फुफेरे भाई के तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने आए युवक की अचानक तबियत बिगड़ गई। उपचार से पहले ही उसने दम तोड़ दिया। मौत की खबर मिलते ही तिलकोत्सव की खुशियां मातम में बदल गईं। ढोलक पर मंगलगीत की जगह करुणकंद्रन गूंजने लगा। कोतवाली क्षेत्र के पचोखर गांव निवासी रामभद्र उपाध्याय उर्फ भइया (30) पुत्र स्व.उमाशंकर उपाध्याय सोमवार को गिरवां थाना क्षेत्र के चटसरा गांव अपने फुफेरे भाई सीताराम के तिलकोत्सव कार्यक्रम में शामिल होने पत्नी और बच्चों के साथ आया था। कार्यक्रम के दौरान रात में लगभग साढ़े आठ बजे अचानक उसकी तबियत बिगड़ गई। रिश्तेदार अपने निजी वाहन से इलाज के लिए उसे सीएचसी अतर्रा लाए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। परिजन उसे जिला अस्पताल ला रहे थे तभी रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।

नामांकन वापस न होने पर दो पदों पर होगा चुनाव

नरैनी : अधिवक्ताओं ने अपने नामांकन पत्र वापस न लिए तो संघ के अध्यक्ष व मंत्री पद में चुनाव होगा। नामांकन प्रक्रिया में विभन्न पदों पर वकीलों ने अपने पर्चे दाखिल किए हैं। एडवोकेट वेलफेयर एसोसिएशन के निर्वाचन अधिकारी कामता प्रसाद पांडे ने बताया कि संगठन के अध्यक्ष पद पर इंद्रदेव सिंह, चंद्र दत्त त्रिपाठी, सुशील कुमार मिश्रा ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। मंत्री पद पर राजकुमार द्विवेदी और हजारी प्रसाद द्वारा अपने-अपने नामांकन पत्र दाखिल किया।इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष, कनिष्ठ उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव प्रकाशन, संयुक्त सचिव पुस्तकालय, संयुक्त सचिव प्रशासन, के पदों पर एक-एक नामांकन पत्र दाखिल हुआ है। वरिष्ठ सदस्य पद के लिए पांच पद प्रस्तावित है इनमें से दोनों नामांकन किए गए हैं। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 18 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच और 19 अप्रैल को वापसी होगी। उन्होंने बताया अध्यक्ष और मंत्री पद के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र वापस नहीं किया तो दो पदों के लिए 26 अप्रैल को चुनाव कराया जाएगा।

घायल युवक ने अस्पताल में तोड़ दिया दम

बांदा। पांच दिन पहले अज्ञात 42 वर्षीय युवक को घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान सोमवार की रात उसकी मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उसकी शिनाख्त नही हो सकी।

आस्था नवरात्र के आठवें दिन भक्तों ने लगाई मां के दरबार में हाजिरी, सुबह से देर रात तक मंदिरों में गूंजते रहे जयकारे

महिलाओं ने महागौरी को अठवाईं भेंट कर की पूजा-अर्चना

कार्यालय संवाददाता,बांदा

महेश्वरी देवी मंदिर में अठवाईं चढ़ातीं महिलाएं। अमृत विचार

काली देवी मंदिर में सामूहिक आरती करते श्रद्धालु। अमृत विचार

मां विंध्यवासिनी के दरबार में भक्तों ने टेका माथा

जनपद के गिरवां क्षेत्र में स्थित सिद्धपीठ विंध्यवासिनी देवी में भी अठवाईं चढ़ाने वाली महिलाओं का तांता लगा रहा। आसपास के गांवों के साथ ही यहां दूरदराज से आने वाले भक्तों ने भी आराधना की। मान्यता है कि अष्टमी के दिन माता महागौरी के रूप में खत्री पहाड़ स्थित मंदिर में विराजमान होती हैं। इसलिये नीचे मंदिर के पट अष्टमी को बंद कर दिये जाते हैं। वैसे तो प्रतिदिन खत्री पहाड़ में श्रद्धालुओं की भीड़ होती है, लेकिन महाअष्टमी को इस संख्या में कई गुना इजाफा हो जाता है। श्रद्धालु यहां मन्नत पूरी होने के बाद अपनी हैसियत के अनुसार चढ़ावा भेंट करते हैं।

अमृत विचार। नवरात्र में महाअष्टमी का विशेष महत्व है। नौ दिनों की आराधना के मध्य महाअष्टमी को भक्त माताराणी के दरबार में अठवाईं चढ़ाकर माता महागौरी से धन-धान्य की कामना करते हैं। मंगलवार को शहर के प्रसिद्ध महेश्वरी देवी व काली देवी मंदिर समेत सभी देवी मंदिरों में पौ फटने से लेकर दोपहर बाद तक महिलाओं की खासी भीड़ उमड़ी।

चैत्र का नवरात्र पर्व अब अपने अंतिम चरण में है। भक्तों ने मंगलवार को अष्टमी मनाई। महाष्टमी का व्रत रखकर माता महागौरी की आराधना की। महिलाओं ने महेश्वरी देवी, काली देवी, सिंहवाहिनी, मरहीमाता, महामाई, चौसठ जोगिनी मंदिर समेत शहर के सभी प्रमुख मंदिरों में पहुंचकर मां के चरणों में शीश नवाया और अठवांईं भेंट की। महाष्टमी को विशेष पूजन के लिये शहर के महेश्वरी देवी मंदिर में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ उमड़ पड़ी।

श्रद्धालुओं ने यहां विधिविधान के साथ न आराधना की, बल्कि अठवाईं भी चढ़ाईं। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने भी पहले से सुरक्षा विशेष इंतजाम कर रखे थे। महाअष्टमी के दिन महिलाओं की भीड़ अधिक होने के कारण प्रशासन ने पहले से ही मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था की कमान महिला पुलिस कर्मियों के हाथों में सौंप दी थी। वहीं मंदिर कमेटी के सदस्यों ने भी सुरक्षा व्यवस्था में अपना दायित्व बखूबी निभाया।

बसपा के दो जिला पंचायत सदस्यों को भाया 'कमल'

कार्यालय संवाददाता, बांदा

डिप्टी सीएम के समक्ष भाजपा की सदस्यता लेते जिला पंचायत सदस्य। अमृत विचार

अमृत विचार। चुनाव की सियासी गर्माहट के बीच नेताओं के दलबदल का सिलसिला भी जोरों पर है। चुनाव के ऐन पहले तक बड़े पैमाने पर नेता अपनी पार्टी छोड़ प्रतिद्वंदी पार्टी का दामन थाम रहे हैं। इन्हीं हलचलों के बीच बड़ी खबर यह है कि बसपा के जिला पंचायत सदस्य ने समर्थकों के साथ लखनऊ स्थित प्रदेश कार्यालय में डिप्टी सीएम के समक्ष भाजपा का दामन थाम लिया।

बिसंडा निवासी व बसपा के जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू ने मंगलवार को अपने कई समर्थकों के साथ लखनऊ स्थित प्रदेश भाजपा कार्यालय में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के समक्ष भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। जिला पंचायत सदस्य ने अपने राजनीति की शुरूआत बसपा से की थी। वर्ष 2012 में अपनी माता शांति देवी साहू को नगर पंचायत बिसंडा के अध्यक्ष पद पर विजय दिलाने के साथ ही सक्रिय राजनीति में शामिल हुए। साथ ही वह समाजसेवा में भी अपना योगदान देते रहे। 2021 में जिला पंचायत सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए।

कमलेश साहू का कार्यक्षेत्र तीन विधान सभा क्षेत्रों बांदा सदर, नरैनी व बबेरू के अंतर्गत है। उनके साथ जिला पंचायत सदस्य प्रजापति सहित सैकड़ों समर्थको ने भी सदस्यता ग्रहण की।

सूखे और लू से निपटने के लिए कार्ययोजना तैयार

बचाव को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक, एडवाइजरी जारी करने के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, महोबा

एडवाइजरी का पंपलेट दिखाते डीएम मृदुल चौधरी व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

- जल संकट से बचाने को पुख्ता उपाय करने पर दिया जोर
- लू पीड़ित लोगों के लिए अस्पताल में बेड आरक्षित करें

अमृत विचार। प्रति वर्ष माह अप्रैल से जून तक प्रायः 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक तापमान हो जाने के कारण लू की स्थिति बन जाती है। जिलाधिकारी ने संभावित सूखे एवं लूं से निपटने के लिए संबंधित विभागों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए ताकि उन्हें कार्यरूप में परिणिति करने में देर न लगे।

जिलाधिकारी मृदुल चौधरी की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी राम प्रकाश की उपस्थिति में हीटवेव एवं सूखा से बचाव के लिए विभागों द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना और किए जा रहे कार्यों के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की भौगोलिक स्थिति के अनुसार जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि चिकित्सालय में ओआरएस काउंटर स्थापित करने एवं लू से प्रभावित लोगों को अतिरिक्त बेड आरक्षित किए जाएं। जिलाधिकारी ने डीपीआरओ, सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिका, नगर पंचायत को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्राम पंचायत एवं नगर क्षेत्र के समस्त बंद पड़े हैण्डपंपो की मरम्मत का कार्य पूर्ण कर क्रियाशील किये जाएं। जिला पंचायत राज अधिकारी कार्यालय में स्थापित पेयजल कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली पेयजल से संबंधित शिकायतों का अविलम्ब निस्तारण कराया जाए। राजकीय तथा निजी नलकूपों के माध्यम से तालाब, कुएं, पोखर भरवायें। जिन ग्रामों में सूखे की स्थिति में जलस्तर नीचे जाने पर पानी के संकट से उन ग्रामों को बचाने के लिए टैंकरों से पेयजल उपलब्ध कराने के लिए कार्ययोजना तैयार करें। साथ ही यांत्रिक दोष से बंद पड़े नलकूपों की मरम्मत कराकर उन्हें क्रियाशील किया जाए, इस कार्य में लापरवाही बरतने पर संबंधित के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लू के प्रकोप एवं गर्म हवाओं से बचाव के लिए सुझाव दिये।

जिलाधिकारी कहा कि लू से जनहानि भी हो सकती है। इसके अवसर को कम करने के लिए और लू से होने वाली मौत की रोकथाम के लिए सावधानियां बरतें। कहा कि आमजन के लिए एडवाइजरी जारी की जाए कि कड़ी धूप में बाहर न निकलें। खासकर दोपहर बारह बजे से तीन बजे तक के बीच में, जितनी बार हो सके पानी पिएं। प्यास न भी लगे तो भी पानी पिएं। उन्होंने कहा कि हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहने, धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें, यात्रा करते समय अपने साथ पानी रखें, अगर आपकी तबीयत ठीक ना लगे या चक्कर आए तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें। यह भी कहा कि घर में बना पेय पदार्थ जैसे कि लस्सी, नमक चीनी का घोल, नींबू पानी, छांछ, आम का पना इत्यादि का सेवन करें। शराब, चाय, कॉफी जैसे पेयपदार्थ का इस्तेमाल न करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोहम्मद मोईनुल इस्लाम, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. आसाराम, उपजिलाधिकारी सदर जितेन्द्र सिंह सहित समस्त उपजिलाधिकारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संचारी रोग नियंत्रण के लिए दिशा-निर्देश जारी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। आज दिनांक जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान की बैठक कर समीक्षा की। जिलाधिकारी ने नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, लार्विसाइड दवा का छिड़काव, स्प्रे फॉगिंग आदि कराए जाने के संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग अपने माइक्रो प्लान के अनुसार नालियों की सफाई, झाड़ियों की कटाई, एवं लार्विसाइड दवा का छिड़काव नियमत रूप से करवाए जाने के निर्देश दिए। डीएम ने नगरपालिका विभाग को नगरीय क्षेत्र में नियमित रूप से माइक्रो प्लान के अनुसार लार्विसाईड का स्प्रे फोगिंग एवं साफ सफाई का कार्य प्रभावी रूप से कराए जान के निर्देश दिए गए। डीएम ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों से कहा कि सुअर पालको का संवेदीकरण जल्द से जल्द करे साथ ही कृषि विभाग को नियंत्रण के लिए निर्देशित किया गया। जिलाधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को निर्देश दिए कि दस्तक अभियान में के तहत जिले के पांच साल से कम उम्र के सभी बच्चों की खून की कमी की जांच, छः माह से पाँच वर्ष तक के गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान और 9 माह से 5 वर्ष तक के बच्चों को विटामिन 'ए' का घोल दिया जाये। इस अभियान के तहत बच्चों को दस्त रोग, निमोनिया, और जन्मजात बिमारियों से पीड़ित बच्चों की पहचान कर उन्हें निःशुल्क जांच एवं उपचार तथा परिवहन सुविधाएं प्रदान की जाए। साथ ही इस अभियान के तहत आशाओं का भ्रमण शत-प्रतिशत सुनिश्चित किया जाए। बैठक में एडीएम वित्त रामप्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. आशाराम आदि उपस्थित रहे।

विवाहिता ने फांसी लगा कर जान दी, जांच शुरू

घटना के बारे में जानकारी करती पुलिस टीम। अमृत विचार

संवाददाता, बेलाताल-महोबा

- पिता ने ससुराल वालों पर लगाया हत्या का आरोप पुलिस को दी तहरीर

अमृत विचार। ग्राम जैतपुर में एक विवहिता ने घर के एक कमरे में पंखे से रस्सी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पति ने कई बार दरवाजा खटखटया गया, लेकिन वह नहीं खुला। उसने खिड़की से अंदर झांककर देखा तो पत्नी फांसी पर लटकी थी। उसने आनन फानन में दरवाजा तोड़ा और उसे नीचे उतारकर सीएचसी जैतपुर ले गया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पुलिस बी पहुंची। मायके पक्ष के लोगों ने पुलिस को तहरीर देकर बेटी का ससुरालीजनों द्वारा प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है।

ग्राम जैतपुर के वाईपास रोड डैवढीपुरा निवासी मानवेंद्र कुमारी (24) पत्नी अमित नायक ने मंगलवार को किसी बात से क्षुब्ध होकर अपने कमरे में फांसी का फंदा लगाकर लटक गई। पति के आने पर उसे फांसी पर लटका देख उसने दरवाजा तोड़कर उसे फांसी के फंदे से नीचे उतारा और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैतपुर ले गया, जहां डाक्टरों ने उसका परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही मायके और ससुराली पक्ष के अलावा पुलिस मौके पर पहुंच गई। मृतका का शव देखकर परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतका के पिता अशोक कुमार निवासी खेड़ानानकारी थाना पनवाड़ी ने पुलिस को तहरीर देकर ससुरालीजनों पर हत्या कर शव फांसी पर लटकाए जाने के साथ उसे आएदिन प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है। वहीं पति का कहना है कि बच्चे को स्कूल पहुंचाने को लेकर दोनो के बीच कहासुनी हुई थी। पत्नी बच्चे को स्कूल नही जाने दे रही थी और मैं बच्चे को साथ लेकर उसे स्कूल छोड़ने के बाद आया तो वह फांसी के फंदे पर लटकी मिली।

थानाध्यक्ष भास्कर मिश्र, चौकी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, नायब तहसीलदार पंकज गौतम मौके पर पहुंचे। पुलिस द्वारा जांच शुरु कर दी गई है और फिंगरप्रिंट टीम द्वारा घटना स्थल से साक्ष्य एकत्र किए जा रहे है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मौत का कारण ज्ञात नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही कारण ज्ञात हो सकेगा।

बीमारी के चलते युवक ने लगाई फांसी, हुई मौत

खन्ना। थाना क्षेत्र के ग्राम ग्योड़ी में बीमारी से तंग आकर एक युवक पुष्पेंद्र सिंह (28) पुत्र ओमकार ने घर पर पंखे पर रस्सी बांधकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के भाई अरविंद सिंह की सूचना पर थाना खन्ना प्रभारी निरीक्षक एनके नागर ने ग्योडी चौकी इंचार्ज मलखान सिंह को घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच करने के निर्देश दिए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पुष्पेंद्र मानसिक रूप से बीमार था, जिसका इलाज भी चल रहा था।

रामनवमी की तैयारियां पूरी, शोभायात्रा आज

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- शहर के मार्गों पर कई जगह बनाए गए स्वागत द्वार

अमृत विचार। जिले में राम नवमी को लेकर श्रीराम नवमी उत्सव समिति द्वारा सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। समिति के सदस्यों के साथ-साथ भाजपा, बजरंग दल, विश्व हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ता इसकी तैयारी में जुटे हैं। शहर में जगह जगह भव्य स्वागत द्वार बनाए गए। नवमी शोभायात्रा को लेकर यहां युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। पूरे शहर में जगह-जगह भगवा ध्वज लगाए गए हैं। बिजली की झालरों की आकर्षक सजावट की गई है।

राम नवमी को लेकर हिन्दू संगठनों और युवाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। युवक सारा दिन तैयारियों में जुटे रहे, कहीं भगवा ध्वज लाने तो कहीं स्वागत द्वार तैयार कराने और झंडी, झालरों को लगवाने में पूरा समय दिया। 17 अप्रैल को निकलने वाली राम नवमी शोभा यात्रा को लेकर पालिका प्रशासन ने शहर के मार्गों पर सफाई कर्मचारियों की टीम लगाकर साफ सफाई कराई, जिससे जूलूस में शामिल लोगों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। शोभा यात्रा में शामिल लोगों का व्यापार मंडल समाजसेवियों व अन्य लोगों द्वारा जगह-जगह पानी, शर्बत, हलवा आदि सामग्री वितरित कर स्वागत किया जाएगा। इसके लिए जुलूस मार्ग पर जगह जगह पंडाल सजा दिए गए हैं। शहर के नवीन गल्ला मंडी चरखारी वाईपास से दोपहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली जाएगी। जुलूस में भारी भीड़ जुटने के कारण पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए हैं, जिसके चलते किसी भी तरह की अव्यवस्था न फैल सके। जुलूस नवीन गल्ला मंडी से शुरू होकर परमानंद चौराहा, आल्हा चौक, ऊदल चौक, सुभाष चौक आदि मार्गों से होता डाकबंगला मैदान में समाप्त होगा।

युवाओं ने बाइक जुलूस निकाला

बाइक जुलूस निकालते युवा।

रामनवमी को लेकर मंगलवार को युवाओं ने शहर में बाइल जुलूस निकालकर लोगों को बुधवार को निकलने वाली शोभा यात्रा में शामिल होने के लिए प्रेरित किया। बाइक में सवार नवयुवक हाथों में भगवा ध्वज लहराते हुए चल रहे थे। जुलूस दौरान जय जय श्रीराम के नारों से शहर गूंज उठा। बाइकों में सवार युवक जुलूस दौरान उछलते हुए चल रहे थे। युवाओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। बाइक जुलूस आल्हाचौक, तहसील चौराहा, पीडब्ल्यूडी तिराहा होते हुए शहर के मुख्य मार्गों से घूमकर लोगों को जागरुक करता दिखाई दिया। इस मौके पर पुलिस कर्मचारी भी जुलूस में चल रहे थे।

मंदिर की दानपेटी का ताला तोड़कर चोरी

बेलाताल। कस्बे के अंजनी माता मंदिर में रखी दानपेटी का चोरों ने ताला तोड़कर धनराशि चोरी करके फरार हो गए। मोहल्ले वासियों ने घटना की सूचना बेतालात पुलिस चौकी में दी। सूचना मिलते ही पुलिस चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र कुमार पुलिस फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने मंदिर के पुजारी और भक्तों से घटना के बावत जानकारी ली।

मालूम हो कि अंजनी माता मंदिर में प्रतिदिन भक्त पूजा करने के लिए आते हैं और अपनी श्रद्धा से लोग दानपेटी में कुछ न कुछ धनराशि डाल जाते हैं, लेकिन पूरी तरह से बेखौफ हो चुके अब भगवान का भी डर नहीं है, यही वजह है कि माता के मंदिर से अज्ञात चोरों ने दान पेटी का ताला तोड़कर हजारों रुपये की धनराशि उड़ा ली। पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

आग से निपटने के लिए दिया प्रशिक्षण

संवाददाता कार्यालय, महोबा

प्रशिक्षण के बाद पंपलेट दिखाते प्रशिक्षु। अमृत विचार

- अग्निशमन कर्मियों ने किया मॉक ड्रिल

अमृत विचार। अग्निशमन अधिकारी देवेश तिवारी ने टीम के साथ अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह के तहत जिले की तहसीलों में स्थापित स्कूलों मैरिज हाल, होटल और दालमिलों में जाकर अग्नि सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरुक किया। साथ ही मॉक ड्रिल का आयोजन कर उपस्थित लोगों को पंपलेट वितरित किए। इस मौके पर फायर टीम द्वारा लोगों आगजनी की घटनाओं से निपटने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

अग्निशमन अधिकारी ने कहा कि गर्मी के दिनों में आग की घटनाएं बढ़ जाती है। विभाग के पास सीमित संसाधन होने के बाद भी तत्काल सूचना मिलने पर अग्निशमन विभाग की टीम पहुंचकर आग पर काबू करती है। बावजूद इसके आप लोगों को भी आग लगने पर इससे निपटने के लिए तैयार रहना चाहिए, जिससे दमकल विभाग का वाहन आने से पहले अग्निकांड की घटना उग्र रुप धारण न कर सके। यदि आसपास के लोग एकजुट होकर चारो तरफ से आग बुझाने के लिए जुट जाते हैं तो आसपास के मकानों, खेतों, दुकानों को आग की घटना से बचाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि इसलिए आग की घटनाओं से बचने के लिए प्रतिष्ठानों, मैरिज हाउस, होटलों, ढाबों, स्कूल, कालेजों में अग्निशमन यंत्र रखाए जाते हैं, जिससे कभी भी आग की घटना होने पर अग्निशमन यंत्र का प्रयोग कर आग पर काबू पाया जा सके। उन्होंने बताया कि समय समय पर लोगों को आग बुझाने के बावत प्रशिक्षण भी दिया जाता है।

समस्याएं सुनकर एसपी ने निस्तारण के दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, महोबा

- गुण-दोष के आधार पर करें निपटारा, दोनों पक्षों की सुनें

अमृत विचार। पुलिस अधीक्षक अपर्णा गुप्ता ने पुलिस कार्यालय में जनसामान्य की समस्याओं को सुनकर निस्तारण के लिए थानाध्यक्षों को आवश्यक निर्देश दिए। जिले में शिकायतकर्ता की समस्याओं के समुचित एवं समयबद्ध निस्तारण के लिए पुलिस अधीक्षक ने जांच अधिकारियों से मौके पर जाकर समस्या का गुण दोष के आधार पर निस्तारित करने को कहा। उन्होंने दोनों पक्षों से बात कर समस्या निपटाने पर जोर दिया।

पुलिस अधीक्षक ने अधीनस्थों से कहा कि इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़ित को हर हाल में न्याय मिलना चाहिए, जिससे लोगों का जनसुनवाई कार्यक्रम के प्रति और अधिक रुझान बढ़ सके। जनसुनवाई के दौरान प्राप्त शिकायतों के सम्बन्ध में पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्बन्धित को आदेशित किया गया कि मौके पर जाकर शिकायतों की तत्काल, निष्पक्ष व न्यायोचित तरीके से जांच कर विधिक निस्तारण सुनिश्चित करें। लापरवाही मिलने पर सम्बन्धित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी। साथ ही शिकायतकर्ता से निस्तारण के सम्बन्ध में फीडबैक लें।

काव्य संग्रह 'वैदेही सीता' पुस्तक का विमोचन

संवाददाता, जैतपुर-महोबा

पुस्तक का विमोचन करते भागवताचार्य रामदिनेशाचार्य। अमृत विचार

- पुस्तक के प्रसंगों से लोगों को परिचित कराया

अमृत विचार। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष द्वारा रचित काव्य संग्रह वैदेही सीता पुस्तक का विमोचन भागवताचार्य व साहित्यकार डॉ. अवधकिशोर जडिया ने किया। इस मौके पर भागवताचार्य ने माता सीता के त्याग पर प्रकाश डाला। साथ ही वैदेही सीता पुस्तक के प्रसंगों से लोगों को रुबरू कराया।

बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष शिवनारायन खरे द्वारा रचित काव्य संग्रह वैदेही सीता का विमोचन भागवताचार्य रामदिनेशाचार्य महाराज व साहित्यकार डॉ. अवधकिशोर जडिया ने किया। नगर के शारदा माता मंदिर के पार्श्व में चल रही भागवत कथा में पधारे महाराज ने इस अवसर माता सीता के अवदान पर चर्चा करते हुए कहा कि मां सीता का त्याग, कर्तव्यपरायणता व उनका सतीत्व हम सभी के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत व ऊर्जापुंज बना रहेगा।

उन्होंने कहा कि जीवन में मां सीता ने काफी संघर्ष किया। विवाह के तुरंत बाद 14 वर्षों का वनवास और फिर वनवास के दौरान रावण ने मां सीता का अपहरण कर लिया। राम ने जब रावण का वध किया तो उसके बाद मां सीता को अग्नि परिक्षा से गुजरना पड़ा। मां सीता के जीवन में बहुत सी कठीन परिस्थितियां आई पर मां ने कभी हार नहीं मानी। हालात कैसे भी हो मां नें हमेशा उनका डट कर सामना किया।

साहित्यकार संतोष कुमार पटैरिया ने मां सीता ने एक मिसाल कायम करी व्यक्ति को कभी भी हार नहीं माननी चाहिए। मां सीता के व्यक्तित्व और गुणों से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने इसके पूर्व वैदेही सीता कृति के रचनाकार अधिवक्ता शिव नारायण खरे ने पुस्तक के बारे में विस्तार से उसके काव्य सौष्ठव को रेखांकित किया। साहित्यकार संतोष कुमार पटैरिया ने चार सर्गों की कृति वैदेही सीता के प्रसंगों को बताया। इस अवसर पर कथा व्यास संत दिनेशचार्य, श्याम बिहारी निगम निर्दोष, डॉ. कमलेश सक्सेना, नरेश रिछारिया सहित गणमान्य नागरिकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन नीतेंद्र चौबे ने किया।

उमड़ी आस्था | नवरात्र की अष्टमी पर हर तरफ मां भगवती के गूंजे जयकारे, घरों और मंदिरों में पूजा-पाठ के साथ हवन

देवी के आठवें स्वरूप महागौरी की भक्तों ने की पूजा-अर्चना

संवाददाता कार्यालय, महोबा

मंदिर में पूजा करते भक्त।

भोज में शामिल कन्याएं। अमृत विचार

अमृत विचार। चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर देवी मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंगलवार को आठवें दिन भक्तों ने माता के आठवें स्वरूप महागौरी की आराधना की। नवरात्र के पहले दिन और अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालुओं ने घर व देवी मंदिरों पर पूजन कर परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। जय माता दी के उद्घोष के साथ सुबह से शाम तक देवी मंदिरों में घंटे-घड़ियाल बजते रहे। घरों व मंदिरों में हवन व पाठ किया गया। नवमी को होने वाले हवन की तैयारियों में भक्त जुटे रहे, जिससे नवरात्र के आखिरी दिन समयानुसार विधि विधान के साथ हवन पूजन किया जा सके।

शहर के ऐतिहासिक बड़ी चंद्रिका देवी मंदिर, छोटी चंद्रिका देवी मंदिर महेश्वरी माता, बाघविराजन मंदिर, चकौटा देवी मंदिर, शारदा माता मंदिर सहित तमाम देवी मंदिरों पर सुबह से देर शाम तक दर्शन करने को भक्तों का आना जाना लगा रहा। देवी भक्तों ने अष्टमी के दिन कन्याओं को भोज कराया। अष्टमी का व्रत रखने वाले श्रद्धालओं ने मंगलवार को देवी महागौरी की आराधना की। शहर के अलावा क्षेत्रीय इलाकों के देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के अष्टमी पर्व पर भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। नवरात्र के अष्टमी के दिन हवन-पूजन और माता के जयकारों से वातावरण सुगंधित और भक्ति हो गया । चैत्र नवरात्रि के आठवें दिन मां दुर्गा के स्वरूप महागौरी की भक्तों द्वारा देवी मंदिरों व घरों पर श्रद्धा भाव के साथ पूजा अर्चना की गई। महाअष्टमी तिथि का विशेष महत्व होने के कारण भक्तों धार्मिक स्थलों के अलावा अन्य स्थनों पर कन्या पूजन के साथ साथ कन्या भोज का भी आयोजन किया गया। भक्तों द्वारा मां महागौरी की पूजा करने से सभी पापों से मुक्ति मिलती है और अखंड सुहाग के साथ सौभाग्य की प्राप्ति होती है।

मुकुंद फाउंडेशन ने कराया कन्या भोज

मुकुंद फाउंडेशन व रामलीला न्यास द्वारा शहर के रामलीला मैदान स्थित रामालय हाल में कन्या पूजन का आयोजन किया गया। मुकुंद फाउंडेशन के अध्यक्ष मनोज तिवारी ने कन्याओं का पूजन कर उनका आर्शीवाद लिया। साथ ही कन्याओं को भोज कराया गया। इस मौके पर फाउंडेशन के तमाम लोग मौजूद रहे।

हनुमान मंदिर में उमड़ी भक्तों की भीड़

महोबा। चैत्र नवरात्र पर्व के चलते जहां देवी मंदिरों में भक्तों की भीड़ पूजा अर्चना के लिए पहुंच रही है। वहीं मंगलवार होने के कारण शहर के विभिन्न संकट मोचन हनुमान मंदिरों में बजरंग बली के दर्शन के लिए भक्त की भीड़ लगी रही। सबसे ज्यादा रोडवेज परिसर के सामने बने बड़े हनुमान मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी, जहां पर पूजा अर्चना के प्रसाद चढ़ाया गया साथ ही आए हुए लोगों को प्रसाद भी वितरण किया गया। मंदिर में भजन कीर्तन के बीच अनवरत सुंदरकांड का पाठ, हनुमान चालीसा होती रही। सुरक्षा और जाम के झाम से लोगों को बचाने के लिए पुलिस कर्मियों और ट्रैफिक पुलिस ने सारा दिन अपनी ड्यूटी को अंजाम दिया।

मनौरा बाबा धाम में लगा भक्तों का मेला

खन्ना। कस्बे से दो किमी दूर चंद्रावल नदी किनारे स्थित प्राचीन सिद्धपीठ पर बाल हनुमान मंदिर है, जो आसपास के गांवों में मनौरा बाबा धाम के नाम से प्रसिद्ध है। भीड़ उमड़ने से मेले जैसा नजारा दिखाई दिया। यहां पर खन्ना, गुढा, ग्योडी सहित तमाम गांव के श्रद्धालु मंदिर में प्रसाद चढ़ाया और कन्याओं को भोजन कराया।

उधारी मांगने पर जान से मारने की धमकी, एफआईआर दर्ज

- व्यापार के लिए एक लाख रुपये उधार लिए, लौटाने की गारंटी में रखे थे वाहन के कागजात

कुलपहाड़-महोबा। अपराध में संलिप्त व्यक्ति ने साजिश कर एक लाख उधार व्यापार के नाम पर ले लिये। रुपये वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच करने में जुट गई है। ग्राम मुढारी निवासी देवेन्द्र कुमार राठौर ने पुलिस अधीक्षक को भेजे शिकायती पत्र में बताया कि बेलाताल निवासी एक दबंग अपने एक साथी को लेकर ग्राम मुढारी आया। व्यापार में मदद के नाम पर एक लाख रुपए लेकर चला गया।

जमानत के तौर पर चारपहिया गाड़ी का रजिस्ट्रेशन पेपर मात्र रख दिया। अब पीड़ित ने पैसे की मांग की तो उसे जान से मारने की धमकी दी जा रही है।

सीढ़ियों से गिरे युवक की थम गईं सांसें

महोबा। कस्बा खरेला निवासी तुलसीदास (45) पुत्र परमलाल पड़ोसी वीरेंद्र के पुत्र के मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने गया था। कार्यक्रम के दौरान वह ऊपर से नीचे उतरते समय अचानक सीढ़ियों से पैर फिसल जाने के कारण लुढ़कता हुआ नीचे गिर गया। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आ गईं। परिवार के लोग आनन फानन में उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चरखारी ले गए। डॉक्टर ने घायल का चेकअप कर उसे मृत घोषित कर दिया। इससे परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

टायर फटने से हाईवे के किनारे ईंटों से टकराई कार, नौ लोग घायल

माधौगढ़ से मौदहा के अरतरा गांव अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे लोग

संवाददाता, कुरारा हमीरपुर/उरई

- ब्लॉक प्रमुख ने पुलिस की मदद से पहुंचाया अस्पताल
- पांच घायलों की हालत गंभीर जिला अस्पताल रेफर
- बाकी घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद मिली छुट्टी

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के डामर गांव के पास कालपी हमीरपुर हाईवे में टायर फटने से एक ईको वैन अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे लगे ईंटों से टकरा गई। जिससे गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जिसमें सवार नौ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें ब्लॉक प्रमुख ने पुलिस की मदद से आनन फानन स्थानीय सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पांच घायलों की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

क्षेत्र के डामर गांव के पास कालपी हमीरपुर हाईवे पर मंगलवार की सुबह साढ़े 10 बजे एक ईको वैन माधौगढ़ (जालौन) से अरतरा (मौदहा) में एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने के लिए 9 लोग सवार होकर जा रहे थे। तभी डामर गांव के पास गाड़ी का टायर फट जाने से अनियंत्रित होकर हाईवे किनारे लगे ईंटों से टकरा गई। जिससे गाड़ी पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। साथ ही इसमें सवार माया देवी (55) व ब्रजेश कुमार (29) निवासीगण ईश्वरी थाना नदीगांव, मानसी (28), सोनी लाल (54), मंजू (38), रामजीवन (45), अंजू (34), शशि (33) निवासीगण माधौगढ़ व चालक योगेंद्र (33) निवासी हरौली (माधौगढ़) गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी समय वहां से गुजर रहे ब्लॉक प्रमुख आशीष पालीवाल ने घायलों को देखा तो तुरंत एंबुलेंस व थाना पुलिस को सूचना दी। वह घायलों को अपनी व पुलिस की गाड़ी में लेकर स्थानीय सीएचसी लाए। जहां चिकित्सको ने प्राथमिक उपचार करने के बाद माया, सोनी, बृजेश, मंजू व योगेंद्र की हालत नाजुक होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया है।

हादसे में बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुई कार देखते ग्रामीण। अमृत विचार

जंगली जानवर को बचाने में नहर में पलटा मौरंग भरा ट्रक

राठ (हमीरपुर)। मंगलवार की सुबह लखनऊ के बीकेटी बख्शी तालाब निवासी नरेंद्र पुत्र भोलानाथ महोबा जनपद के पनवाड़ी थाने के स्योढी मौरंग खदान से ट्रक में बालू लोड कर वापस लखनऊ जा रहा था। कस्बे के नहर बाईपास पर सैना नहर के पास अचानक जंगली जानवर को बचाने के चक्कर में तेज रफ्तार ट्रक अनियंत्रित होकर रेलिंग को तोड़ते हुए नहर में जाकर पलट गया। ट्रक में मौजूद चालक और खलासी ने कूद कर किसी तरह अपनी जान बचाई। इस दौरान ट्रक में मौजूद चालक नरेंद्र मामूली रूप से घायल हो गया।

जीआरवी की प्रबंध समिति का चुनाव

राठ। कस्बे के जीआरवी इंटर कॉलेज में जिला विद्यालय निरीक्षक के आदेश पर प्रबंध कमेटी का चुनाव संपन्न हुआ। 878 सदस्य वाली इस कमेटी के चुनाव में 386 सदस्य मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

मंगलवार को जीआरवी इंटर कॉलेज में संपन्न हुए प्रबंध समिति के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए भरत कुमार चौरसिया और राम लखन गुप्ता ने नामांकन भरा था। इसी प्रकार से प्रबंधक पद के लिए रिटायर्ड कर्नल प्रेम प्रताप सिंह और रामसेवक गुप्ता ने नामांकन किया था। उप प्रबंधक पद के लिए कमलापति सर्राफ, सुरजन सिंह ने नामांकन किया था। नामांकन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार को पीठासीन अधिकारी पवन कुमार श्रीवास्तव प्रधानाचार्य राजकीय इंटर कॉलेज हमीरपुर और पर्यवेक्षक जगदीश प्रसाद यादव प्रधानाचार्य राजकीय हाईस्कूल जरिया की देखरेख में चुनाव संपन्न हुआ। 878 सदस्य वाली सूची में 376 मतदाता सदस्यों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। पीठासीन अधिकारी ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ।

नवरात्र के आठवें दिन महागौरी की पूजा, कन्या भोज की धूम

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। चैत्र नवरात्र की अष्टमी को देवी भक्तों ने मां के महागौरी स्वरूप की पूजा अर्चना की। सुबह से ही मंदिरों में महिलाओं की भीड़ लग गई। इसके साथ ही मुख्यालय के सुभाष बाजार में सजाए गए देवी पंडाल में महाआरती का आयोजन हुआ। इसके बाद रात्रि जागरण हुआ जिसमें दूर दराज से आए कलाकारों के द्वारा विभिन्न प्रकार की झांकियां प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

नवरात्र का अब अंतिम दौर चल रहा है। मंगलवार को नवरात्र की अष्टमी तिथि को मुख्यालय के चौरा देवी, गौरा देवी, काली माई मंदिर, दुर्गा मंदिर समेत अन्य मंदिरों में देवी भक्तों की सुबह से ही भीड़ पहुंचना शुरू हो गई। महिलाओं ने विधि विधान से महागौरी के स्वरूप की पूजा अर्चना की।

पूजा अर्चना के बाद घरों व मंदिरों में कन्या भोज का दौर शुरू हुआ। जिसमें नन्ही नन्ही कन्याओं को भक्तों ने भोजन कराया और उन्हें दान दक्षिणा देते हुए उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। सुबह से लेकर रात तक मंदिरों में भक्तों के आने का क्रम जारी रहा। लोगों ने घरों में किए गए अनुष्ठान की पूर्णाहुति की। वहीं मुख्यालय के सुभाष बाजार में सजाए गए मां दुर्गा के नव स्वरूप के दरबार में सोमवार की रात महाआरती आयोजित की गई। जिसमें सैकड़ों की संख्या में भक्तों ने पहुंचकर मां की आरती की। इसके बाद रात्रि जागरण का कार्यक्रम शुरू हुआ। जिसमें दूर दराज से आए कलाकारों ने मां काली, दुर्गा, शंकर पार्वती, राधा कृष्ण समेत विभिन्न प्रकार की झांकियों का प्रदर्शन कर लोगों को मंत्रमुग्ध किया।

चौरा देवी मंदिर परिसर में कन्याओं को भोजन कराया गया। अमृत विचार

- चैत्र नवरात्र की अष्टमी पर मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, गूंजे जयकारे

मारपीट से क्षुब्ध युवक ने लगाया फंदा, थमी सांस

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

अमृत विचार। चिकासी थाने के बिलगांव डांडा निवासी प्रिंस (21) पुत्र विजय सिंह सोमवार को गांव से घूमते हुए अपने घर लौट रहा था। परिजनों ने बताया कि रास्ते में गांव में किसी घर में शादी की बारात जाने के बाद उस घर की महिलाएं होने वाली बाबा रस्म का आनंद ले रही थीं। उसी दौरान वहां से निकल रहे प्रिंस से उनका विवाद हो गया। जिसके बाद आरोपित लोगों ने प्रिंस की मारपीट कर दी। मारपीट से आहत होकर प्रिंस अपने घर पहुंचा और तौलिया के फंदे से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक के परिजनों ने बताया कि प्रिंस अविवाहित था। गुड़गांव की किसी फैक्ट्री में काम करता था। होली के पर्व के दौरान ही अपने घर आया हुआ था। त बवह यहीं रह रहा था। प्रिंस अपने तीन भाइयों में सबसे बड़ा था। मां रामवती तीन सहित भाई प्रशांत व श्यामकरन सहित अन्य सभी परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। चिकासी थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना की जांच कराकर कार्रवाई की जायेगी।

ट्रक ने मारी टक्कर, महिला की मौत

संवाददाता, राठ (हमीरपुर)

- शादी का कार्ड बांटकर घर लौट रहे थे दंपति
- घर में शादी की खुशियां मातम में बदल गईं

अमृत विचार। चिकासी थाना क्षेत्र के बैंदा गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दंपति को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दंपति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया। जहां चिकित्सकों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है।

सुषमा।

जानकारी के अनुसार चिकासी थाने के बिरहट गांव निवासी संतोष कुमार अपनी पत्नी सुषमा देवी के साथ अपने भतीजे निर्दोष कुमार की शादी का कार्ड देने के लिए अपने गांव बिरहट से चिकासी थाना क्षेत्र के ही इछौरा गाँव गया हुआ था।

सोमवार की दोपहर कार्ड बांटकर जैसे ही वह इछौरा गांव से निकला इस दौरान तेज रफ्तार एक ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे हुए हादसे में बाइक पर सवार संतोष कुमार और उसकी पत्नी सुषमा देवी गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें मौके पर मौजूद लोगों ने तत्काल इलाज हेतु सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने दोनों घायलों की नाजुक हालत को देखते हुए उन्हें उरई मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया, जहां सुषमा देवी की मौत हो गई। अचानक हुई इस घटना से परिवार में शादी की खुशियां मातम में तब्दील हो गई हैं।

चिकासी थानाध्यक्ष ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी ट्रक चालक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की शुरुआत

संवाददाता, राठ हमीरपुर

अमृत विचार। मरीजों को सस्ती और गुणवत्ता पूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बाहर प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि संतराम राजपूत व विधायक मनीषा अनुरागी समेत नगर पालिका अध्यक्ष श्रीनिवास बुधौलिया ने फीता काटकर किया। इस दौरान संतराम राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री की सोच है कि प्रत्येक व्यक्ति को जन औषधि केंद्रों पर सस्ती दवाएं उपलब्ध हो सकें। यह प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना है। कहा कि जन औषधि केंद्रों में बाजार से 75 से 80 परसेंट कम दाम में दवाइयां मिलती हैं। केंद्र के संचालक चंद्रमणि बुधौलिया ने अतिथियों को स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

फीता काट उद्घाटन करतीं विधायक।

नवीन नामांकन बढ़ाने पर दिया जोर

हमीरपुर। न्याय पंचायत स्तरीय संकुल शिक्षक बैठक पौथिया स्थिति कन्या प्राथमिक विद्यालय में हुई। बैठक में नवीन नामांकन से संबंधित चर्चा हुई। वहीं संचारी रोग नियंत्रण, निपुण कार्य योजना, उपचारात्मक शिक्षण, नवीन पुस्तकों का वितरण पर चर्चा हुई। बीईओ सुमेरपुर अजीत कुमार निगम ने बच्चों के शिक्षण से संबंधित कार्य आत्मीयता के साथ करने के निर्देश दिए। नामांकन बढ़ाए जाने के निर्देश प्रदान किए गए। बैठक में 20 अध्यापक उपस्थित रहे। शिक्षक संकुल प्रियंक अग्रवाल, अवधेश कुमार, संदीप कुमार, रंजना सचान व सत्येंद्र कुमार रहे।

लोकतंत्र बचाने को 'इंडिया' लड़ रहा चुनाव

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। लोकतंत्र व संविधान को बचाने के लिए यह चुनाव इंडिया गठबंधन के तहत लड़ा जा रहा है। चुनाव इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ता मजबूती के साथ लड़कर सपा एवं कांग्रेस की जन कल्याणकारी कार्यों को लोगों के सामने रखकर वोट मांग रहे हैं।

उक्त बातें इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजेन्द्र सिंह लोधी ने मंगलवार को सपा नेता अजय उर्फ कल्लू यादव के प्रतिष्ठान में पत्रकारों से बातचीत के दौरान व्यक्त की। उन्होंने कहा कि दस वर्षों से लापता सांसद की तरह राठ उरई रेलवे लाइन बनवाने का दावा भी गायब है। रोजगार देने के लिए रिक्तियां निकाली जाती हैं लेकिन परीक्षा से पहले पेपर लीक कराकर युवाओं के साथ धोखा किया जाता है और आवेदन के नाम पर बेरोजगारों का करोड़ो रुपये हड़प कर लिए जाते है। यह युवाओं के साथ घोर अन्याय है। अग्निवीर योजना युवाओं के साथ अन्याय है। अगर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो इस योजना को बंद किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधानसभा प्रत्याशी रामप्रकाश प्रजापति, पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञान सिंह यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख शुभकरण सिंह परिहार, लाला प्रधान, नीरज कश्यप, रमाशंकर यादव, पिंटू यादव, बउआ यादव, विद्याभूषण साहू, परशुराम प्रजापति, राम लखन प्रजापति, छोटू सिंह सहित अनेक सपाई मौजूद रहे।

प्रेस वार्ता करते सपा प्रत्याशी अजेंद्र सिंह लोधी। अमृत विचार

- गठबंधन के प्रत्याशी अजेंद्र सिंह पत्रकारों से रूबरू हुए

धीमी गति से चल रही गेहूं की खरीद

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बा के मंडी समिति में संचालित गेहूं खरीद केंद्रों में लोडिंग न होने से जगह का अभाव होने के कारण कछुआ गति से गेहूं खरीद हो रही है। कस्बे के मंडी समिति में संचालित विपणन शाखा गेहूं खरीद केंद्र में मंगलवार तक 40 किसानों ने 1902 क्विंटल गेहूं बेचा है। जबकि कुरारा ए में 41 किसानों ने 1880 क्विंटल गेहूं बेचा है। वहीं पीसीएफ के नगद बिक्री केंद्र में 24 किसानों ने 1150 क्विंटल गेहूं बेचा है। लेकिन इन केंद्रों में माल का उठान न होने से जगह का अभाव होता जा रहा है। जिससे गेहूं खरीद केंद्र में धीमी गति से तौल कराई जा रही है। पीसीएफ केंद्र के केंद्र प्रभारी जितेंद्र कुशवाहा ने बताया कि चट्टा में गेहूं डंप होने से खरीद धीमी गति से हो रही है। बताया कि लोडिंग होने पर खरीद में तेजी आएगी। विपणन शाखा के गेहूं खरीद केंद्र प्रभारी शंकर ने बताया कि अभी तक एक ट्रक ही गेहूं की उठान हुई है।

कुरारा के गेहूं खरीद केंद्र में पसरा सन्नाटा। अमृत विचार

बंद मकान से 10 लाख के जेवर-नकदी गायब

सुमेरपुर। क्षेत्र के ग्राम सुरौली बुजुर्ग में बीती रात एक बंद मकान में संदिग्ध हालत में जेवरात एवं नगदी गायब मिली। इसका खुलासा गृह स्वामी के सोमवार की रात घर के अंदर बने लॉकर को खोलने पर हुआ। पीड़ित ने चौकी इंचार्ज को तहरीर सौंपी है। जिसमें करीब 10 लाख की जेवरात तथा 94 हजार रुपये नकद गायब होने की बात कही गई है। सुरौली बुजुर्ग निवासी रवि शिवहरे ने बताया कि गत 11 अप्रैल को वह मकान में ताला बंद करके परिवार को छोड़ने सुमेरपुर गया था। सोमवार को रात 8:30 बजे जब वह कैश लेकर लॉकर में रखने गया तो सोने-चांदी व हीरे के करीब 10 लाख के जेवरात और 94 हजार रुपये गायब थे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जल्द खुलासे का आश्वासन दिया।

सार-संक्षेप

स्थान पाने वाले बच्चों के साथ विद्यालय का स्टाफ। अमृत विचार

बालकों में अंकुश और बालिकाओं में हर्षिका पांडेय प्रथम

हमीरपुर। जिला स्तरीय प्रेरणा उत्सव प्रतियोगिता जवाहर नवोदय विद्यालय राठ में हुई जिसमें कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य निधीश कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का मुख्य बिंदु निबंध लेखन व चित्रकला रहा। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के मूल्यांकन में 15 छात्र बालक वर्ग से एवं 15 छात्राएं बालिका वर्ग से चयनित किए गए। जिनका द्वितीय चरण में पांच सदस्यीय बोर्ड द्वारा साक्षात्कार का आयोजन हुआ। साक्षात्कार के उपरांत अंतिम सूची का प्राचार्य ने परिणाम घोषित करते हुए बताया कि बालक वर्ग में अंकुश यादव केंद्रीय विद्यालय सुमेरपुर ने प्रतियोगिता में नाम रोशन किया। कहा विद्यालय परिवार के अलावा इसका श्रेय उनके माता-पिता को भी जाता है| जो अपने बच्चे की शिक्षा के प्रति सक्रिय हैं। बालिका वर्ग में हर्षिका पांडेय (जेएनवि) प्रथम स्थान पर चयनित हुईं। प्रधानाचार्य ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यार्थी अंकुश यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रथम स्थान का श्रेय गुरुजनों को जाता है।

चुनावी कसरत | रवानगी से पहले पुलिस अधीक्षक डॉ. दीक्षा शर्मा ने पुलिस बल को दिए जरूरी दिशा-निर्देश

निरीक्षक, उपनिरीक्षक और आरक्षी मुजफ्फर नगर रवाना

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव में लगाए गए जनपद के 252 पुलिस कर्मियों को मंगलवार को एसपी डॉ.दीक्षा शर्मा ने ब्रीफ करके रवाना किया। उन्होंने अनुशासन के साथ ड्यूटी करने के निर्देश देते हुए कहा कि मतपेटियों की सुरक्षा के दौरान पूरी तरह मुस्तैद रहें और निष्पक्ष, निष्ठा व कुशलता से कार्य करें। रवाना हुए पुलिस कर्मचारियों में 19 निरीक्षक व उपनिरीक्षक एवं 232 आरक्षी शामिल है। एसपी ने पुलिस लाइन में छह रोडवेज बसों में सवार सिपाहियों को हरी झंडी दिखा कर मुजफ्फरनगर के लिए रवाना किया।

मंगलवार को एसपी ने पुलिस लाइन सभागार में पुलिस कर्मियों को ब्रीफ करते हुए कहा कि अनुशासन में रहकर निष्पक्ष चुनाव कराएं। कहा कि सभी लोग साफ सुथरी वर्दी पहनने के साथ ही फोटोयुक्त परिचय पत्र अपने साथ रखेंगे। आदर्श आचार संहिता का पालन करें। महिलाओं, वृद्धों, दिव्यांग व सामान्य जन के साथ नम्र व अच्छा व्यवहार करेंगे। शांतिपूर्ण निष्पक्ष व सुरक्षित मतदान कराने में मदद करें। उन्होंने निर्देश दिया कि नियंत्रण अधिकारी के आदेशों का पालन करते हुए अपने शस्त्र की संरक्षा व सुरक्षा के लिए सतर्क रहें। किसी भी राजनैतिक दल के लिए चुनाव एजेंट का कार्य न करें। किसी भी उम्मीदवार या उसके एजेंट व राजनीति से संबंधित व्यक्ति से कोई सुविधा या सामग्री न लें। मतदान केन्द्र के पीठासीन अधिकारी के बिना मतदान केंद्र के अंदर नहीं जाएंगे। मतदान के दौरान किसी प्रत्याशी के पक्ष में मत देने अथवा न देने के लिए प्रेरित न करें। किसी भी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन कदापि न करें।

निर्वाचन के दौरान अपनी ड्यूटी स्थल से नहीं हटेंगे। अशिष्ट भाषा का प्रयोग तथा रोष प्रदर्शित न करें। उन्होंने कहा कि मतदान केंद्र पर ड्यूटी के दौरान मतदान से संबंधित किसी भी विषय के लिए पीठासीन अधिकारी सक्षम है। इसलिए किसी भी तरह के विवाद में खुद न पड़ते हुए पीठासीन अधिकारी को अवगत कराएंगे। इस मौके पर एएसपी माया राम वर्मा, क्षेत्राधिकारी सदर राजेश कमल, ट्रैफिक सीओ आदि मौजूद रहे।

पुलिस कर्मियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं एसपी डॉ. दीक्षा शर्मा।

- पुलिस लाइन से छह रोडवेज बसों से रवाना हुए पुलिस कर्मी एसपी ने दिखाई हरी झंडी

ई-रिक्शा रैली निकालकर मतदाताओं को किया जागरूक

हमीरपुर। स्वीप कार्यक्रम में मतदाताओं को जागरूक करने को डीएम राहुल पांडेय ने ई रिक्शा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने कहा स्टीकर व रैली के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया जा रहा है कि वे अपना अमूल्य मत 20 मई को मतदान केंद्र पर जाकर अवश्य डालें। रैली कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना होकर बस स्टैंड, अमन शहीद, रहुनियां, पशु चिकित्सालय, सैय्यद वाड़ा, कालपी चौराहा, कोतवाली, किंगरोड, स्टेडियम से होते हुए लक्ष्मीबाई पार्क पहुंची। रैली में चंद्रशेखर शुक्ला सीडीओ स्वीप नोडल अधिकारी, साधना दीक्षित परियोजना निदेशक, अजीत कुमार डीडीओ, ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुरक्षा व वाहन संचालन व्यवस्था की गई तथा सभी ई रिक्शा पर आगामी लोकसभा चुनाव 20 मई को मतदान के लिए स्टीकर लगाकर जागरूक किया। रैली व्यवस्था हेमराज ईओ नगर पालिका तथा संचालन अकबर अली स्वीप कोऑर्डिनेटर ने किया।

ई-रिक्शा रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते डीएम। अमृत विचार

बैरियर में कार से ढाई लाख रुपये मिले

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

- चुनाव में गलत ढंग से धन का उपयोग करने की आशंका के चलते हुई कार्रवाई
- कार में बैठे लोग पुलिस को नहीं दे सके धनराशि के बारे में सही जवाब

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव को लेकर पुलिस ने सक्रियता दिखानी शुरू कर दी है। मंगलवार को थाना चिकासी पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान 2.5 लाख रुपये जब्त किए। आशंका है कि इन रुपयों का चुनाव में गलत तरीके से उपयोग करने की योजना थी।

चुनाव को निष्पक्ष व सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से वाहन चेकिंग के दौरान थाना चिकासी पुलिस टीम ने बेतवा पुल बैरियर के पास बोलेरो को रोका। इसमें सवार आयुष सिंह पुत्र शिव स्वरूप सिंह निवासी मौजा रामपुर थाना राजपुर जिला कानपुर देहात, मोहित पुत्र हरगोविंद निवासी भरोसा थाना मोंठ जिला झांसी व दीपक सिंह पुत्र सूरज भान सिंह निवासी खरक कला थाना भिवानी जिला भिवानी (हरियाणा) के कब्जे से दो लाख 50 हजार रुपये बरामद हुए।

बरामद धनराशि के बारे में आरोपी कोई सही उत्तर नहीं दे सके जिससे प्रथम दृष्टया प्रतीत हुआ कि लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए उक्त धनराशि का प्रयोग किए जाने की पूर्ण आशंका थी। जिले में पिछले सोमवार को थाना मझगवां पुलिस और उड़नदस्ता टीम ने एक कार चालक के कब्जे से 2.66 लाख रुपये बरामद किए थे।

जखेला गांव में निकाली गई मतदाता जागरुकता रैली

कुरारा (हमीरपुर)। मंगलवार को खंड विकास अधिकारी बिपिन गुप्ता की अध्यक्षता में जखेला गांव में जागरूक महिलाओं व स्वयं सहायता समूह की दीदियों द्वारा मतदाता जागरूकता रैली निकाल कर ग्रामीणों को आने वाले लोकसभा चुनाव में वोट डालने के लिए जागरूक किया। इस मौके पर बीडीओ ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा लोग अपने मत का प्रयोग करें। मतदाता जागरूकता रैली में ब्लॉक मिशन प्रबंधक मयंक सिंह, आंगनबाड़ी, आशा कार्यकत्री आदि मौजूद रहे।

जखेला गांव में मतदाता जागरुकता रैली निकालते लोग। अमृत विचार

गर्मी आते ही नगरीय क्षेत्रों में बढ़ने लगी पानी की किल्लत

सात साल से राठ को मौदहा बांध पेयजल परियोजना से पानी मिलने का इंतजार

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अमृत विचार। जैसे जैसे तापमान बढ़ रहा है। पीने के पानी की डिमांड बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं नगरीय क्षेत्रों में बजट की कमी से जल संस्थान जुगाड़ कर 32 हजार कनेक्शनों में पानी की आपूर्ति कराने में जुटा है। इसमें करीब पांच लाख आबादी को संतृप्त करने का दावा किया जा रहा है। जबकि तीन ओवरहेड टैंक व इतने ही नलकूप वर्षों से ठप हैं। बजट के अभाव में जल संस्थान पुराने उपकरणों से काम चला रहा है।

नगर पालिका राठ को देखें तो वर्ष 1949-50 में परियोजना की नींव रखी गई थी। तबसे वही पुरानी पाइप लाइनों पर पानी छोड़ा जा रहा है। पिछले वर्षों में पुरानी बस्तियों में पाइप लाइनों के लीकेज से कई मकान तक डैमेज हो चुके हैं। इस कस्बे की करीब 70 हजार आबादी को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए 94.34 करोड़ की मौदहा बांध से पानी पिलाने की महत्वाकांक्षी परियोजना शुरू हुई थी। वर्ष 2013 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मौदहा बांध पेयजल परियोजना को स्वीकृति दी थी। परियोजना के लिए 94 करोड़ 34 लाख 78 हजार रुपये की मंजूरी मिली थी। अभी तक मौदहा बांध में ओवरहेड टैंक, गुलाब नगर व जलालपुर रोड पर टंकी, धनौरी गांव में एक फिल्टर प्लांट आदि का निर्माण कार्य हो सका है। कस्बे के मुगलपुरा, पठानपुरा, बजरिया, एसडीएम कोर्ट बस्ती समेत करीब आधा दर्जन मोहल्लों की बड़ी आबादी को पेयजल समस्या से जूझना पड़ता है। हालात खराब होने पर नगर पालिका को टैंकरों से आपूर्ति करनी पड़ती है। 1951-52 में नगर पालिका हमीरपुर में पेयजल योजना का निर्माण हुआ था। तबसे अब तक 15 नलकूप लग चुके हैं। तीन टंकियों में दो के जरिए करीब साढ़े छह हजार घरों को पेयजल आपूर्ति हो रहा है। एक टंकी आकाशीय बिजली गिरने से क्षतिग्रस्त हो चुकी है। मौदहा कस्बे में वर्ष 1959-60 में बनी परियोजना के बेड़े में 15 नलकूप हो चुके हैं। जिनसे करीब 50 हजार की आबादी को जलापूर्ति कराई जा रही है। सरीला में एक नलकूप बंद है। नगरीय क्षेत्रों में कुल 3209 हैंडपंपों में 336 वर्षों से रिबोर का इंतजार कर रहे हैं। वहीं मरम्मतीकरण में सैकड़ों हैंडपंप ठप पड़े हैं।

राठ क्षेत्र में निर्माणाधीन ओवरहेड टैंक। अमृत विचार

- बजट की कमी से जल संस्थान जुगाड़ से कर रहा जलापूर्ति
- तीन ओवरहेड टैंक व इतने ही नलकूप वर्षों से ठप पड़े हैं

> राठ के लिए मौदहा बांध से बनाई गई परियोजना का निर्माण जल निगम के अधीन है। नगरीय क्षेत्र के 32 हजार कनेक्शन धारकों को जलापूर्ति की जा रही है। बिल वसूली से आने वाले राजस्व से कर्मचारियों को मानदेय सहित टंकियों, नलकूपों की मरम्मत व साफ सफाई कार्य होता है। तीन टंकियां डैमेज हैं। तीन नलकूप रिबोर के चलते बंद हैं। –राहुल सिंह, एई जल संस्थान

कंट्रोल रूम में पेयजल की दर्ज कराएं शिकायत

मौदहा (हमीरपुर)। गर्मी का मौसम आते ही पेयजल की भारी किल्लत से निपटने के लिये नगर पालिका प्रशासन ने 24 घण्टे आम जनमानस को लाभ पहुंचाने के लिए टैंकर से पानी की आपूर्ति व अन्य पेयजल व्यवस्थायें करानें के लिए शिकायती कंट्रोल रूम खोल गया है। अप्रैल के दूसरे पखवारे में तापमान चरम पर पहुंचने लगा है और लू के थपेड़ों से आम जनमानस को भारी समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। वहीं पेयजल की किल्लत भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। इन्ही समस्याओं को देखते हुए जिला प्रशासन ने नगर पालिका व नगर पंचायतों को निर्देश जारी करते हुए पेयजल से संबंधित कंट्रोल रूम खोल कर 24 घंटे आम जनमानस को लाभ पहुंचाने के लिए क्रमशः फोन नम्बर 9984138118, 7309915397, 9369093524, 8840068440 में फोन कर अपनी शिकायत दर्ज कराने व उनकी शिकायतों का निस्तारण कराने के लिए मजबूत व्यवस्था बनायी है। नगर पालिका परिषद मौजूदा समय में 06 टैंकरों के माध्यम से कस्बे के उन स्थानों पर पेजयल मुहैया करा रहा है, जहां पानी की किल्लत बनी हुई है।

जीएसटी टीम के छापे से हड़कंप

मौदहा (हमीरपुर)। जीएसटी मामले में मंगलवार को पुनः कस्बे के नेशनल चौराहे के निकट स्थित एक ज्वैलर्स के प्रतिष्ठान पर बांदा के डीसीएसआईबी अवध कुमार पटेल ने टीम के साथ छापा डाला। इससे यहां खासा हड़कंप रहा और अन्य बड़े प्रतिष्ठानों की शटर गिरा दी गईं। यह छापेमारी देर शाम तक चलती रही। इस संबंध में अधिकारी ने बताया कि अभी फर्म के मालिकों ने अपने खाते नहीं दिखाए हैं। खातों के मिलान करने के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। हालांकि जीएसटी कम जमा करने के मामले की जांच की जा रही है। इससे पूर्व मौदहा के मालिकुआं चौराहे के निकट गोपाल उद्योग में जो जांच पड़ताल की गई थी। उसमें जीएसटी की कमी पाई गई और संबंधित के मालिक को 2 लाख 40 हजार रुपये जमा करने के निर्देश दिए गए हैं।

सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो

संवाददाता सुमेरपुर(हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र के ग्राम सहुरापुर व मोराकांदर में स्वीप के अंतर्गत रैली निकालकर मतदान के लिए लोगों को जागरूक किया गया। डिप्टी कलेक्टर ने लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए मतदान करने की शपथ दिलाई।

मतदाता जागरुकता अभियान के तहत मंगलवार को ग्राम सहुरापुर व मोराकांदर में मजबूत लोकतंत्र सबकी भागीदारी स्वीप कार्यक्रम के तहत रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ डिप्टी कलेक्टर/ प्रभारी बीडीओ शांतुन कुमार सिनसिनवार ने किया। ई-रिक्शा में माइक लगाकर प्रचार प्रसार किया गया। उन्होंने रैली के साथ भ्रमणकर मतदान का प्रतिशत बढाने के लिए लोगों को जागरूक किया।

रैली में शामिल महिलायें व पुरुष मतदान बढ़ाने के लिए नारे लिखी तख्तियां लेकर घूमे और गलियों में माइक से नारे लगाए। जिसमें वोट हमारा है अनमोल, कभी न लेंगे इसका मोल, जागो जागो हे मतदाता, तुम भारत के भाग्य विधाता। वोट डालने जाना है, बीस मई को जाना है। सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो। अपना कर्तव्य निभाएंगे, पहले मतदान कराएंगे। आओ मिलकर अलख जगाये, शत प्रतिशत मतदान कराएं शामिल रहे। डिप्टी कलेक्टर ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने लिए मतदान जरूरी है। इसके बाद रैली में शामिल लोगों को शपथ दिलाई। इस मौके पर सचिव रामबाबू गुप्ता, ब्लॉक मिशन मैनेजर रीना सहित ग्रामीण व आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं समूह की महिलाएं शामिल रहीं।

मोराकांदर गांव में जागरुकता रैली निकालते बच्चे। अमृत विचार

- सुमेरपुर क्षेत्र के सहुरापुर व मोराकांदर गांव में निकाली गई जागरुकता रैली

बीमा कंपनी के प्रबंधक के खिलाफ शिकायत

सुमेरपुर(हमीरपुर)। यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के ब्रांच मैनेजर ने बीती रात ग्राम प्रधान के साथ मोबाइल से बात करते हुए जमकर अभद्रता की। इससे नाराज प्रधान संघ ने थानाध्यक्ष को तहरीर सौंपकर कार्यवाही की मांग की है। थानाध्यक्ष ने मामले की जांच के आदेश दिए हैं।

प्रधान संघ ने थानाध्यक्ष को दिए गए शिकायती पत्र में बताया कि यूनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस के ब्रांच मैनेजर बताने वाले राहुल त्रिपाठी ने बीती रात ब्लाक के प्रधान को फोन करके ग्राम पंचायत के लोगों की सूचना मांग रहा था। इसकी शिकायत प्रधानों ने ब्लॉक अध्यक्ष वंदना सचान से की थी। इस पर संघ ने ब्रांच मैनेजर के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंप कार्यवाही की मांग की है। आरोप है कि ब्रांच मैनेजर जिलाधिकारी के नाम का सहारा लेकर प्रधानों को धमका रहे हैं। शिकायत करने वालों में देवगांव, इंगोहटा, टेढ़ा, दरियापुर, कुंडौरा, सहरापुर, उजनेड़ी, विदोखर पुरई, विदोखर मेंदनी, पचखुरा बुजुर्ग, कलौलीजार, नदेहरा आदि प्रधानों के हस्ताक्षर हैं। थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है। राहुल त्रिपाठी का कहना है कि उन्होंने पचखुरा बुजुर्ग के प्रधान से एक व्यक्ति के बारे में जानकारी मांगी थी।

सार-संक्षेप

मौदहा में रामनवमी को लेकर सड़क किनारे लगे भगवा झंडे। अमृत विचार

मौदहा में रामनवमी के जुलूस की तैयारियां पूरी

मौदहा (हमीरपुर)। नवरात्र के पावन पर्व पर देवी जी के विभिन्न रूपों की पूजा अर्चना के साथ व्रत का पालन किया। वहीं रामनवमी के पावन पर्व पर बुधवार को विशाल जुलूस के आवाहन के लिए मंगलवार को पूरे नगर में बड़ी संख्या में राम भक्तों ने बाइक रैली निकाली। जय श्री राम के घोष के साथ ही एक एक बाइक में कई कई लोग ध्वज लिए चल रहे थे। वहीं नगर को धार्मिक ध्वजों से सजाया गया था। बड़े-बड़े स्टॉल धार्मिक ध्वजों के बिक्री के लिए लगाए गए। भक्तों को कल निकलने वाले विशाल जुलूस के अवसर पर पेय पदार्थ व अन्य प्रसाद ग्रहण करने के लिए कई जगह बड़े-बड़े स्टॉल का आयोजन की तैयारी की गई है। जगह-जगह स्वागत द्वार बनाए गए।

बीएलओ की बैठक लेते एसडीएम। अमृत विचार

वृद्ध और दिव्यांग मतदाता घर पर ही डालेंगे वोट

मौदहा (हमीरपुर)। लोकसभा चुनाव की तैयारियां जोरों पर हैं। तहसील सभागार में तहसील क्षेत्र में पड़ने वाले मतदान केंद्रों हमीरपुर विधानसभा के 275 बीएलओ के कार्यों की समीक्षा और 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाताओं व 40 फीसद से अधिक दिव्यांगों के मत डलवाए जाने के चुनाव आयोग के आदेश पर उन्हें फार्म 12 घ देकर उनकी सहमति लेने की जानकारी दी गई। उप जिलाधिकारी राजेश चंद्र व तहसीलदार बलराम गुप्ता ने आयोग के निर्देशन के पालन की जानकारी दी। तहसील क्षेत्र में दो विधानसभाओं के क्षेत्र सम्मिलित हैं। जिसमें हमीरपुर विधानसभा में 178 व राठ विधानसभा की 97 पोलिंग बूथ हैं। आयोग ने इस बार इनके मतदान की सुविधा के लिए घर-घर पहुंच अपने मत का प्रयोग करने के लिए व्यवस्था की है, लेकिन इसके लिए शर्त यह है कि इन्हें संबंधित बीएलओ 12 घ फार्म देकर सहमति लेगें कि वह अपने घर से मतदान करेंगे या निकट के पोलिंग बूथ पर जाएंगे। इस सहमति के बाद ही यह पता चल सकेगा के कितने लोग अपने घरों से मतदान करना चाहते हैं और कितने अपने निकट की पोलिंग स्टेशन में जाएंगे। आज तीन चरणों में पूरे दिन इनको यही प्रशिक्षण दिया गया और फार्म व पावती भी दी गई।

मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल

सुमेरपुर(हमीरपुर)। दो अलग-अलग मारपीट की घटनाओं में दो लोग घायल हो गए। जौनपुर जिले के शाहगंज का निवासी अनिल कुमार ट्रक लेकर सोमवार को उद्योग नगरी आया था इसको डिंपल उर्फ धीरेंद्र व शैलेश गौर ने गाली गलौज कर जमकर मारा पीटा। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लिया है।

एक नजर

तमंचा के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

नरैनी। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण माहौल में कराने और अपराध एवं अपराधियों पर नियंत्रण लगाने को लेकर कोतवाली पुलिस अलर्ट मोड में है। अवैध शस्त्रों का संग्रहण, निर्माण व बिक्री करने वाले अभियुक्तों पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। मंगलवार की सुबह कोतवाली के उपनिरीक्षक अनिल सिंह ने गश्त एवं चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर बरकोलाकलां गांव के मजरा लोधिन पुरवा निवासी प्रहलाद पुत्र मइयादीन को 315 बोर के दो तमंचा व कारतूसों के साथ गिरफ्तार कर लिया है। इसके विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज करते हुए पुलिस ने जेल भेज दिया।

बाइक सवार ने महिला को मारी टक्कर, घायल

कुरारा (हमीरपुर)। कस्बे के मनकी स्टैंड में मंगलवार की शाम 6 बजे एक बाइक सवार ने जनपद जालौन की कुठौंद गांव निवासी विनीता (30) पत्नी स्व .कमल किशोर बाजार करने आई थी। जब वह वापस गांव जा रही थी। तभी बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। राहगीरों की मदद से उसे कस्बे की सीएचसी में भर्ती कराया गया। जहां महिला का उपचार जारी है।

पुलिस ने रिपोर्ट नहीं लिखी

मौदहा। थाना सिसोलर के गांव परेहटा निवासी हरमोहन यादव ने पड़ोसी पप्पू, रमेश, बटेढा, बबुआ पर आरोप लगाया है कि सोमवार को हथियारों और लाठी डंडों से लैस होकर घर में घुस आए और उसके साथ मारपीट की तथा दहशत फैलाने की गरज से तमंचे से हवाई फायर किया है। शिकायत सिसोलर पुलिस में की, लेकिन रिपोर्ट नहीं लिखी।

पीसीएस से आईएएस बनीं फहरीन जहीद

कार्यालय संवाददाता,बांदा

अमृत विचार: जिंदगी में कुछ कर गुजरने की ललक हो तो विपरीत परिस्थितियां भी कदम मिलाकर चलने लगती हैं। यह सच कर दिखाया है शहर के छावनी निवासी सेवानिवृत्त सहायक कोषाधिकारी की डिप्टी कलेक्टर पुत्री फहरीन जहीद ने। उसने पीसीएस की ट्रेनिंग के बीच ही आईएएस की परीक्षा 241वीं रैंक हासिल कर जनपद का मान बढ़ाया है।

छावनी निवासी व अवकाश प्राप्त सहायक कोषाधिकारी जाहिद अली की छह संतानों में सबसे छोटी पुत्री फहरीन जहीद ने आईएएस की परीक्षा उत्तीर्ण कर जनपद का नाम रोशन किया है। फहरीन ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा शहर के सेंट मैरीज स्कूल से शुरू की और यही से इंटर उत्तीर्ण किया। पढ़ाई का सिलसिला जारी रखते हुए केसीएनआईटी से बीटेक इलेक्ट्रानिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद फरीन दिल्ली चली गई। वहां उन्होंने रेजीडेंसियल कोचिंग एकेडमी जामिया दिल्ली में 2017 में प्रवेश लिया। अपनी पढ़ाई को जारी रखते हुए वर्ष 2022-23 में पांचवें प्रयास में पीसीएस परीक्षा पास करते हुए 14वां स्थान हासिल कर डिप्टी कलेक्टर बनीं। वह पीसीएस की ट्रेनिंग करते हुए आईएएस बनने का सपना संजोए अपनी मंजिल की ओर बढ़ती रहीं। इसी बीच आईएएस का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ तो उन्होंने 241वीं रैंक पाकर सफलता अर्जित कर अपनी मेधा का लोहा मनवाया।

आईएएस बनीं बेटी फहरीन का मुंह मीठा करातीं मां। अमृत विचार

- बांदा की बेटी ने भरी उड़ान मेधा का परचम फहराया

हाईवे पर गोवंश को बचाने में पलटा लोडर

सुमेरपुर (हमीरपुर)। नेशनल हाईवे 34 में दोपहर को तेज रफ्तार टमाटर से भरा लोडर अन्ना गोवंश को बचाने में असंतुलित होकर पलट गया। नेशनल हाईवे की पेट्रोलिंग टीम ने चालक एवं हेल्पर को सुरक्षित निकालकर आवागमन बहाल कराया। हाईवे के पेट्रोलिंग ऑफिसर संतोष चौधरी ने बताया कि मंगलवार को अपराह्न 4:00 बजे एक लोडर कबरई महोबा से टमाटर लादकर कानपुर जा रहा था। कुंडौरा गांव के समीप हाईवे पर अचानक गोवंश के आने पर पलट गया। इस घटना में चालक एवं हेल्पर केबिन में फंस गए थे।

माइक्रो आब्जर्वर को दिया गया प्रशिक्षण

हमीरपुर। लोकसभा चुनाव को लेकर माइक्रो आब्जर्वर का प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी राहुल पांडेय की अध्यक्षता में हुआ।

बताया गया कि माइक्रो आब्जर्वर इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि मतदान दिवस के दिन मॉकपोल सुव्यवस्थित ढंग से हो पोलिंग एजेंट मतदान केंद्र पर उपस्थित हैं अथवा नहीं। कोई अनाधिकृत कार्य मतदान कक्ष में प्रवेश न करने पाए। रजिस्टर में मतदाताओं का अंकन किया जा रहा है। मतदान लेखा प्रपत्र के बारे में भी बताया गया। मतदान समाप्ति से पूर्व पीठासीन अधिकारी से समन्वय स्थापित करें।

आधा दर्जन किसानों की 12 बीघा फसल जली

कार्यालय संवाददाता, बांदा

अमृत विचार। तल्ख गर्मी के साथ ही जिले में आग की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ताजी घटना में एचटी लाइन के तारों में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आधा दर्जन किसानों की 12 बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। किसानों और ग्रामीणों ने समर्सिबल पंप से किसी तरह आग पर काबू पाया।

गिरवां थाना क्षेत्र के खुरहंड गांव में मंगलवार को किसानों के खेतों के ऊपर से निकली एचटी लाइन के तारों के टकराने से शॉर्ट सर्किट हो गया। इससे निकली चिंगारी से खेत में आग लग गई। देखते ही देखते आग आसपास के खेतों में पहुंच गई। अग्निकांड में विजय पाल पुत्र देवीदयाल, भारती देवी पत्नी महेंद्र सिंह, रविशंकर सिंह पुत्र शिवगोपाल, ज्ञान स्वरूप विश्वकर्मा पुत्र सुरवा, अजय सिंह पुत्र शिवगोपाल और संतोष सिंह की फसल खाक हो गई। किसानों और ग्रामीणों ने किसी तरह आग पर काबू पाया। ग्रामीणों का कहना है कि सूचना देने के बाद भी दमकल की टीम देरी से पहुंची।

कमासिन थाना क्षेत्र के ग्राम पछौहा में उमाकांत द्विवेदी के खेत में खड़ी गेहूं की फसल में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। तेज हवा के चलते आग बबलू यादव व रामसजीवन यादव के खेतों तक पहुंच गई। सूचना पर पहुंची दमकल ने आग बुझाने में मदद की। उधर पड़ोसी गांव किटहाई के किसान अमरनाथ यादव के खेत में भी दोपहर में गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई और तेज हवा के चलते बगल के खेतों जयकरण यादव, रामसजीवन यादव, राममिलन यादव के खेतों को भी चपेट में ले लिया। जब तक आग पर काबू पाया जाता तब तक 10 बीघा फसल राख हो गई। जिला पंचायत सदस्य राजा विश्वकर्मा ने शासन और प्रशासन से अग्नि पीड़ितों को तत्काल आर्थिक सहायता मुहैया कराने की मांग की है।

खेत में खाक पड़ी किसानों की फसल। अमृत विचार

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

अग्निकांड बिजली के शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 20 लाख रुपये की क्षति का अनुमान

आग से दस किसानों की 100 बीघा फसल राख

संवाददाता, सुमेरपुर (हमीरपुर)

अमृत विचार। क्षेत्र में तीन अलग-अलग हुई आग की घटनाओं में 10 किसानों की करीब 100 बीघा फसल विद्युत के शॉर्ट सर्किट से जलकर खाक हो गई। इससे किसानों में कोहराम मच गया है। सर्वाधिक नुकसान टेढ़ा गांव में हुआ है। फायर ब्रिगेड के देरी से पहुंचने पर किसानों में आक्रोश नजर आया।

मंगलवार को किसानों के साथ बिजली के शॉर्ट सर्किट ने अमंगल कर दिया। टेढ़ा गांव में दोपहर करीब 3 बजे बिजली के शार्ट सर्किट से पचखुरा हार में आग लग गई। जिसमें टेढ़ा निवासी किसान झंडू सिंह चंदेल की 15 बीघा, हरचरण सिंह की 27 बीघा, रामआसरे तिवारी की 25 बीघा, झंडू साहू की पांच बीघा, विनोद कुमार की 5 बीघा, महेश साहू की 5 बीघा, सुरेश साहू की 5 बीघा, गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। फायर ब्रिगेड के देर से पहुंचने के कारण किसानों में आक्रोश नजर आया। सूचना पाकर थाना पुलिस एंबुलेंस एवं फायर दस्ते को साथ लेकर पहुंची और आग पर काबू पाया। तब तक 86 बीघा की फसल जल चुकी थी।

दूसरी घटना दोपहर करीब 12 बजे चंदौखी गांव में हुई। यहां के निवासी दिनेश चंद्र श्रीवास्तव के खेत में शार्ट सर्किट से आग लगने के कारण करीब पांच बीघा गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। तीसरी घटना कस्बे में सोमवार रात करीब 10:30 बजे ऊंचा थोक निवासी अखिलेश तिवारी के नलकूप में हुई। यहां रंजिश के चलते अज्ञात लोगों ने पेट्रोल छिड़ककर चना की फसल में आग लगा दी। इससे करीब तीन बीघा चना की फसल जलकर खाक हो गई। पीड़ित किसान ने अज्ञात के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी है। आग की घटनाओं से किसानों में हड़कंप मच गया है। आग से करीब किसानों को 20 लाख की क्षति होने का अनुमान है।

गेहूं की फसल में लगी आग। अमृत विचार

दुष्कर्म के आरोपी युवक को पुलिस ने भेजा जेल

संवाददाता, सरीला (हमीरपुर)

अमृत विचार। जरिया थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर देकर गांव के युवक पर पुत्री के साथ दुष्कर्म का आरोप लगाया था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी थी। मंगलवार को पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने थाने में तहरीर देते हुए बताया था कि शुक्रवार को 19 वर्षीय पुत्री शौचक्रिया के लिए बाड़े में गई थी। वहीं गांव का युवक पहले से घात लगाये बैठा था। पीड़िता के पिता का आरोप था कि पुत्री शौचक्रिया करके जैसे ही बाहर निकली तो दबंग युवक ने पीछे से आकर मुंह दबाकर अंदर की ओर ले गया और भूसा के ढ़ेर के पास ले जाकर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया था। उसी समय पीड़िता का चाचा कपड़ा धोने के लिए बाड़े में गया था तो उसने देखा कि मोबाइल व पुत्री की चप्पल छप्पर के नीचे पड़ी थी। उसे देखकर दबंग युवक धमकी देते हुए भाग गया था। पीड़िता के पिता की तहरीर के आधार पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कर पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू कर दी थी। मंगलवार को जरिया थाना पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़ा है। इसकी जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष प्रिंस दीक्षित ने बताया कि सोनू अनुरागी को दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।

डंपर की चपेट में आईं तीन महिला मजदूर, एक की छिन गई जिंदगी

जालौन कोतवाली क्षेत्र में हुआ हादसा, नवनिर्मित डिवाइडर की कर रही थीं तराई

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। जालौन कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे में करीब एक दर्जन महिला मजदूर एक्सप्रेस-वे में नवनिर्मित डिवाइडर की तराई कर रही थीं, मंगलवार दोपहर को चित्रकूट की तरफ से तेज रफ्तार से आ रहे डंपर ने तीन तराई कर रही तीन महिला मजदूरों को चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही जलाऊं कोतवाल बिमलेश कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और घायल तीनों महिला मजदूरों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, डॉक्टरों ने 50 वर्षीय महिला मजदूर उलक्फा को मृत घोषित कर दिया। वहीं दो घायल महिला मजदूरों का इलाज चल रहा है। जलाऊं जनपद की सीमा क्षेत्र में आए दिन हादसे हो रहे हैं।

अस्पताल में भर्ती महिला श्रमिक। अमृत विचार

कार में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी। अमृत विचार

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचे चार लोग

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

- आटा थाना क्षेत्र के भदरेखी गांव से कुछ दूर हुआ हादसा
- आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं, दमकल ने बुझाई आग

अमृत विचार। आटा थाना क्षेत्र के अंर्तगत ग्राम भदरेखी व आटा के बीच में तेजगति से जा रही कार में अज्ञात कारणों के चलते आग लग गई। कार में सवार चार लोगों ने कूद कर जान बचाई। जिससे वह आग की चपेट में आने से बाल-बाल बच गये। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची फायरब्रिगेड गाड़ी के जवानों ने गाड़ी में लगी आग को बुझाया। कस्बा आटा से भदरेखी की ओर तेजगति से जा रही इंडिका गाड़ी में अज्ञात कारणों के चलते आग लगी थी।

एसडीएम ने पोलिंग बूथों का निरीक्षण कर दिए निर्देश

कालपी(जालौन)। लोकसभा चुनाव की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिये प्रशासन के द्वारा इंतजाम किये जा रहे हैं। उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने घूम-घूमकर महेवा बिकास खंड के ग्रामों अटरा कला तथा बाबई गांव के पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्देश दिया कि पोलिंग बूथों में मतदाताओं की सुविधाओं के लिए व्यवस्था मुकम्मल रहना चाहिए। दोपहर को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने प्राथमिक विद्यालय बाबई, कन्या उच्चतर विद्यालय कंपोजिट बाबई तथा अटरा कला आदि स्थानों के पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। उन्होंने साथ में चल रहे कर्मचारियों को हिदायत दी है कि पोलिंग बूथों में मतदान के पहले बिजली, पानी, सफाई, रोशनी तथा रैम्प की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिये। इसमें किसी भी प्रकार की उदासीनता को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पोलिंग बूथ का निरीक्षण के दौरान भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के मुताबिक व्यवस्था के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने जल परियोजना की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने जल जीवन मिशन हर घर जल परियोजना अंतर्गत निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में की।

जिलाधिकारी ने समीक्षा के दौरान निर्धारित कार्य योजना के अनुरूप कार्य स्थल पर पर्याप्त संख्या में मैन पॉवर व मशीनरी के साथ निर्धारित अवधि में लक्ष्य से प्रतिशत हर घर जल कार्य को अवश्य पूर्ण करें। ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत उन्होंने कहा कि पेयजल योजना के तहत पाइप बिछाने व सड़क रेस्टोरेशन के समय उच्च गुणवत्ता एवं मानक के अनुसार ही सामग्री का प्रयोग किया जाए। उन्होंने जल निगम एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निरंतर भ्रमणशील रहकर कार्यों की गुणवत्ता व कार्य की निगरानी कर शत प्रतिशत प्रगति में सुधार लाया जाए। मतदान केंद्रों को जोड़ने वाली सड़क की शत प्रतिशत मरम्मत

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करते डीएम राजेश कुमार पांडेय। अमृत विचार

- बोले, गुणवत्ता का रखें विशेष ध्यान, शीघ्र पूरा करें काम

समयांतर्गत कर ली जाये।

उन्होंने समीक्षा के दौरान कहा कि ग्रीष्म ऋतु में सभी ग्रामों में शुद्ध पेयजल नियमित रूप से उपलब्ध कराये जाने में समयबद्ध कार्रवाई की जाये। पेयजल योजना से जुड़े अधिकारियों को रायपुरा, मढ़ेपूरा एवं कोटा सतई आदि में जलाधारित परियोजना की धीमी प्रगति पर सख्त निर्देश दिए कि निर्धारित समयावधि में तीव्र गति से कार्यों को पूर्ण कर लिया जाये। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संजय कुमार, अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे विशाल यादव, नगर मजिस्ट्रेट अजीत कुमार जायसवाल, डिप्टी कलेक्टर ज्योति, अधिशाषी अधिकारी जल निगम अंचल गुप्ता सहित आदि अधिकारी मौजूद रहे।

लू से बचने को खूब पानी पीते रहें

कार्यालय संवाददाता उरई (जालौन)

अमृत विचार। जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय ने गर्मी के मौसम में लू के प्रकोप से जनसामान्य को बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी में लोग कुछ सावधानियां अपनाकर स्वयं को और अपने परिवार को गर्मी व लू के प्रकोप से सुरक्षित रख सकते हैं। गर्मी के मौसम में चाहे इंसान हो या पशु या फिर कोई पालतू जानवर सभी को विशेष देखभाल की जरूरत होती है।

कहा कि बच्चों व बुजुर्गो का विशेष तौर पर ध्यान रखा जाए। मौसम विभाग की ओर से जारी की गयी एडवाइजरी के अनुसार आगामी दिनों में दैनिक तापमान में तेजी से वृद्धि होने का पूर्वानुमान व्यक्त किया गया है। हीट वेव (लू) असामान्य रूप से उच्चतम तापमान की अवधि है जब तापमान सामान्य तापमान से अधिक दर्ज किया जाता है। वर्तमान समय में जनपद में परिस्थितिया हीट वेव (लू) के अनुकूल बनी हुई है। उच्च आद्रता तथा वायुमंडलीय परिस्थितियों के कारण उच्च तापमान

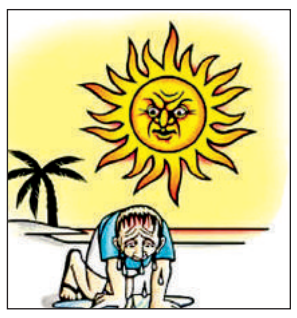

लोगों को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करता है, जिसके कारण शरीर में पानी की कमी (डिहाईड्रेशन) और ऐंठन की शिकायत होने लगती है जिसके कारण लोगों को किसी गंभीर समस्या होने की संभावना बढ़ जाती हैं। हीट वेव (लू) से वृद्ध, बच्चे, गर्भवती महिलायें, बीमार मजदूर झोपड पट्टी में रहने वाले गरीब, दुर्बल एवं निराश्रित लोग अधिक प्रभावित होते है। इसके अतिरिक्त हीट वेव (लू) ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, जंगलों, जल संसाधनों, कृषि एवं पशुपालन, स्वास्थ्य तथा विद्युत आपूर्ति आदि को भी प्रभावित करता है। लू के प्रकोप से बचाव हेतु 'क्या करें' कड़ी धूप में विशेष रूप से दोपहर 12 बजे से 03 बजे के बीच बाहर जाने से बचें। हल्के रंग के ढीले-ढाले और सूती कपडे पहनें।धूप में निकलते समय अपना सिर ढक कर रखें, कपडे, टोपी या छाता का उपयोग करें। पर्याप्त और नियमित अन्तराल पर पानी पीतें रहें। सफर में पीने का पानी हमेशा साथ में रखें।

रात को खिड़कियां खुली रखें

रात में खिडकियां अवश्य खुली रखे। घर की निचली मंजिल पर रहने का प्रयास करें। लू के प्रकोप से बचाव हेतु 'क्या उपाय करे बच्चों एवं पालतू जानवरों को खडी कार में अकेला न छोडें, वाहन जल्दी गर्म होकर खतरनाक तापमान पैदा कर सकते है जो बच्चों के लिये घातक हो सकती है। भीषण गर्मी में दोपहर के समय अधिक श्रम वाली गतिविधियों को न करें तथा उच्च प्रोटीन वाले भोजन से बचें और बासी भोजन न करें। शराब, चाय, कॉफी और कार्बोनेटेड शीतल पेय पदार्थों का सेवन करने से बचें क्यो कि ये शरीर को निर्जलित करतें हैं तथा दोपहर में जब दिन का तापमान अधिक हो उस दौरान खाना पकाने से बचें। रसोई घर को हवादार बनाये रखने के लिये खिडकी व दरवाजे खुले रखें।

रजिस्ट्री कार्यालय में धक्का-मुक्की करते लोग। अमृत विचार

रजिस्ट्री कार्यालय में दो पक्ष भिड़े, कर्मचारियों ने समझाया

कार्यालय संवाददाता उरई

अमृत विचार। रजिस्ट्री कार्यालय में फाइलों के साथ छेड़खानी को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए और धक्कामुक्की हुई। जनपद जालौन के मुख्यालय उरई में स्थित सब रजिस्ट्रार ऑफिस में दलालों का अड्डा है। इसलिए रजिस्ट्री कार्यालय में दलाली एवं भ्रष्टाचार के मुद्दे हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। जानकारी के अनुसार मंगलवार को रजिस्ट्री कार्यालय में दो दबंग रजिस्ट्री कराने वालों के बीच पहले रजिस्ट्री कराने को लेकर कार्यालय के अंदर कहा सुनी हो गई, बात इतनी बढ़ी की मामला लात-घुसों और धक्कामुक्की तक जा पहुंचा। चैम्बर के अंदर फाइलों को आगे पीछे करने को लेकर हुए इस बबाल की खबर आस पास फैल गई। तब अन्य लोगों ने पहुंचकर बीच बचाव कर मामला शांत कराया। गौरतलब है कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय में फरवरी माह में मौजूदा महिला सब रजिस्ट्रार पर रिश्वतखोरी का आरोप लगा था, और रजिस्ट्री कराने वाले सभी वकीलों ने हड़ताल कर दी थी। सब रजिस्ट्रार के तबादले की मांग जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर की गई थी। इस पर दस दिन तक उरई सब रजिस्ट्रार कार्यालय में एक भी रजिस्ट्री नहीं हुई थी। जिलाधिकारी ने मौजूदा सब रजिस्ट्रार को दो हफ्ते की छुट्टी में भेज दिया था।

बंगरा में काली, कैला माता की स्थापना निकली कलश यात्रा

माधौगढ़ (जालौन)। जालौन के ग्राम बंगरा में जल एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया, यह कार्यक्रम चैत नवरात्रि पर्व के शुभ दिवसों में आचार्य पं आनंद चंसोलिया उज्जैन एवं पं अशोक शास्त्री द्वारा विभिन्न अनुष्ठान कर महामृत्युंजय, दुर्गा सप्तशती,हवन इत्यादि कराए गए, कलश यात्रा को गाजे बाजे व सुंदर झांकियों के साथ मुख्य मार्गों से होते हुए निकाला गया। ग्राम बंगरा स्थित हीरा गार्डन के समीप रविन्द्र याज्ञिक के निवास पर किया गया,कलश यात्रा में शामिल महिलाएं एवं पुरुष पीले कपड़ों को धारण कर महिलाएं सिर पर कलश रखकर मंगल गीत गाती हुईं। मन्दिरों के दर्शन किये सभी के माथे पर चंदन का लेप लगाकर जय माता दी के जयकारों का उच्चारण किया। कलश यात्रा हीरा गार्डन से होती हुई, माधौगढ़ रोड़ स्थित नहर, काली माता मंदिर रोड से माधौगढ़ कार्यक्रम स्थल पहुंची।

सार-संक्षेप

मतदान कराने के लिए पुलिसकर्मी बिजनौर रवाना

उरई (जालौन)। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के प्रथम चरण के होने वाले चुनाव में ड्यूटी पर लगे पुलिस फोर्स ब्रीफ कर जनपद बिजनौर को जाने वाले पुलिस कर्मियों की बसों को हरी झंडी दिखाकर अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी ने रवाना किया। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों के लिए मतदान सात चरणों भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के तहत होना है।उत्तर प्रदेश में पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। पहले चरण के चुनाव में जनपद जालौन से डयूटी में लगने वाले जवानों की बसों को अपर पुलिस अधीक्षक असीम चौधरी हरी झंडी दिखाकर गंतव्य स्थान के लिए रवाना किया।

कृष्ण जन्मोत्सव की कथा सुन भाव-विभोर हुए भक्त

माधोगढ़। विकास खंड कुठौंद की ग्राम पंचायत एको में नवरात्र के पावन पुनीत अवसर पर चल रही श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ में कथा वाचक आचार्य पंडित अनूप तिवारी अंजना ने भागवत के महत्व की कथा में बताया कि भगवान कृष्ण की कथा सुनाई, कथा को सुनकर भक्त भावविभोर हो गए।

बैठकः पोलिंग बूथों की व्यवस्था का रखें ध्यान

संवाददाता,जोल्हूपुर(जालौन)

अमृत विचार। तहसीलदार अभिनव तिवारी की अध्यक्षता में लेखपालों तथा राजस्व कर्मचारियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान अपने अपने गांव के पोलिंग बूथों की व्यवस्था को ठीक रखने के लिए जोर दिया गया। मंगलवार को तहसील के सभागार में आयोजित बैठक में तहसीलदार ने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव के मतदान के दौरान अपने अपने पोलिंग बूथों में बिजली, पानी शौचालय, रैम्प तथा स्वच्छता के पुख्ता इंतजाम किए जायें। पोलिंग बूथों को देखते रहे अगर कोई समस्या हो तो उसकी सूचना दे। तथा कमी होने पर समस्या का समाधान कराये।आइजीआरएस पोर्टल में दर्ज शिकायतों का तत्परता पूर्वक मौके पर जाकर के निस्तारण किया जाए। उन्होंने कहा कि इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने अवगत कराया कि आगामी चुनाव को कुशलतापूर्वक निपटाने के लिए सम्बन्धित बूथों की व्यवस्था दुरुस्त रखें। अगर कहीं पर किसी प्रकार की कमी हो तो उसे ठीक किया जाये। गांव में सरकारी भूमि में अतिक्रमण पर कार्रवाई के निर्देश दिये गये। नायब तहसीलदार हरदीप सिंह, चंद्रमोहन शुक्ला मौजूद रहे।

गायों की गणना कर भूसे का स्टॉक देखा

संवाददाता कालपी जालौन

अमृत विचार। बीती शाम को उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल के द्वारा ग्राम बाबई स्थित गौ आश्रय स्थल तथा सरकारी गेहूं क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण।गौ आश्रय स्थल के परिसर में गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताते हुए सफाई करने के निर्देश दिए। उपजिलाधिकारी ने महेवा विकासखंड के ग्राम बाबई स्थित गौशाला पहुंचे जहां उन्होंने गौशाला में भूसे का स्टॉक व रखरखाव देखा। परिसर में मौजूद गायों की गणना करके अभिलेख से मिलान किया। गौआश्रय स्थल में पानी तथा प्रकाश व्यवस्था का भी जायजा लिया। परिसर में गंदगी देखकर उन्होंने नाराजगी जताते हुए ड्यूटी में मौजूद कर्मियों को निर्देश दिए कि परिसर में सफाई व्यवस्था का पूरा ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि जल्द ही गौशाला का दुबारा निरीक्षण किया जाएगा अगर व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो दोषी कर्मियों के खिलाफ कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। औचक पहुँचे उपजिलाधिकारी को देखकर ड्यूटी में मौजूद कर्मचारी सकपका गये। कालपी के उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने बाबई के सरकारी गेहूं क्रय केंद्र का औचक निरीक्षण किया तथा किसानों से बातचीत भी की। विदित हो कि किसानों को 22.75 रुपए प्रति किलोग्राम की निर्धारित दर से गेहूं की खरीद करने की व्यवस्था

गौ आश्रय स्थल का जायजा लेते एसडीएम हेमंत पटेल। अमृत विचार

क्रय केंद्रों में व्यवस्था की गई है। 1 अप्रैल से सरकारी गेहूं क्रय केंद्रों को भी स्थापित कर दिया गया है। सोमवार की दोपहर को महेवा विकास खंड के बाबई के सहकारिता भवन के परिसर में स्थित सरकारी गेहूं क्रय केंद्र का उपजिलाधिकारी हेमंत पटेल ने औचक निरीक्षक किया। उन्होंने किसानों के बैठने तथा सुख सुविधाओं,छन्ना,बारदाना की व्यवस्थाओं को भी देखा। उपजिलाधिकारी ने खरीद की स्थितियों को देखकर केंद्र प्रभारी को आवश्यक निर्देश दिए कि गेहूं की खरीद तेजी से की जाए तथा केंद्र की व्यवस्था को भी दुरुस्त रखा जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं, अनुराग यादव पुत्र इंद्रजीत सिंह यादव निवासी डी-882 विश्व बैंक बर्रा, कानपुर नगर यूपी-208027। मैंने अपनी पुत्री का नाम बदलकर अवनी यादव से अनाया यादव रखा है।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम AVADESH से बदलकर AVADHESH RAJBHAR रख लिया है।अब मुझे इसी नाम से जाना एवं पहचाना जाए। AVADHESH RAJBHAR S/O RAMDHARI। निवासी माया देवी, भरपुरवा पिपराइच, गोरखपुर।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अमित उम्र करीब 28 वर्ष तथा बहू कामिनी पत्नी अमित उम्र 25 वर्ष को गलत चाल चलन के कारण चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उन दोनों के किसी भी कृत्य से मेरा कोई लेना-देना नहीं होगा। वह दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे। - **नरेश पुत्र सिरदार वाल्मीकि, निवासी- मोहल्ला- सैय्यद वाड़ा, शाहाबाद जिला हरदोई**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैं राममिलन पुत्र जागेश्वर निवासी खेड़ासिलाजीत तहसील सरीला जनपद हमीरपुर, उ0प्र0। मैंने वर्ष 2010 में हाईस्कूल की परीक्षा अनुक्रमांक 1682161 से उत्तीर्ण की थी। मेरे अंक पत्र में पिता का नाम JAGESHWAR PRASAD अंकित है। JAGESHWAR PRASAD व JAGESHWAR दोनों नाम मेरे पिता के हैं। जो किसी अन्य के नहीं है।

सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र मुनव्वर व बहू नाजिया बानो को उनके गलत आचरण व व्यवहार से त्रस्त होकर, अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। अब दोनों का मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं है। **शफीकुन्निशा पत्नी इस्लाम अली निवासिनी-भांव, जिला- रायबरेली।**

सूचना

मैं SHAHABUDDIN पुत्र JALALUDDIN निवासी :-435/384, रज्जबगंज, नियर मस्जिद गढ़ी पीर खां, ठाकुगंज, लखनऊ - 226003, मैंने अपना नाम MOHAMMAD SHAHABUDDIN से बदलकर SHAHABUDDIN रख लिया हैं, आज से मुझे SHAHABUDDIN के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम तिवारी अंजली सतीश चन्द्र से बदलकर अंजली त्रिपाठी रख लिया है अब मुझे इसी नाम से जाना एवं समझा जाए। **अंजली त्रिपाठी पुत्री सतीश चन्द्र तिवारी ग्राम दहरौली बुजुर्ग, पोस्ट पिपरा कछार, जिला देवरिया।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं **स्निग्धा अवस्थी पुत्री राजेश अवस्थी, नि0-बावन बुजुर्ग बल्ला, तह0-महराजगंज, रायबरेली,** मेरे हाईस्कूल के अंकपत्र में मेरा नाम कु0 स्निग्धा अंकित है। जबकि मेरे समस्त शैक्षिक प्रमाण पत्र, आधार कार्ड पैन कार्ड व बैंक में स्निग्धा अवस्थी अंकित हैं। अतः मुझे स्निग्धा अवस्थी के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सूचित हो कि मैं अपने पुत्र राजेश कुमार पुत्र सत्यपाल सिंह व पुत्र-वधू रेशू देवी के आचरण चाल-चलन, व्यवहार एंव कर्ज देनदारी से परेशान होकर उक्त दोनो से सम्बन्ध विच्छेद कर उनको अपनी चल- अचल सम्पत्ति से सदैव के लिए बेदखल करता हूँ। उनके द्वारा किये गये किसी अच्छे, बुरे कार्यो व लेन-देन आदि से शपथी व उसके परिवार की कोई जिम्मेदारी नही होगी। **सत्यपाल सिंह पुत्र स्व0 मिहीलाल नि0 ग्राम तेन्दुआ परगना व थाना व ब्लाक मल्लावाँ तहसील बिलग्राम जिला हरदोई।**

सूचना

मैं JALALUDDIN पुत्र RAJJAK निवासी :-435/384, रज्जबगंज, नियर मस्जिद गढ़ी पीर खां, ठाकुगंज, लखनऊ - 226003, मैंने अपना नाम MOHAMMAD JALALUDDIN से बदलकर JALALUDDIN रख लिया हैं, आज से मुझे JALALUDDIN के नाम से ही जाना व पहचाना जाये।

सूचना

मेरे पांच पुत्र हैं। क्रमशः हुसैन खान, हसन खान, हामिद खान,हाशिम खान, उस्मान खान। जिसमें चार पुत्र हुसैन खान, हामिद खान,हाशिम खान,उस्मान खान मेरी देखरेख सेवा टहल करते हैं। जबकि पुत्र हसन खान का चाल चलन ठीक नहीं है। उसके खिलाफ थाने में आपराधिक मुकदमें भी दर्ज हैं। वह आये दिन मुझे, मेरी पत्नी व अन्य बच्चों को मारता पीटता रहता है। आपराधिक कार्य करने व परिवार को फंसाने की धमकी देता है। इसकी गलत हरकतों से परेशान होकर हसन खान को आज 16.04.2024 से अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। आज से मेरा व मेरे परिवार के अन्य लोगों का हसन खान से कोई वास्ता नहीं रहेगा। हसन खान किसी भी कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे। **जुनेद खान पुत्र शब्बीर खान, निवासी- पिण्डरा, प.त. व थाना- पट्टी, जिला - प्रतापगढ़, उ.प्र.।**

धर्म-कर्म | डीजे, ढोल-नगाड़ों की होगी धूम, घोड़ों के नृत्य के साथ झांकियां भी निकलेंगी

रामनवमी आज, कालपी में निकलेगी शोभायात्रा

संवाददाता कालपी

अमृत विचार। कालपी नगर में बुधवार को श्रीराम की विशाल एवं भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। कार्यक्रम को लेकर मंगलवार को तैयारियों को अंतिमरूप दिया गया। शोभायात्रा दोपहर 1 बजे से रामजानकी मंदिर से शुरू होगी, जो शाम 7 बजे पहुलाल मंदिर में पहुंचकर सम्पन्न होगी।

चैत्र नवरात्र की नवमी पर पांच दशकों से अधिक समय से निकल रही कालपी नगर में श्रीराम शोभायात्रा बुधवार दोपहर 1 बजे श्रीराम जानकी मन्दिर टरननगंज से श्रीराम जन्मोत्सव के उपरांत शुरू होगी। जो कि नगर में भ्रमण करते हुए शाम 7 बजे पहुलाल मंदिर में

समाप्त होगी। शोभायात्रा के लिए विश्व हिंदू परिषद सहित सभी हिंदूवादी संगठनों, मंदिर कमेटियों व नगर में धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहने वाले लोगों ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। विश्व हिंदू परिषद के दीपक शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा में श्री रामदरबार झांकी, बनवासी श्रीराम झांकी, श्री कृष्ण झांकी, शिव पार्वती नंदी की झांकी के अलावा आधा दर्जन विद्यालयों एवं मंदिरों की झांकियां शामिल होंगी। वहीं शोभायात्रा में 8 घोड़े रामधुन में नृत्य करेंगे व 8 डीजे वाहन सम्मिलित होंगे। इनमें बज रही रामधुन की तर्ज पर रामभक्तों का हुजूम एवं समूचा नगर राममय हो जाएगा।

इन मार्गों से गुजरेगी यात्रा, बंटेगा शर्बत

शोभायात्रा भीतर बाजार से खोया मंडी, टरननगंज से बिजली घर रोड, सर्विस रोड होते हुए अंडर पास से फूला देवी मंदिर रोड, आनन्दी देवी से मैहर रोड, फुल पॉवर से हिंदी भवन रोड, स्टेशन से बर्फ फैक्ट्री, कोतवालों रोड, दुर्गा मंदिर से एमएसवी अंडर पास से हरीगंज होते हुए शाम 7 बजे पाहूलाल मंदिर में समापन किया जाएगा। राम नवमी के लिए समूचे नगर को दुल्हन की तरह सजाया जाता है। दर्जनों विशाल तोरण द्वार बनाये गए हैं, हर गली हर चौराहे पर समाजसेवियों व धर्मानुरागियों के द्वारा फल, मेवा, मिष्ठान्न, ठंडा पानी, शर्बत वितरित किये जाएंगे वहीं नगरवासियों द्वारा जगह जगह पुष्पवर्षा कर श्रीराम शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। 10 हज़ार से अधिक की संख्या में रामभक्तों के शामिल होने की संभावना है।

यात्रा में शामिल होगी भोलेनाथ की झांकी

दर्जनों मनमोहक झांकियां, डीजे, ढोल नगाड़े, घोड़ों का नृत्य, बहुरूपियों के करतब, जिंदा सांपों के साथ प्रभु भोलेनाथ की झांकी के साथ विभिन्न आकर्षणों से सुसज्जित श्री राम की मनमोहक झांकियां शोभायात्रा में शामिल होंगी। कालपी धाम में पचास वर्ष से भी अधिक समय से चैत्र नवमी को शोभायात्रा निकलती आ रही है। नगर की श्रीराम शोभायात्रा जनपद की सबसे पुरानी और ऐतिहासिक यात्रा है।

भंडारे में प्रसाद लेते लोग। अमृत विचार

नवरात्रः भंडारे का प्रसाद खाने को उमड़े श्रद्धालु

कार्यालय संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार। हर वर्ष की भांति चैत्र नवरात्र की सप्तमी के दिन जिला अस्पताल गेट के बगल में पुलिस क्लब के पास दुकानदारों ने मातारानी का भंडारा आयोजित कराया। इसमें सुबह से लेकर देर शाम तक मां के हजारों भक्तों ने भंड़ारे में पहुंच कर मां का प्रसाद ग्रहण किया। भंड़ारे को आयोजित करने वाली कमेटी में प्रमुख रूप से जय मां काली हैडलूम, आगरा हैंडलूम, अग्रवाल हैंडलूम, सोनीपत हैंडलूम, मेरठ हैडलूम, दीक्षा गद्दा हाउस, महेंद्र कुमार मास्टर सहित अन्य दुकानदारों का माँ के भंड़ारे में सहयोग किया।बताते चले कि दुकानदारों की यह कमेटी प्रति वर्ष चैत्र की नवरात्रि में मां दुर्गा के भंड़ारे का आयोजन करती रहती है।

गुजरात में क्लीन स्वीप की हैट्रिक लगा सकती भाजपा

मनोज त्रिपाठी

अमृत विचार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृह राज्य गुजरात में पिछले दो लोकसभा चुनावों से भाजपा क्लीन स्वीप कर रही है। अबकी बार 400 पार का नारा लेकर चल रही भाजपा राज्य में लगातार तीसरी बार सभी 26 लोकसभा सीटें जीतकर क्लीन स्वीप जीत की हैट्रिक लगाने की राह तैयारी में जुटी है। गुजरात में लोकसभा चुनाव के लिए मतदान एक ही चरण में सात मई को होगा। कांग्रेस ने भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए इस बार के चुनाव में आम आदमी पार्टी से गठबंधन किया है। राज्य में कांग्रेस 24 और आप दो सीटों भरूच और भावनगर में चुनाव लड़ रही है।

गुजरात में पिछले दो लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सभी 26 सीटें जीती थीं। कांग्रेस के खाते में कोई भी सीट नहीं आई थी। भाजपा जहां फिर से सभी सीटें हथियाने के लिए जोरदार प्रचार अभियान चला रही है, वहीं राज्य में अपने सबसे बुरे दौर से गुजर रही कांग्रेस इस बार आम आदमी पार्टी के साथ मिलकर भाजपा की क्लीन स्वीप जीत की हैट्रिक रोकने के लिए दमखम लगा रही है। 2022 में गुजरात विधानसभा के चुनावों में भाजपा ने सबसे बड़ी जीत हासिसल की थी और 2017 के विधान सभा चुनाव में सत्ता के करीब पहुंची कांग्रेस को केवल 17 सीटों पर समेट दिया था। इसके बाद से 2024 के चुनावों में क्या कांग्रेस वापसी कर पाएगी ? इसे लेकर लगातार अटकलें लग रही हैं।

कांग्रेस को 40 फीसदी से अधिक वोट मिलने पर ही कुछ सीटें मिल सकती हैं

- हालांकि यह भी तथ्य है कि राज्य में जब भी कांग्रेस का वोट शेयर 40 फीसदी से ऊपर गया है, उसके हाथ कुछ सीटें जरूर लगी हैं। 2009, 2004 और 1999 के चुनावी आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं। 2009 में कांग्रेस को 11 सीटें मिली थीं और उसे 43 .38 फीसदी वोट हासिल हुए थे जबकि भाजपा को कांग्रेस से करीब तीन फीसदी ज्यादा वोट मिले थे और पार्टी को 15 सीटें मिली थीं। 2004 में भी कमोबेश यही स्थिति थी, भाजपा को तब 45 .02 फीसदी वोट के साथ 14 सीटें मिली थीं और कांग्रेस के हाथ में 43 .86 फीसदी वोट के साथ 12 सीटें आई थीं।

गुजरात
राज्य में भाजपा का जन समर्थन लगातार बढ़ रहा है, और कांग्रेस का जनाधार घट रहा है। भाजपा ने 2014 के लोकसभा चुनाव में 59 .05 फीसदी वोट प्राप्त किए थे, वहीं 2019 में यह आंकड़ा बढ़कर 62 .21 फीसदी पर पहुंच गया। इसके मुकाबले कांग्रेस क्रमशः 32 .86 और 32 .11 फीसदी ही वोट प्राप्त कर सकी थी। 2014 में भाजपा जहां कांग्रेस से वोट शेयर में करीब 27 फीसदी आगे थी, वहीं 2019 में उसकी बढ़त 30 फीसदी से ज्यादा थी।

पिछले चुनाव में कांग्रेस पर थी 30 फीसदी वोटों की बढ़त

32.86 प्रतिशत कांग्रेस को 2014 के चुनाव में मिले थे मत

32.11 प्रतिशत कांग्रेस को 2019 के चुनाव में मिले थे मत

59.05 भाजपा का 2014 लोकसभा चुनाव में था मत प्रतिशत

62.21 प्रतिशत भाजपा को 2019 के लोकसभा चुनाव में मिले मत

1.17 फीसदी 2014 लोस चुनाव में आप के थे मत

13.0 आप को 2022 के विस . चुनाव में मिले थे मत

आप पर विस चुनाव जैसे प्रदर्शन, कांग्रेस पर वोट शेयर बढ़ाने का दबाव

- कांग्रेस और आप नेताओं का कहना है कि विधानसभा चुनावों के आंकड़े अब इतिहास हैं। उनका तर्क है कि मतदाताओं की भावनाओं में बदलाव और एक नए गठबंधन के गठन के साथ दोनों दल लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ अपने एकीकृत मोर्चे के लिए अधिक संख्या में समर्थक जुटाने में सक्षम होंगे। अब यह तो समय ही बताएगा कि दोनों के गठबंधन को एक साथ कितना वोट शेयर मिलता है। लेकिन इतना तय है कि भाजपा को क्लीन स्वीप से रोकने के लिए लोकसभा चुनाव में जहां आम आदमी पार्टी को विधानसभा चुनाव जैसा प्रदर्शन करना होगा, वहीं कांग्रेस को भी सीटें हासिल करने के लिए अपना वोट प्रतिशत 40 के आसपास पहुंचाने के लिए जोर लगाना पड़ेगा, जो मौजूदा परिस्थितियों में आसान नहीं नजर आ रहा है। इसकी वजह यह है कि गुजरात में कांग्रेस अपने सबसे खराब दौर से गुजर रही है। कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अर्जुन मोढ़वाडिया, पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष अंबरीश डेर ने लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले पार्टी का साथ छोड़ दिया था, तो उससे पहले चार विधायक भी कांग्रेस से नाता तोड़ चुके थे। हाल ही में पार्टी प्रवक्ता रोहन गुप्ता ने भी कांग्रेस को अलविदा कह दिया है। इसके अलावा जिला और पंचायत स्तर पर भी सैकड़ों पदाधिकारी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो चुके हैं।

2014 और 2019 में भाजपा ने राज्य की सभी 26 लोकसभा सीटों पर हासिल की थी जीत

कांग्रेस ने किया है आम आदमी पार्टी से गठबंधन लेकिन वोट शेयर में दोनों दल काफी पीछे

विस चुनाव में कांग्रेस व आप को 40% तो भाजपा को 52% मत

- भाजपा अपने मजबूत गढ़ गुजरात में जमीनी स्तर पर लगातार अपनी पैठ मजबूत करने पर काम कर रही है। इसके लिए वह चुनाव का इंतजार नहीं करती। भाजपा संगठन हमेशा सक्रिय रहता है। वहीं कांग्रेस का जनाधार लगातार खिसकता जा रहा है। इसी के चलते वह चुनावी चुनौती में भाजपा का मुकाबला नहीं कर पा रही है। जमीनी हालत से वाकिफ कांग्रेस ने इस बार रणनीति बदली है। आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन कर उसे दो सीटें दी हैं। हालांकि 2014 के लोकसभा चुनाव में जब आप अकेले मैदान में उतरी थी तो उसे 1 .17 फीसदी वोट ही मिले ही थे, लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में आप को करीब 13 फीसदी वोट मिले थे। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 52 .50 प्रतिशत वोट मिले थे। इसके मुकाबले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और आप की साझा मतदाता हिस्सेदारी 40 .2 प्रतिशत थी।

मन में राम...तन में राम

जात-पात का इम्तिहान ले रहा चुनावी अध्यात्म

फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट
7.20 लाख ओबीसी मतदाता | **4.70** लाख दलित मतदाता
होंगे भाजपा को दिव्य और भव्य जीत दिलाने में निर्णायक

लल्लू सिंह को जीत की हैट्रिक का पूरा भरोसा, सपा विधायक अवधेश प्रसाद व बसपा के सच्चिदानंद पांडेय बन रहे रोड़ा

विवेक सक्सेना, अयोध्या

ऐसा माना जा रहा था कि भव्य, दिव्य और नव्य अयोध्या यानी फैजाबाद लोकसभा सीट से भाजपा इस बार अपने किसी दिग्गज को चुनाव के मैदान में उतार कर राम मंदिर के संदेश को रामराज्य का ऐसा जयघोष बनाएगी जिससे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की वह भावना बलवती होगी, जिसमें धार्मिक तथा जातीय आधार की कोई जगह नहीं होगी। लेकिन पार्टी ने इस तरह का कोई भी जोखिम उठाने के बजाए अपने मौजूदा सांसद लल्लू सिंह पर ही भरोसा जताना ठीक समझा। हालांकि भाजपा की संभावित रणनीति से निपटने के लिए समाजवादी पार्टी ने काफी पहले अपने बड़े दलित नेता अवधेश प्रसाद को फैजाबाद सीट से प्रत्याशी घोषित कर प्रचार भी शुरू करा दिया था। जिले की सोहावल और मिल्कीपुर विधानसभा से नौ बार चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद सपा से उसकी स्थापना के समय से जुड़े हैं। फैजाबाद और आसपास के क्षेत्र में उनकी अच्छी पकड़ है। वह मुलायम सिंह यादव के करीबी गिने जाते थे। भाजपा और सपा प्रत्याशियों के मुकाबले बसपा सुप्रीमो मायवती ने ब्राह्मण कार्ड खेलते हुए अंबेडकरनगर के भाजपा जिलाध्यक्ष रहे सच्चिदानंद पांडेय 'सचिन' को मैदान में उतारकर चुनावी लड़ाई रोचक बनाने का प्रयास किया है।

अमृत विचार : अयोध्या (फैजाबाद) लोकसभा सीट ने राम मंदिर बनने से पहले सियासत और आस्था के तमाम उतार-चढ़ाव देखे हैं। सरकारें बनती-बिगड़ती रहीं लेकिन अयोध्या नहीं बदली। हालांकि अब भव्य राम मंदिर के निर्माण और रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या जगमग हो उठी है। चारों ओर माहौल राममय है। हर रोज एक लाख दर्शनार्थियों का आगमन, नया रेलवे स्टेशन और एयरपोर्ट, चौड़ी और चमचमाती सड़कें। सरयू के सजे-संवरे घाट, होटलों की श्रृंखला, टाउनशिप का काम, पर्यटकों की सुविधा के हर इंतजाम, अयोध्या के विकास की नई कहानी सुना रहे हैं। लेकिन चुनाव हैं तो हर बात कसौटी पर कसी जाएगी। जाति-बिरादरी की भी बात आएगी। यही वजह है कि चौराहों और चौपालों पर होने वाली चुनावी चर्चा में राम मंदिर और विकास के साथ जाति, वर्ग और क्षेत्र सब कुछ मथा जा रहा है।

फैजाबाद सीट पर 1957 के चुनाव में स्वतंत्रता सेनानी कांग्रेस के राजाराम मिश्र जीते थे। इसके बाद चार चुनावों में कांग्रेस का ही कब्जा रहा। 1967 और 1971 में स्वतंत्रता सेनानी राम कृष्ण सिंहा कांग्रेस से दो बार चुनाव जीते। इमरजेंसी के बाद पहली बार यहां हवा का रुख बदला। जनता पार्टी के अनंतराम जायसवाल सांसद चुने गए। लेकिन 1980 में फिर कांग्रेस ने वापसी की। जय राम वर्मा सांसद चुने गए। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद हुए 1984 के चुनाव में कांग्रेस से निर्मल खत्री जीते। इसके बाद फिर समीकरण बदले और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के मित्रसेन यादव सांसद चुने गए।

विधान सभा चुनाव में चार सीटों पर खिला कमल एक पर दौड़ी थी साइकिल

- फैजाबाद लोकसभा सीट के तहत पांच विधानसभा सीटें आती हैं। इसमें दरियाबाद, रुदौली, मिल्कीपुर, बीकापुर और अयोध्या शामिल हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने चार सीटें जीती थीं। दरियाबाद से सतीश शर्मा, रुदौली से रामचंद्र यादव, बीकापुर से अमित सिंह चौहान और अयोध्या से वेद प्रकाश गुप्ता ने कमल खिलाया था, जबकि मिल्कीपुर सुरक्षित सीट से सपा के अवधेश प्रसाद विजयी हुए थे।

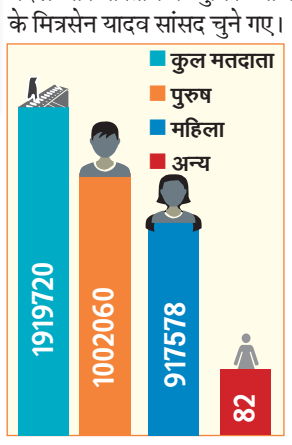

राम मय माहौल में भी जाति-बिरादरी का गुणा-गणित

- भाजपा की मानबिंदु फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर राम मंदिर की स्थापना के बाद बने माहौल में पार्टी और प्रत्याशी लल्लू सिंह को जीत की हैट्रिक का पूरा भरोसा है। इससे पहले यहां से 1991 और 1996 में लगातार दो बार भाजपा से विनय कटियार जीते थे। अब लल्लू सिंह भी पिछले दो चुनाव जीत चुके हैं। उधर, सपा को उम्मीद है कि दलित प्रत्याशी अवधेश प्रसाद पिछड़े और मुस्लिम वोट बैंक में दलितों को जोड़कर भाजपा का खेल खराब कर देंगे। जबकि बसपा ने भाजपा से आए सच्चिदानंद पांडे को इस प्रत्याशा में उतारा है कि वह ब्राह्मण-दलित वोट बैंक को एकजुट करके पार्टी की जीत का रास्ता बनाने का प्रयास करेंगे।

राम मंदिर आंदोलन में खुला भाजपा का खाता

- 1991 में राम मंदिर लहर में भाजपा ने यहां पहली जीत दर्ज की। फायर ब्रांड नेता विनय कटियार सांसद बने। 1996 के चुनाव में भी उन्होंने जीत दर्ज की। लेकिन 1998 में चुनाव सपा के टिकट से मित्रसेन यादव ने जीता। लेकिन 1999 में हुए चुनाव में फिर से विनय कटियार ने जीत हासिल की। मित्रसेन यादव 2004 में बसपा के टिकट पर चुनाव जीतकर सांसद बने, तो 2009 में कांग्रेस से निर्मल खत्री दोबारा जीते। इसके बाद 2014 की मोदी लहर में जीते भाजपा के लल्लू सिंह 2019 में भी यहां से सांसद बने।

सपा के पीडीए और बसपा के रणनीतिक कौशल की परीक्षा

- मंदिर और विकास के साथ यहां जीत के लिए जातीय समीकरण भी अहम हैं। हिंदू मतदाताओं में सबसे ज्यादा 7 .20 लाख ओबीसी हैं। इनमें सबसे बड़ी संख्या यादवों की है। इसके बाद कुर्मी, पाल आदि अन्य जातियां हैं। दलित मतदाताओं की संख्या 4 .70 लाख है, तो सामान्य वर्ग के मतदाता 5 .65 लाख गिने जाते हैं। ओबीसी वोटरों की संख्या सर्वाधिक और उनके बाद दलित मतदाता होने से माना जा रहा है कि यहांसपा के पीडीए और बसपा के ब्राह्मण प्रत्याशी उतारने के रणनीतिक कौशल की परीक्षा होगी।

2014 का जनादेश

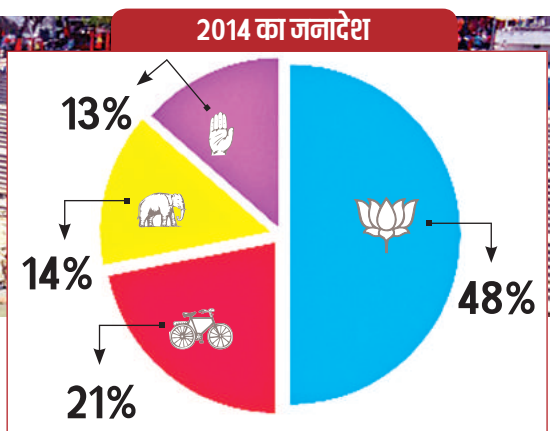

भाजपा	लल्लू सिंह	4,91,761	48 प्रतिशत
सपा	मित्रसेन यादव	2,08,986	21 प्रतिशत
बसपा	जितेंद्र कुमार	1,41,827	14 प्रतिशत
कांग्रेस	निर्मल खत्री	1,29,917	13 प्रतिशत

2019 का जनादेश

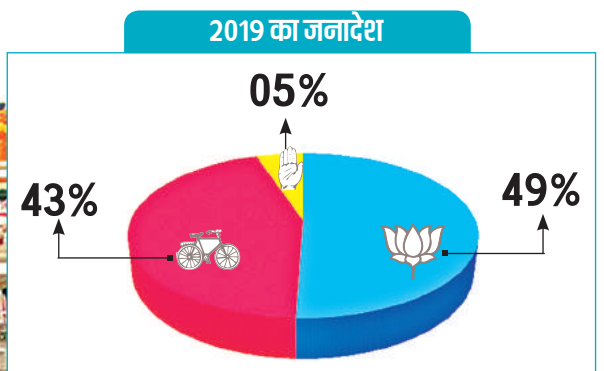

भाजपा	लल्लू सिंह	5,29,021
सपा	आनंद सेन	4,63,544
कांग्रेस	निर्मल खत्री	53,383

विरासत की जमीन पर हैट्रिक में शह-मात की सियासत

गजेन्द्र चौहान, कासगंज

राजवीर सिंह।

देवेश शाक्य।

मो. इरफान।

अमृत विचार : विपक्ष कहता है विरासत से तय नहीं होते सियासत के फैसले तो पक्ष कह रहा है कि सियासी जमीन तो हमने भी तैयार की है। कोई अपनी तैयार सियासी जमीन पर चुनाव जीतने का दावा कर रहा है तो पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की कर्मभूमि पर उनके पुत्र राजवीर विरासत की तैयार पिच पर सियासत की हैट्रिक मारने को आतुर दिख रहे हैं। यह हैट्रिक चुनौती पूर्ण होगी या आसान यह तो चुनाव परिणाम ही बताएगा, फिलहाल गली, गलियारों में विरासत की सियासत की चर्चा तेज है।

प्रदेश ही नहीं बल्कि देश भर में हिंदू हृदय सम्राट की पहचान रखने वाले पूर्व मुख्यमंत्री एवं राजस्थान के पूर्व राज्यपाल स्व. कल्याण सिंह के नाम से आज भी मतदाता प्रभावित हैं। कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह एटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद हैं। पिछले एक दशक से वे अपने पिता की कर्मभूमि में सांसद की जिम्मेदारी निभा रहे हैं। एटा लोकसभा सीट पर मतदाताओं ने सांसद तो कई बदले, पुराने सांसदों को भी बार-बार मौका दिया, लेकिन एक दशक पहले ऐसा मौका आया जब यहां की सियासत विरासत में तब्दील हो गई। पूर्व सीएम कल्याण सिंह के पुत्र 2014 के बाद 2019 में भी चुनाव जीत गए और इस बार हैट्रिक लगाने को तैयार हैं। इस सीट के मतदाताओं ने 17 चुनाव में कुल 8 सांसद चुने हैं। इनमें सबसे पहले सांसद बने रोहनलाल चतुर्वेदी को चार बार, महादीपक सिंह शाक्य को पांच बार मौका दिया। महादीपक सिंह शाक्य एक बार कासगंज लोकसभा सीट पर भी चुनाव जीते। लेकिन 2009 तक हुए चुनाव में एक भी सांसद ऐसा नहीं हुआ, जिसे यह पद विरासत के तौर पर मिला हो। सभी ने अपनी सियासी जमीन बनाने में कड़ी मेहनत की। 1989 में कांग्रेस से सलीम इकबाल शेरवानी चुनाव लड़े थे, जो भाजपा के महादीपक सिंह शाक्य से हार गए। 2009 में यहां निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ने चुनाव लड़ा। जिन्हें सपा ने समर्थन दिया था। वह आसानी से चुनाव जीत गए।

- तीसरी बार एटा लोकसभा क्षेत्र से सांसद बनने के लिए ताल ठोंक रहे राजवीर सिंह
- भाजपा प्रत्याशी को चुनौती देने के लिए सपा और बसपा ने बिछाई बिसात

उनके कार्यकाल के बाद यहां की विरासत संभालने का मौका उनके पुत्र राजवीर सिंह को मिला। भाजपा ने उन्हें टिकट दिया और वह सपा प्रत्याशी से बड़े अंतर से जीते। यह विरासत 2019 में भी कायम रही दोबारा उन्होंने सपा के देवेंद्र सिंह को हराया। 2024 में भी भाजपा ने राजवीर पर ही भरोसा जताया है और वह एटा सीट पर महादीपक सिंह शाक्य के बाद दूसरी हैट्रिक लगाने के लिए बेताब हैं। सपा ने यहां प्रत्याशी बदलकर भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए मैनपुरी के देवेश शाक्य पर दांव लगाया है। उधर, बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी मो. इरफान मैदान में उतारकर मुस्लिम कार्ड खेला है तो सपा पहले ही मुस्लिम को अपना वोट बैंक मानती है। इस बार शाक्य प्रत्याशी उतारकर उसने नया गणित तैयार किया है। सभी के अपने आंकड़े हैं। ऐसे में गुणा, गणित का दौर तेज हो गया है।

नृत्य कर लुभाया...

लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन को पूर्ण बहुमत दिलाने की कोशिश में लगातार प्रचार कर रहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने असम के जोरहाट में रैली की। इस दौरान उन्होंने एक कार्यक्रम में महिला मतदाताओं के साथ नृत्य कर उन्हें पार्टी से जोड़ने की भरपूर कोशिश की। प्रियंका के साथ कार्यकर्ता भी उत्साहित नजर आए।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

श्रुतं प्रज्ञानुगं यस्य प्रज्ञा चैव श्रुतानुगा।
असम्भिन्नार्यमर्याद: पण्डिताख्यां लभेत स:॥

जो व्यक्ति गंथों-शास्त्रों से विद्या ग्रहण कर उसी के अनुरूप अपनी बुद्धि को ढलता है और अपनी बुद्धि का प्रयोग उसी प्राप्त विद्या के अनुरूप ही करता है तथा जो सज्जन पुरुषों की मर्यादा का कभी उल्लंघन नहीं करता, वही ज्ञानी है।

संपादकीय

नक्सलवाद बड़ी चुनौती

छत्तीसगढ़ में नक्सली समस्या से निपटना बड़ी चुनौती बना हुआ है। वास्तव में नक्सली समस्या छत्तीसगढ़ जैसे एक राज्य की नहीं पूरे राष्ट्र की समस्या है। मंगलवार को छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित कांकेर जिले में मुठभेड़ में 18 नक्सली मारे गए। सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ में नक्सल कमांडर शंकर राव भी मारा गया है। उस पर 25 लाख का ईनाम था। पुलिस ने बताया कि छोटेबेठिया क्षेत्र में सीमा सुरक्षा बल और जिला रिजर्व गार्ड के एक संयुक्त दल को नक्सल विरोधी अभियान पर रवाना किया गया था। सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ ऐसे समय हुई है, जब तीन दिन के बाद वहा पहले चरण का मतदान होने वाला है। निश्चित रुप से सुरक्षाबलों के लिए यह बड़ी कामयाबी है। भारत के 12 राज्यों के 220 जिलों में नक्सली फैल चुके है। संपूर्ण भौगोलिक क्षेत्र का 40 प्रतिशत क्षेत्र नक्सली ग्रसित है अर्थात 92 हजार वर्ग किलोमीटर। वहीं छत्तीसगढ़ नक्सली समस्या के शिकंजे में कसता जा रहा है। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की शुरूआत समीपवर्ती राज्य आंध्रप्रदेश की सीमा से लगे बस्तर से हुई है। छत्तीसगढ़ के संदर्भ में ऐतिहासिक अवधारणा यह है कि नक्सली समस्या उन क्षेत्रों में पनप रही है जहां आर्थिक असमानता, सामाजिक भेदभाव और राजनीतिक पिछड़ापन है।

यह बात सत्य है कि छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित सभी जिले इसी श्रेणी में है। साथ ही नक्सली समस्या पनपने में कहीं न कहीं दोष प्रशासनिक असमानताओं का भी है। यह दोष एवं असमानताएं राजनैतिक प्राशासनिक सामाजिक कुछ भी हो सकता है। देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुके नक्सलवाद से निपटने की रणनीति को अमल में लाते-लाते देश और प्रदेश की सरकारें सही पर सफल क्रियान्वयन चाहती हैं। मगर किस तरह से नक्सली समस्या को समाप्त किया जा सकेगा इसका दावा करना मुश्किल है। सवाल उठ हैं कि आखिर छत्तीसगढ़ में नक्सल ऑपरेशन की क्या स्थिति है। सरकार कह रही है कि नक्सली बैकफुट पर हैं। आखिर इसमें कितनी सच्चाई है। इसके अलावा नक्सलियों के खिलाफ बनाई गई रणनीति कारगर है या फिर इसमें बदलाव की जरूरत है। देश की सभी प्रांतों की सरकार संयुक्त प्रयास से नक्सलियों को जड़ से समाप्त करने में अपनी शक्ति लगाएं। शिक्षा का, प्रसार स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, सड़कों का निर्माण जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की पूर्ति करना आवश्यक है। इन सब गतिविधियों के संचालन में प्रत्येक प्रांत के सरकार अपनी राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता भुलाकर सार्थक प्रयास करें।

आज के संदर्भ में सबके राम का संदेश

डॉ. चन्द्रविजय चतुर्वेदी
प्रयागराज

संत रविदास जन्मजात ब्रह्मज्ञानी थे परन्तु अपने गुरु रामानंद की यात्राओं में साथ रहने पर सत्संग करते रहने पर वे शास्त्र ज्ञान से भी परिपूर्ण हो गए थे। झाली रानी रतन कुअंरि तथा मीराबाई संत रविदास के शिष्यों में प्रमुख थे। संत रविदास की रामभक्ति से वर्णाश्रम व्यवस्था की नीव हिल गई थी।

कबीर को केवल राम से आशा है -कबीर आसा करिये राम की अबरै आस निराश। कबीर अपने सिद्धांतों के मान्यताओं के प्रबल अनुयायी थे। मरण के पूर्व मगहर यह कह कर गए-जो काशी तन तजै कबीरा, रामहि कौन निहोरा। कबीर के राम दशरथ नंदन अयोध्यापति न होकर परमब्रह्म परमेश्वर थे जिन्हें कबीर विश्वधर्म, मानवधर्म के प्रवर्तक के रूप में देखते हैं।

वाल्मीकि ने राम का जो आख्यान वाल्मीकि रामायण में प्रस्तुत किया वह भारत की हर भाषा में काव्य का रोचक कथावस्तु बनता गया। इक्ष्वाकुवंश में उत्पन्न हुए एक ऐसे पुरुष हैं, जो लोगों में रामनाम से विख्यात हैं, वे ही मन को वश में रखने वाले महाबलवान, कांतिवान, धैर्यवान और जितेन्द्रिय हैं। ऐसे राम की कथा महाभारत के वनपर्व, द्रोणपर्व, शांतिपर्व में है। बौद्ध साहित्य में भी तीन जातकों-दशरथ जातक, अनामक जातक तथा सम्बुला जातक में भी रामकथा का उल्लेख है। जैन साहित्य में विमलसूरि कृत पउमचरियम-प्राकृत, आचार्य रविषेण कृत पदमपुराण-संस्कृत, पउम चरिउ -अपभ्रंश में रामकथा वर्णित है जिसमे राम का मूल नाम-पद्म है। संस्कृत साहित्य मे कालिदास, भास, भवभूति, राजशेखर आदि ने अपने महाकव्यों में राम को नायक बनाया। पुराणों में विष्णु पुराण, हरिवंश पुराण, भागवत पुराण, ब्रह्मपुराण ब्रह्मवैवर्त पुराण, अग्निपुराण, तथा पद्मपुराण में विस्तार से रामकथा का चित्रण है।

हिंदी में तुलसी के रामचरित मानस लिखे जाने के पूर्व ही तमिल में कम्ब रामायण, तेलगु में रंगनाथ रामायण, मलयालम में रामचरित्र कन्नड़ में तोरवे रामायण, असामी में असमिया रामायण, बंगला में कृत्तिवास रामायण, उड़िया में सारलादास तथा बलरामदास के दो रामायण की रचना हो चुकी थी। मराठी और गुजराती में अनेक रामकथाओं के काव्यों का प्रणयन हुआ। आदिम प्रजातियों तथा विभिन्न प्रांतों के लोकगीतों में रामकथा जन जन में गूंजती रही है।

विदेशों में तिब्बती रामायण, पूर्वी तुर्किस्तान की खोतानी रामायण, इंडोनेशिया की ककबिन रामायण के साथ साथ जावा, सूरीनाम, मम्यार और थाईलैंड के रामायण में अपनी-अपनी तरह से रामकथा का वर्णन है।

गीता के रामः शस्त्रभृतामहम-अर्थात शस्त्र धारण कर्ताओं में मैं राम हूं तथा वाल्मीकि रामायण के आदर्श मानव राम जो सदाचरण और पुण्य के प्रतीक हैं, जो रावण जैसे दुष्ट और पाप के प्रतीक का विनाश करते हैं। राम जो उद्धारक हैं शनैः शनैः अलौकिकता की ओर बढ़ते हैं। शतपथ ब्राह्मण से अवतारवाद की अवधारणा उद्धृत होती है। पौराणिक युग में विष्णु का महत्व बढ़ने लगा। त्रिदेवों में विष्णु सृष्टि के पालनकर्ता हैं, ब्रह्मा और शिव के भी वंदनीय हैं। राम को विष्णु के अवतार के रूप में प्रतिष्ठित किया गया।

उत्तर वैदिक काल में ब्राह्मण धर्म के जटिल कर्मकांड और यज्ञ्व्यवस्था के विरुद्ध प्रतिक्रिया स्वरूप सुधारात्मक रूप में जब भागवत धर्म का उदय हुआ तो भागवतों के इष्ट कृष्ण थे। राधाकृष्ण के प्रेमतत्व तथा धर्म संस्थापक के रूप में कृष्ण को चरम लोकप्रियता प्राप्त हुई। पांचवीं शताब्दी के आसपास दक्षिण भारत के आलवार संतों ने विष्णु आराधना और विष्णु के विभिन्न अवतारों के प्रति असीम भक्ति भावना प्रसारित किया। आलवार संतों के अंतःकरण और चरित्र दैवीय गुणों से ऐसे आलोकित थे की उन्होंने श्रीहरि विष्णु की भक्ति के माध्यम से समाज के वर्णगत और धनगत विषमता को दूर किया। इनके बारह संतों गुरुवों की ऐसी ख्याति हुई की कालांतर में मंदिरों में विष्णु के साथ उनकी भी प्रतिमाएं लगाकर विष्णु के साथ उनकी पूजा का भी विधान किया गया।

आलवार संतों की ही परंपरा के रामानुजाचार्य -1016-1137 ने राम के सगुण भक्ति और अवतारवाद को विकसित किया। रामानुज संप्रदाय के अंतर्गत रामभक्ति और रामोपासना विषयक सहिंताएं और उपनिषदों की रचना हुई। ईस्वी सन की पहली शताब्दी में राम, विष्णु के अवतार के रूप में प्रतिष्ठित हुए उसके एक हजार साल बाद देश में रामोपासना को महत्व मिला जिसमें सर्वाधिक योगदान दक्षिण भारत की संस्कृति का है।

उत्तर भारत में राम भक्ति को लोकप्रियता प्रदान करने का कार्य रामानुज संप्रदाय के ही रामानंद-1356-1470 ने किया। रामानंद दक्षिण में जन्मे की प्रयाग या काशी में इससे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि रामानंद के अध्यात्म रामायण का राम के ब्रह्मत्व की स्थापना में बड़ा योगदान है। रामानंद ने राम को प्रकृति से परे परमात्मा, अनादि, आनंदघन, अद्वितीय पुरुषोत्तम के रूप में स्थापित किया।

चौदहवीं-पंद्रहवीं शताब्दी तक उत्तर भारत में रामानुज मत का कोई व्यापक प्रचार नहीं था। रामानंद यद्यपि रामानुज संप्रदाय के ही थे। परन्तु स्वच्छंद और स्वतन्त्र विचार के संत होने के कारण उनके गुरु राघवानंद ने रामानंद को पृथक संप्रदाय बना लेने का निर्देश दिया। फलतः रामानंद ने वैरागी संप्रदाय-रामावत संप्रदाय की स्थापना की-चार बरन आश्रम सबहि को भक्ति दृढ़ाई। इस वैरागी संप्रदाय से निर्गुण और सगुण रामोपासना की दो धाराएं निकली। एक धारा में कबीर, रैदास-रविदास, पीपा, धना, सेन आदि थे तो दूसरे सगुण धारा में अनंतदास, तुलसीदास हुए। भक्ति द्रविण उपजी लाये रामानंद, प्रकट करी कबीर ने सात द्वीप नवखंड। भक्ति संप्रदाय के रामानंद के साधुओं की टोली पूरे देश में-जाति पांति पूछे नहि कोई हरी को भजे सो हरी का होइ - का उद्घोष करते हुए रामोपासना का अलख जगाते रहे और रामनाम के महामंत्र को गांव गांव, घर घर पहुंचा दिया।

रामानंद के प्रखर शिष्य कबीर का मूलमंत्र रहा-राम मा दोइ आखर सारा, कहै कबीर तिहुंलोक पियारा-जिन्होंने रामनाम को वेदमंत्र से अधिक महत्त्व दिया-तू ब्राह्मन मैं काशी का जुलाहा मोहि तोहि बराबरी कैसे की बनहि/ हमरे राम नाम कहि उबरे वेद भरोसे पांडे डूब मरहि।

कबीर को केवल राम से आशा है-कबीर आसा करिये राम की अबरै आस निराश। कबीर अपने सिद्धांतों के मान्यताओं के प्रबल अनुयायी थे। मरण के पूर्व मगहर यह कह कर गए-जो काशी तन तजै कबीरा, रामहि कौन निहोरा। कबीर के राम दशरथ नंदन अयोध्यापति न होकर परमब्रह्म परमेश्वर थे जिन्हें कबीर विश्वधर्म, मानवधर्म के प्रवर्तक के रूप में देखते हैं।

सिखों के अतिपावन ग्रंथ आदिग्रंथ में गुरु रामदास ने संत रविदास का यशोगान करते हुए कहा है-रविदास चमार उस्तति करै हरि कीरति निमिष इक गाई/ पतित जाति उत्तम भया चारि बरन पये पगि आई।

अर्थात पतित चमार जाति में जन्म लेकर संत रविदास ने हरि की महिमा का ऐसा गान किया की वे श्रेष्ठ पुरुष बन गए और चारों वर्णों के लोग उमके पांव पड़ने लगे।

संत रविदास जन्मजात ब्रह्मज्ञानी थे परन्तु अपने गुरु रामानंद की यात्राओं में साथ रहने पर सत्संग करते रहने पर वे शास्त्र ज्ञान से भी परिपूर्ण हो गए थे। झाली रानी रतन कुअंरि तथा मीराबाई संत रविदास के शिष्यों में प्रमुख थे। संत रविदास की रामभक्ति से वर्णाश्रम व्यवस्था की नीव हिल गई थी। वेद -विद्वान् ,वेदांग निष्णात ब्राह्मण इस दलित संत को दंडवत करने लगे थे।

मोसों सकुचत छुई सब छाहून-मैं इतना बड़ा अछूत हूं की मेरी छाया तक छूने में लोग संकोच करते हैं ऐसा तुलसी रामनाम की महिमा से सुखी हुआ-कहा न कियो कहां न गयो सीस काहि न नायो/ राम रावरो बिन भये जन जनमि जनमि जग दुःख दशहु दिसि पायो।

अपने-अपने सब के राम का आज के संदर्भ में यही संदेश है कि-सबसों सनेह सबहि को सन्मानिये। राम वह तत्व है जो सबसे स्नेह करता है-ईष्या द्वेष का कारण नहीं बनता। रामराज का यही उद्देश्य था- सब नर करहिं परस्पर प्रीति चलहिं स्वधर्म निरत श्रुतिनीति। सभी प्राणियों में प्रेम रहे और सब ऋत -ब्रह्मांडीय नियमों के अनुसार अपने कर्तव्य का पालन करते रहें यही रामराज है यही ईश्वरीय सत्ता है। अंत में-जड़ चेतन जग जीव जत सकल राममय जानि/ बंदउ सब के पदकमल सदा जोरि जुग पानि।

प्रसंगवश

पतन का मूल कारण

डॉ सुधांशु के. मिश्रा
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

जिस संस्कृति में बाहरी दुनियां और उसमें अच्छा करने के बारे में हीन भावना फैलाई जाती रही हो और तथाकथित अध्यात्म विद्या का बेतरीका महिमा मंडन होता रहा हो, वह संस्कृति पतन का स्वागत करती है। यही भारत के पतन का मूल कारण है। शरीर का होना अध्यात्म चिंतन के लिए भी आवश्यक है। शरीर से मुक्त आत्मा अध्यात्म विद्या में कोई रुचि नहीं लेता। और शरीर का होना रोटी मांगता है। यह शंकराचार्य के लिए भी सही है और बुद्ध के लिए भी। भौतिक जीवन में अत्यधिक रति और अध्यात्मिक जीवन की उपेक्षा जितनी निंदनीय है, उतनी ही निंदनीय है। भौतिक जीवन की उपेक्षा और अध्यात्मिक जीवन की प्रतिष्ठा। अति दोनों जगहों पर निंदनीय है।

विज्ञान हमें बताता है कि अल्प मात्रा में सभी ड्रग किसी न किसी बीमारी की दवा हैं। यह तंबाकू, अफीम, धतूरा से लेकर रेडिएशन्स तक सही है। लेकिन वही ड्रग अधिक मात्रा में विष हैं, मारक हैं। उसी तरह सीमा से अधिक भक्ति और अध्यात्म जहर का काम करते हैं और सीमा से अधिक भोग भी, भौतिकता भी। आचार्यों एवं उपदेशकों का कर्तव्य है कि वे इस सीमा का निर्धारण करें और तदनुसार प्रवचन करें।

हमारे उपदेशक बहुधा अनजाने में पाखंडवाद सिखलाते हैं। श्रोता जब विरक्ति, भक्ति, माया, इत्यादि पर अनर्गल प्रलाप सुन कर घर लौटता है तो वह पाता है कि जीने के लिए उपदेशों से हट कर चलना आवश्यक है। इस तरह वह दोहरी जिंदगी जीने के लिए विवश हो जाता है। उसके मुंह में राम और बगल में छुरी रहने लगती है। यह दोहरा जीवन सामाजिक पूंजी के क्षरण का कारण होता है।

अति भक्ति चोरों का लक्षण बन जाती है। हमारा चारित्रिक पतन अति आदर्शवाद के चलते हुआ है। इसमें बाबा लोगों का बहुत बड़ा रोल है। अधिकतर बाबा त्याग और संयम का उपदेश देकर अरबपति बन जाते हैं और कुछ जेल तक चले जाते हैं। इसीलिए, जब कोई आदमी अध्यात्म की बातें करने लगता है तो मैं सावधान हो जाता हूं। मेरा व्यक्तिगत विचार है कि आए दिन होने वाले प्रवचन सुनने और पतुरिया का नाच देखने में ज्यादा फर्क नहीं है। बाबा और पतुरिया दोनों ही भाड़े पर आते हैं, गायक वादकों के साथ।

हेपेटाइटिस की बढ़ती चुनौतियां और खतरे

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी
अंबेडकरनगर

सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम पटरी पर लाया जा सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रपट में भारत में हेपेटाइटिस की चुनौतियों और खतरों का उल्लेख है। हेपेटाइटिस शब्द यकृत की किसी भी सूजन को संदर्भित करता है- किसी भी कारण से लीवर कोशिकाओं में होने वाली जलन या सूजन। यह तीव्र भी हो सकता है। लीवर की सूजन छह महीने से अधिक समय तक भी रहती है, लेकिन अनिवार्य रूप से इसका कोई लक्षण नहीं दिखाई देता है। आमतौर पर यह ए,बी,सी,डी, और ई सहित हेपेटोट्रोपिक वायरस के एक समूह के कारण होता है। अन्य वायरस भी इसका कारण हो सकते हैं, जैसे कि वैरिकाला वायरस जो चिकन पॉक्स का कारण बनता है।

डब्ल्यूएचओ की रपट के मुताबिक लीवर से जुड़ी यह बीमारी घातक भी साबित हो सकती है और बाद में कैंसर का रूप भी धारण कर सकती है। हेपेटाइटिस बी और सी को लेकर भारत में जागृति बहुत कम है, क्योंकि इनके लक्षण ही पेचीदा हैं। चूंकि यह भी वायरल संक्रमण की बीमारी है, लिहाजा डॉक्टर भी लक्षणों का अध्ययन करते समय गलत निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं।

भारत में हेपेटाइटिस बी के करीब तीन करोड़ संक्रमित मरीज हैं, जबकि हेपेटाइटिस सी के 50 लाख से अधिक लोग बीमार हैं। लीवर की सूजन और संक्रमण के साथ इन बीमारियों का बोझ उठाने वाला भारत विश्व में ऐसा दूसरा देश है। वह दिन दूर नहीं, जब विश्व में सर्वाधिक हेपेटाइटिस संक्रमण भारत में होगा। भारत में ही 2022 में हेपेटाइटिस ने एक लाख से अधिक जिंदगियां छीन ली थीं। चिंताजनक पक्ष यह है कि बहुत कम संक्रमित लोगों के लक्षण स्पष्ट हो पाते हैं, लिहाजा वे निदान और इलाज के दायरे में नहीं आ पाते।

हेपेटाइटिस सी के 30 फीसदी से कम मामलों की पहचान हो पाती है, लिहाजा लीवर का यह संक्रमण ज्यादा घातक, यहां तक कि जानलेवा, साबित हो सकता है। हेपेटाइटिस बी के आंकड़े मात्र 3 फीसदी ही बताए जाते हैं। नेशनल वायरल हेपेटाइटिस कंट्रोल प्रोग्राम का लक्ष्य 2030 तक भारत को हेपेटाइटिस सी से मुक्त कराना है। हेपेटाइटिस बी से जुड़ी रुग्णता, मृत्यु-संख्या और मृत्यु-दर को भी 2030 तक ही काफी कम करना है। इसे लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन और भारत सरकार काफी आशान्वित हैं कि यदि 2024 और 2026 के बीच स्थितियों में सुधार लाया जाए, तो हेपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम पटरी पर लाया जा सकता है। भारत में हेपेटाइटिस बी संक्रमण मामलों का अभी तक जो विश्लेषण किए गए हैं, उनमें संक्रमण मां से शिशु की ओर गया है। टीकाकरण से भी इस बीमारी और संक्रमण के विस्तार को रोका जा सकता है। भारत में टीकाकरण भी काफी अनियमित है और शिशु के जन्म लेने के तुरंत बाद जो टीकाकरण किया जाना चाहिए, उसके प्रति अशिक्षित और अज्ञानी जमात गंभीर नहीं है, लिहाजा शिशु की इम्युनिटी प्रभावित होती है। भारत में 50 फीसदी से कम शिशुओं को सभी आवश्यक टीके समयानुसार दिए जाते हैं। बहरहाल हेपेटाइटिस सी का इलाज अपेक्षाकृत आसान और संभव है। एंटी-वायरल बीमारी का इलाज कर सकते हैं और दीर्घकाल में लीवर को क्षतिग्रस्त होने से बचाया जा सकता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में हेपेटाइटिस का उपलब्ध इलाज दुनिया में सबसे सस्ता है। करीब 70 फीसदी मरीज निदान और इलाज नेटवर्क से दूर भागते रहते हैं और प्राथमिक चिकित्सा को दोष देते रहते हैं।

हेपेटाइटिस बी को भारत के सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत शामिल किया गया है। जो हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा टाइप बी, खसरा, रूबेला, जापानी इंसेफेलाइटिस, रोटावायरस डायरिया के कारण ग्यारह (हेपेटाइटिस बी को छोड़कर) वैक्सीन-रोकथाम योग्य बीमारियों यानी तपेदिक, डिप्थीरिया, पर्टुसिस, टेटनस, पोलियो, निमोनिया और मेनिनजाइटिस के खिलाफ मुफ्त टीकाकरण प्रदान करता है। बांग्लादेश, भूटान, नेपाल और थाईलैंड विश्व स्वास्थ्य संगठन के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्र में हेपेटाइटिस बी को सफलतापूर्वक नियंत्रित करने वाले पहले चार देश बन गए हैं।

बात ताजा रपट की कि जाए तो चूंकि यह चेतावनी विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से आई है, लिहाजा सरकारों के स्तर पर इस संक्रमण को संबोधित किया जाना चाहिए। बेशक हेपेटाइटिस हो अथवा टीबी हो, इन संक्रामक बीमारियों को लेकर जरा-सी भी कोताही नहीं बरतनी चाहिए। कोरोना काल के दौरान जिस तरह सजगता के साथ काम किया गया, उसी पैटर्न पर काम करने की जरूरत है।

सोशल फोरम

दि ग्रेट डिक्टेटर

वीर विनोद छावड़ा
वरिष्ठ लेखक, लखनऊ

दुनिया के महान कॉमेडियन-फिलॉस्फर चार्ली चैपलिन ने यूं तो कई फिल्में बनाईं लेकिन 'दि ग्रेट डिक्टेटर' चार्ली चैपलिन की सबसे कामयाब, उद्देश्यपूर्ण और चर्चित फिल्म है। यह चैपलिन की पहली बोलती फिल्म भी रही। हालांकि इसका एक अच्छा हिस्सा ज़रूरत के मुताबिक़ साइलेंट है, चैपलिन की पिछली फिल्मों की तरह। 1940 में रिलीज़ हुई 'दि ग्रेट डिक्टेटर' चैपलिन ने उस दौर के एक वीभत्स सोच के जर्मन नस्लवादी और खब्ती किस्म के इंसान हिटलर का मखौल उड़ाने की गरज से बनाई थी, जिसके सनकपन ने दुनिया को दूसरे विश्वयुद्ध में धकेला था। लेकिन चैपलिन को कई तरह के खतरे भी थे। ऐसा न हो बजाय हिटलर का मज़ाक उड़ने की जगह वो और उनकी फिल्म ही हंसी की सामग्री बन जाए। और मुमकिन है कि नाजी सोच के लोग उनको दुनिया से उड़ा दें। इसीलिए रिलीज से पहले उन्होंने एक लंबा रिसर्च भी कराया। अपने दोस्तों से सलाह ली। कई ने मना किया कि बहुत बड़ा रिस्क है। हो सकता है कि कई देशों में ये प्रतिबंधित हो जाए। नाज़ियों के समर्थकों और विरोधियों के बीच भीषण दंगे भी हो सकते हैं। युद्ध की विभीषिका झेल रहा यूरोप ज्यादा बड़े संकट में भी आ सकता है। यह भी संभव है कि इस युद्ध में नाज़ियों की जीत हो और नतीजतन चैपलिन को बीच चौराहे सूली पर लटका दिया जाए।

मगर चार्ली चैपलिन ने अपने मित्र डगलस फेयरबैंक्स की सलाह पर फैसला किया कि दुनिया के महाखलनायक का मुकाबला उसी की शक्ल का दुनिया का महाविदूषक चार्ली चैपलिन करेगा। ऐसा करना उनका फर्ज है और मानवता व सच की सेवा भी। जान जाती है तो जाए। जब 'दि ग्रेट डिक्टेटर' रिलीज़ हुई तो सचमुच हंगामा हो गया, सुपर हिट हुई। मगर हिटलर की नाजी सोच के समर्थकों के डर से दक्षिण अमरीका के कई देशों में प्रतिबंधित हुई। यूरोप में भी इसके विरुद्ध प्रदर्शन हुए। कई जगह से फिल्म उतार ली गई। इंग्लैंड ने शुरू में विरोध के दृष्टिगत इसकी रिलीज़ रोकने का फैसला किया। लेकिन कुछ अफसरों ने फिल्म देख कर सरकार को मशविरा दिया कि नाज़ियों के विरुद्ध प्रोपेगंडा के लिए ये फिल्म मज़बूत हथियार है।

-फेसबुक वॉल से

राम अवतार भी हैं और ब्रह्म का पर्याय भी

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

मानव सभ्यता का सबसे पहला ग्रंथ ॠग्वेद है, जिसमें राम का नाम आया है। इस नाम का धर्मात्मा और प्रतापी राजा हुआ है। सीता को असुर संहारिणी देवी के रूप में स्मृत किया गया है।

बहु प्रचलित लोक मान्यता के अनुसार राम अयोध्या के राजा दशरथ के पुत्र थे, जिनका जन्म त्रेता युग के अंत में चैत्र शुक्ल नवमी को कौशल्या की कुक्षि से हुआ और उनकी कथा बहु श्रुत है। वैसे इस शब्द का अर्थ और नाम, रूप, विग्रह अनेक हैं। गोस्वामी तुलसीदास ने भी 'रामचरितमानस' में साफ कहा है, 'नाना भांति राम अवतारा। रामायण सत कोटि अपारा'। संत कबीर भी कहते हैं, 'दसरथ सुत तिहुं लोक बखाना। राम नाम कर मरमु है आना'। सामान्यतया राम को इसी चतुर्युगी के त्रेता के अंत में जन्मा माना जाता है। संप्रति वैवस्वत मन्वंतर की 27 वीं चतुर्युगी चल रही है, किंतु हरिवंश पुराण के अनुसार राम 24 वीं चतुर्युगी के त्रेता में हुए। दशावतारों का उल्लेख करने वाले श्लोक में तीन अवतारों को राम कहा गया है, जो हैं परशुराम, राम और बलराम। 'वनजौ वनजौ खर्वः त्रिरामो सकृपोऽकृपः। अवतारादशैवेते कृष्णस्तु भगवान् स्वयम्'। राम के इस 27 वें त्रेता वाले अवतार की कथा वाल्मीकि ने 24 हजार श्लोकों में लिखी, जो सर्वाधिक मान्य है, क्योंकि वे राम के समकालीन थे, जैसा कि इस रामायण के शुरुआती श्लोकों से हो स्पष्ट हो जाता है। इन्हें आदि कवि कहा गया और ज्यादातर यह पहली रामकथा की मान्यता लिए है। वैसे 'दशरथ जातक' इसके पहले की रचना है, जिसमें राम की कथा विद्यमान है।

मानव सभ्यता का सबसे पहला ग्रंथ ॠग्वेद है, जिसमें राम का नाम आया है। इस नाम का धर्मात्मा और प्रतापी राजा हुआ है। सीता को असुर संहारिणी देवी के रूप में स्मृत किया गया है, जिसके नयनोन्मीलन, निमीलन से सृष्टि का सृजन संहार होता है। वेद से पहले भला कौन ग्रंथ था? यानी यह तो त्रेता के पहले की ॠचाएं हैं, भगवान विष्णु की श्वास से निःसृत हुईं और शून्य में व्याप्त हो गईं, जिन्हें ॠषियों ने देखा और संग्रह किया। इसीलिए वे मंत्र द्रष्टा कहलाए और वेद संहिताएं कही गईं। वेदांत ग्रंथ उननिषदों में अलग 'रामोपनिषद्' और 'सीतोपनषद्' हैं। वाल्मीकि के ही एक अन्य संकलन 'योग बासिष्ठ' में रामों की संख्या 73 कही गई है। एक कथा के अनुसार हनुमान जी जब मुद्रिका लिए सीतान्वेषण में तत्पर थे, तो उन्हें प्यास लगी। एक ॠषि आश्रम में वे अंजुली से जल पीने लगे और उसके पहले वह मुद्रिका उनके कमंडलु में डाल दी। जल पीकर जब वे उन्होंने मुद्रिका उठानी चाही, तो उसमें तमाम वैसी ही मुद्रिकाएं दिखाई दीं। चकित हनुमान ने जब ॠषि से पृच्छा की, तो उन्होंने कहा युग युग में आप इसी हेतु आते रहे हैं और ये सब राम मुद्रिकायें ही हैं, जिन्हें आपने जल पीते सभय इसमें रक्खा था। धार्मिक मामलों में तर्क नहीं चलता है। कहते हैं 'मजहब में अकल का दखल नहीं है'। बस इससे राम और उनकी कथाओं की अनन्तता का भान होता है।

दरअसल राम अवतार भी हैं और ब्रह्म का पर्याय भी, जो सबमें रमा है या रमण करता है। यह एक मंत्र है, जिसका जप ॐ के समान परिणाम देने वाला है, जो सृष्टि सृजन के समय हुए 'स्फोट' का स्वर है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त भी उन्हें सबमें रमा हुआ बताते हैं फिर भी अयोध्या पंचवटी आदि में उनका विशेष वास कहा है। कबीरदास ने 'रमैया की दुलहिन लूटा बजार' कहकर राम को ब्रह्म माना है; तभी तो ब्रह्म की माया को 'राम की दुलहिन' बताया है। उनका सम्यक् ज्ञान हो जाने से तो व्यक्ति 'पूर्ण' होकर उनमें समाहित ही हो जायगा, जिसे तुलसी ने 'जानत तुम्हइ तुम्हइ होइ जाई' कहा है। राम वह परब्रह्म है, जो कुतत्वों के निराकरण हेतु 'सम्भवामि युगे युगे' होते हैं, जिनके नाम रूप असंख्य और वर्णनातीत हैं।

बात करना शायद एक लुप्त होती कला

संजय वर्मा
इंदौर

शायद हम सब बात करना भूल गए हैं। अकेलेपन की शिकायत तो करते हैं पर कोई मिले तो आप कैसे हैं से शुरू हो कर कभी घर आईए तक एक दो मिनट में बात खत्म हो जाती है। बातों की डोर के बगैर रिश्ते जुड़े कैसे? बात करना शायद एक लुप्त होती कला है। मैं जिस तरह के लोगों के बीच उठता बैठता हूं वे बहुत पढ़े-लिखे और कामयाब लोग हैं। मगर डिग्रियों और कामयाबी की चिंता में हम सबने अपने सामाजिक हुनर खो दिए हैं। हमारा आईक्यू भले ही ज्यादा हो, मगर सामाजिक बुद्धिमत्ता बहुत कम हो गई है। कभी लगता है समर कैंप में हॉबी क्लासेज में एक क्लास बात कैसे करें पर भी होनी चाहिए।

बात करना सूचनाओं का आदान प्रदान नहीं है। बतरस का आनंद लेना जैसे एक इमारत बनाने जैसा है जिसमें बातों की ईंट पर ईंट रखकर दीवारें चुनी जाती हैं, किस्सों के मेहराब गढ़े जाते हैं, व्यंग्योंक्तियों, मुहावरों के आर्टीफैक्ट्स से सजाया जाता है। बात में से बात निकाली जाती है। मगर अफसोस किसी स्कूल में यह जरूरी हुनर नहीं सिखाया जाता। फिर जब ऐसे अनपढ़ लोग किसी पार्टी में मिलते हैं और उन्हें कोई बात नहीं सूझती तो वे जहरीली सियासी बहस पर उतर आते हैं। आधे एक पार्टी के पक्ष में हो जाते हैं और बाकी दूसरी के। राजनीति पर बहस के अचानक प्रचलन में आने के पीछे एक कारण यह भी हो सकता है कि लोग कोई दूसरी बात करना जानते ही नहीं।

ऐसे में मुझे मेरी मौसी याद आती है। वे अनपढ़ ठेठ गंवार थीं। न स्कूल गईं न दुनिया देखी। पर जब बोलतीं तो लोग मंत्र मुग्ध होकर उनकी बातें सुनते। शादी ब्याह में तो जैसे वे फुल फॉर्म में होतीं। हर बात पर कटाक्ष, ताने, मुहावरे, मजाक! लोग हंसते-हंसते लोटपोट हो जाते। महिलाएं ही नहीं कभी-कभी तो घर के बड़े बूढ़े भी जिनसे उनका ससुर जेठ का रिश्ता था वे भी निशाने पर आ जाते और उन्हें भागने को जगह न मिलती।

इन दिनों चश्मा चढ़ाए आईआईटी की तैयारी कर रहे हैं बच्चों से कभी बात करता हूं, तो लगता है जैसे कोई मंजिल की चिंता में रास्ते में लगे फूल पौधों को देखना भूल गया है।

पत्नियां पति से बातचीत के नाम पर पुलिसिया इंटेरोगेशन कर रही हैं-कहां गए थे? कब लौटोगे? क्या खाओगे? अमेरिका गए बच्चों के मां-बाप उनसे सुबह-शाम वीडियो कॉल पर बात कर रहे हैं। पर वही घिसा पिटा रिकॉर्ड-आज खाने में क्या खाया, ठंड तो नहीं है, तबीयत कैसी है..! कभी लगता है उन्हें एक दिन की बातचीत रिकॉर्ड कर रोज उसका टेप चला देना चाहिए। शादियों में लोग यूं खामोश बैठे रहते हैं कि किसी शोक सभा का गुमां होता है। जीवन के नौ रस हुआ करते थे, यह फेहरिस्त अब संक्षिप्त होती जा रही है। यह एक अजीब बदलाव है। हमारे पुरखों का एक्सपोजर सीमित था। उन्होंने दुनिया कम देखी थी। हमने उनके मुकाबले ज्यादा दुनिया देखी, ज्यादा घूमे, ज्यादा पढ़े। पर फिर उनके पास हमसे ज्यादा किस्से कैसे थे? क्या इसका संबंध संघर्ष से है? क्या परस्पर निर्भरता की मजबूरी ने उन्हें बात करना सिखा दिया और हमे टेक्नोलॉजी ने आत्म निर्भर बना कर उसकी आवश्यकता खत्म कर दी। हो सकता है जो लोग जीने के लिए संघर्ष करते हों, वे यह किस्सागोई का हुनर सीख जाते हों, और आज जिस मध्यम वर्ग का रोना मैं रो रहा हूं उनके जीवन में कोई संघर्ष ही नहीं है। यदि संघर्ष और किस्सागोई का कोई रिश्ता है, तो इसका मतलब यह मुश्किल समय में जिंदा बचे रहने का जरूरी हुनर है।

अपनी ढपली अपना राग

पांच साल में तीन करोड़ और गरीबों के मकान बनेंगे, तीन करोड़ ड्रोन दीदी बनेंगी, जो लखपति होंगी।
– योगी आदित्यनाथ

जिन उद्योगपतियों ने भाजपा को चंदा दिया, उन्होंने अपने उत्पादों के दाम बढ़ाकर महंगाई बढ़ाई है। जनता इसको जान चुकी है।
– अखिलेश यादव

मुफ्त राशन की गारंटी आगामी 5 वर्षों तक जारी रहेगी तथा आने वाले 5 वर्ष महिला सशक्तिकरण के लिए समर्पित होंगे।
– भूपेंद्र चौधरी

आप कब तक कांग्रेस पर आरोप लगाते रहेंगे। पिछले 10 वर्षों से तो वे (भाजपा) सत्ता में हैं, उसने आखिर क्या किया।
–प्रियंका गांधी

समाजवादी पार्टी की सदस्यता लेना गुंडागर्दी का प्रमाणपत्र है, सपा की साइकिल पंचर कीजिए और कमल खिलाईए।
– केशव प्रसाद मौर्य

हम उनको (केशव मौर्य) ऐसा कर देंगे कि साइकिल का पंचर जोड़ते दिखेंगे। चर्चा में बने रहने के लिए ऐसी बयानबाजी कर रहे।
– प्रो. रामगोपाल यादव

चुनावी चक्कर

सर्वोच्च अदालत से सीधे जनता की अदालत में प्रिया

मछलीशहर लोकसभा की सुरक्षित सीट से सपा ने सुप्रीम कोर्ट की युवा महिला अधिवक्ता प्रिया सरोज को मैदान में उतारा है। प्रिया पूर्व सांसद व वर्तमान में केराकत से विधायक तूफानी सरोज की बेटी हैं। कानून की पढ़ाई करने के बाद प्रिया ने प्रैक्टिस की शुरुआत सीधे सुप्रीमकोर्ट से की। अब लोकसभा का चुनाव लड़ने जा रही हैं। यानि वह सर्वोच्च अदालत से सीधे जनता की अदालत में किस्मत आजमाने आ गई हैं। प्रिया सरोज ने पिछले साल नवंबर में ही 25 की उम्र पूरी की। वह भाजपा के मौजूदा सांसद बीपी सरोज को चुनौती देंगी। लोकसभा चुनाव लड़ने के सवाल पर प्रिया कहती हैं कि क्षेत्र के लोगों को जानती हूं, वे मुझे भी मानते हैं। बहरहाल, मछलीशहर सीट का चुनाव सपा लगातार दो बार हार चुकी है।

बालक को देखकर गदगद हुए योगी

पिछले दिनों रुड़की में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना एक जबरदस्त फैन नजर आया। यह फैन एक बालक था जो उनकी ही वेशभूषा में नजर आ रहा था। योगी ने उसे मंच पर बुलाया तो उसने भी योगी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। दोनों की इस मुलाकात का वीडियो लोग सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर शेयर कर प्रतिक्रिया व्यक्त कर रहे हैं। वीडियो में चुनावी सभा के मंच पर योगी के साथ उनका लिटिल फैन भी बिलकुल उनके अंदाज में नजर आ रहा है। योगी अपने फैन को देखकर मुस्कुराते रहे। वहीं, जब योगी मंच से अपने समर्थकों को देखकर हाथ हिला रहे थे तो हूबहू उनका यह बालक प्रशंसक भी अभिवादन करते दिखा।

चुनावी जंग में छोटे दलों के नेताओं की कड़ी चुनौती

स्वामी प्रसाद, पल्लवी, चन्द्रशेखर व ओवैसी की प्रतिष्ठा लगी है दांव पर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के जंग में छोटे दलों के नेताओं को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी के प्रमुख स्वामी प्रसाद मौर्य, अपना दल कमेरावादी की नेता पल्लवी पटेल, आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चन्द्रशेखर व एआईएमवाईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी हुई है।

सपा से नाराज होकर राष्ट्रीय शोषित समाज पार्टी गठित करने वाले पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने कुशीनगर लोकसभा सीट से खुद को प्रत्याशी घोषित किया है। मौर्य ने इंडी गठबंधन को समर्थन देते हुए पार्टी के प्रत्याशियों के लिए सीटें मांगी थीं, पर इंडी गठबंधन ने उनकी मांग पर ध्यान नहीं दिया। इस पर मौर्य ने खुद को कुशीनगर सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी की ओर से और भी प्रत्याशी घोषित किये जा रहे हैं। नगीना सुरक्षित सीट पर प्रत्याशी आजाद समाज पार्टी के प्रमुख चन्द्रशेखर को उन्होंने समर्थन की घोषणा की है। मौर्य के समक्ष अपनी सीट जीतने के साथ ही, पार्टी के अन्य प्रत्याशियों को जिताने की चुनौती है।

चुनाव में सपा के 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' (पीडीए) से मुकाबला करने के लिए 'पिछड़ा, दलित, मुस्लिम' (पीडीएम) न्याय मोर्चा का गठन किया गया है। गठबंधन में शामिल एआईएमआईएम के प्रमुख ओवैसी अपनी पार्टी के सिंबल पर प्रत्याशियों को चुनाव न लड़ाकर अपना दल कमेरावादी के सिंबल पर चुनाव लड़ाने की घोषणा कर चुके हैं। करीब एक दर्जन प्रत्याशियों को अपना दल कमेरावादी के सिंबल पर चुनाव लड़ाने की तैयारी है। मोर्चा ने फिलहाल तीसरे, पांचवें व सातवें चरण में शामिल सात सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं। पीडीएम ने रायबरेली से हाफिज मोहम्मद मोबीन, बरेली से सुभाष पटेल, हाथरस से डॉ. जयवीर सिंह धनगर, फिरोजाबाद से प्रेमदत्त बघेल, फतेहपुर से रामकिशन पाल, भदोही से प्रेमचंद बिन्द व चंदौली से जवाहर बिन्द को उम्मीदवार बनाया है।

जल्द घोषित होंगे पीडीएम के प्रत्याशी

पीडीएम के तहत जल्द ही और प्रत्याशियों के घोषित होने की संभावना है। इंडी गठबंधन से अलग इन दलों व नेताओं के चुनाव मैदान में उतरने से लड़ाई रोचक बन गई है, क्योंकि सपा के पीडीए के जवाब में पीडीएम फैक्टर से प्रत्याशियों को चुनौती मिल रही है।

डिंपल यादव के खिलाफ मायावती ने बदला प्रत्याशी

घोषित किये 11 प्रत्याशी

अमृत विचार,लखनऊ: बसपा सुप्रीमो मायावती ने मंगलवार को 11 नए प्रत्याशियों की पांचवी सूची जारी कर दी है। इस प्रकार पार्टी द्वारा घोषित प्रत्याशियों की संख्या 56 हो गई है। साथ ही उन्होंने मैनपुरी सीट पर प्रत्याशी भी बदलकर सपा की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। सपा की डिंपल यादव के खिलाफ गुलशन देव शाक्य को उतारा है।

सोशल इंजीनियरिंग के फामूले को अपनाते हुए मायावती ने बदायूं से मुस्लिम खां, बरेली से छोटेलाल गंगवार , सुल्तानपुर से उदराज वर्मा, फर्रूखाबाद से क्रांति पाण्डेय, बांदा से मयंक द्विवेदी, डुमरियागंज से ख्वाजा समसुद्दीन, बलिया से लल्लन सिंह यादव, जौनपुर से धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला रेड्डी , गाजीपुर से उमेश कुमार सिंह और वाराणसी से अतहर जमाल लारी को प्रत्याशी बनाया है। वहीं अभी तक कई जगह पर मायावती ने प्रत्याशी नहीं घोषित किए हैं,जिससे वहां संशय की स्थिति बनी हुई है।

सपा का जमीनी हकीकत से नहीं रहा कोई सरोकार

लखनऊ : भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि सपा कार्यकाल में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी चरम पर थी। सपा कार्यकाल में युवा पलायन को मजबूर हो गए थे, लिहाजा प्रदेश के युवा पहले ही सपा को नकार चुके हैं। सपा कार्यकाल में प्रदेश में बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत तक थी।

बसपा नहीं खोल रही है पत्ते

भाजपा व सपा खेमे में बढ़ी बेचैनी जनता को भी है इंतजार

विरेश शुक्ला, हरदोई

जय प्रकाश रावत

उषा वर्मा

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव के लिए कल से जिले में नामांकन शुरू हो जाएंगे। भाजपा व इंडिया गठबंधन ने अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है, लेकिन अभी तक बसपा ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं, जिसे लेकर जहां भाजपा व सपा खेमे में बेचैनी बढ़ रही है, वहीं जनता भी बसपा प्रत्याशी का बेसब्री से इंतजार कर रही है। भाजपा व इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़ रहे दोनों प्रत्याशियों को जनता कई बार सांसद बना चुकी है, लेकिन वह जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे। यही वजह है कि अब तक जिले में चुनाव को लेकर पूरी तरह खामोशी छायी हुई है।

जिले में चौथे चरण में चुनाव होना है। 18 अप्रैल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। भाजपा ने सबसे पहले अपना प्रत्याशी घोषित किया। भाजपा से जयप्रकाश रावत चुनाव मैदान में हैं। वह वर्तमान सांसद होने के साथ-साथ पहले भी कई बार सांसद रह चुके हैं। प्रत्याशी घोषित होने से पहले ही भाजपा ने चुनाव की तैयारी पूरी करते हुए जगह-जगह बैठकें कर चुनावी माहौल बना लिया है।

वहीं सबसे पहले प्रत्याशी घोषित करने में भी भाजपा ने हाथ मार लिया। भाजपाई मोदी की दम पर चुनाव में दम भर रहे हैं, लेकिन पूर्व में कई बार सांसद रहने के बावजूद जयप्रकाश की जनता से दूरी अभी मतदाताओं को शांत कराए है। जिले में जनता के बीच न तो कोई चुनाव की चर्चा हो रही है और न हार-जीत के बारे में अभी कोई अटकल लगाई जा रही है। इसकी वजह यह है कि इंडिया गठबंधन ने ऊषा वर्मा को अपना प्रत्याशी बनाया है। वह भी कई बार लोकसभा सांसद यहां से रह चुकी हैं। जयप्रकाश व ऊषा वर्मा की कार्यप्रणाली लगभग एक सी रही। दोनों सिर्फ चुनाव में नजर आते हैं। ऐसा जनता का कहना है। बहुजन समाज पार्टी ने अभी तक कोई प्रत्याशी घोषित नहीं किया है, जबकि कल से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। बसपा के प्रत्याशी की घोषणा न होने से भाजपा व इंडिया गठबंधन के लोग भी चिंतित है। बसपा किसको प्रत्याशी बनाएगी इसको लेकर दोनों दल काफी मंथन कर रहे हैं। जनता भी बसपा प्रत्याशी का इंतजार इसलिए कर रही है कि शायद चुनाव में बसपा उन्हें कोई नया चेहरा दे सके, क्योंकि अब तक घोषित दोनों प्रत्याशियों को वह अब वर्षों से देख रही है, उनकी कार्यप्रणाली से भी जनता बखूबी वाकिब हो चुकी है।

1991 से रहे सांसद

1991 में हुए लोकसभा चुनाव में जयप्रकाश रावत भाजपा से लोकसभा का चुनाव जीते थे। वह 1996 तक सांसद रहे। 1998 में ऊषा वर्मा सपा से सांसद चुनी गईं। 1999 में पुन : जयप्रकाश लोकतांत्रिक कांग्रेस से सांसद बने। 2004 से 2009 तक ऊषा वर्मा फिर समाजवादी पार्टी से सांसद बनीं। 2019 में हुए चुनाव में जयप्रकाश फिर भाजपा से चुनाव जीते। वर्तमान में वह हरदोई लोकसभा क्षेत्र के सांसद व भाजपा के प्रत्याशी हैं।

कांग्रेस ने लगाई थी जीत की हैट्रिक

वर्ष 1957 में हरदोई आरक्षित सीट से जनसंघ के शिवदीन और आरक्षित सीट से कांग्रेस के छेदालाल गुप्ता ने जीत दर्ज कराई। उस दौरान हरदोई संसदीय क्षेत्र से दो सीटें हुआ करती थीं। इसके बाद वर्ष 1962, 1967 व 1971 में कांग्रेस के ही किंदरलाल ने जीत की हैट्रिक लगाई। 1977 में जनता पार्टी से परमाई लाल, 1980 में कांग्रेस के मन्नीलाल एवं 1984 में कांग्रेस के किंदरलाल ने पुन : जीत दर्ज की।

भाजपा के लिए हैट्रिक का मौका

वर्ष 2014 में भाजपा से अंशुल वर्मा को 3,60,501 वोट मिले और जीते। जबकि बसपा से शिव प्रसाद वर्मा, सपा से ऊषा वर्मा, कांग्रेस से सर्वेश कुमार हारे। इसी तरह 2019 में भाजपा से जय प्रकाश को 5,68,143 वोट मिले और जीते। जबकि सपा से ऊषा वर्मा, कांग्रेस से वीरेंद्र कुमार को हार का सामना करना पड़ा। 2024 का लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए हैट्रिक का मौका है।

9वीं बार संसदीय चुनाव लड़ेंगे जय प्रकाश

भाजपा प्रत्याशी घोषित किए गए सांसद जय प्रकाश का 9वां चुनाव होगा। आठ बार वह सीधे जनता से और एक बार राज्यसभा के लिए चुनाव लड़ चुके हैं। इनमें से वह पांच बार चुनाव जीत चुके हैं। तीन बार हार का सामना करना पड़ा। वर्ष 1991 और 1996 में भाजपा के टिकट पर हरदोई से चुनाव लड़कर जीते थे। 1998 में हार गए थे। 1999 में लोकतांत्रिक कांग्रेस के प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीते थे।वर्ष 2004 में मोहनलालगंज से सपा के टिकट पर लड़कर जीते थे। वर्ष 2009 में बसपा के टिकट पर मोहनलालगंज से लड़कर हार गए थे, लेकिन इसी साल राज्यसभा पहुंचने में कामयाब रह थे। वर्ष 2014 में वह मिश्रिख से सपा के टिकट पर लड़कर हारे थे। वर्ष 2019 में भाजपा के टिकट पर हरदोई से सांसद चुने गए।

आईना : हरदोई लोकसभा सीट

2019 चुनाव का लेखा जोखा

उम्मीदवार	वोट
जय प्रकाश रावत	5,68,143
उषा वर्मा	4,35,669
वीरेन्द्र कुमार	19,972

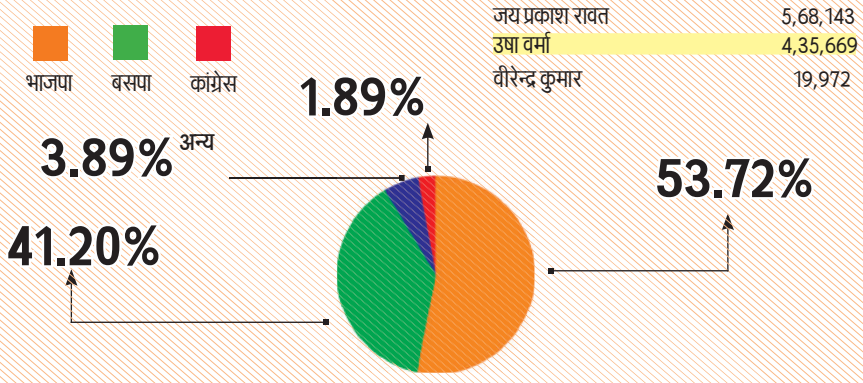

2014 में किसको कितने वोट

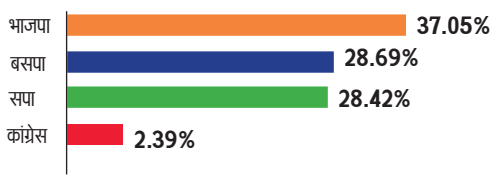

दल	उम्मीदवार	वोट
भाजपा	अंशुल वर्मा	3,60,501
बसपा	शिव प्रसाद	2,79,158
सपा	उषा वर्मा	2,76,543
कांग्रेस	सर्वेश कुमार	23,298

2019 नोटा	2014 नोटा
11,024	7,660

2009 चुनाव के आंकड़े

दल	उम्मीदवार	वोट
सपा	ऊषा वर्मा	2,94,030
बसपा	राम कुमार कुरील	2,01,095
बीजेपी	पूर्णिमा वर्मा	54,115

निर्वाचित सांसद

वर्ष	सदस्य	दल
1952	बुलाकाई राम वर्मा	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1957	द्रोहर शिवदीन	जनसंघ
1957	छेदा लाल गुप्ता	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1962,67व 71	किंदर लाल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1977	परमाई लाल	जनता पार्टी
1980	मन्नी लाल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1984	दयालु लाल	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
1989	परमाई लाल	जनता पार्टी
1990	चौधरी चंद राम	जनता दल
1991 व 96	जय प्रकाश रावत	भारतीय जनता पार्टी
1998	उषा वर्मा	समाजवादी पार्टी
1999	जय प्रकाश रावत	लोकतांत्रिक कांग्रेस
2004 व 09	उषा वर्मा	समाजवादी पार्टी
2014	अंशुल वर्मा	भारतीय जनता पार्टी
2019	जय प्रकाश रावत	भारतीय जनता पार्टी

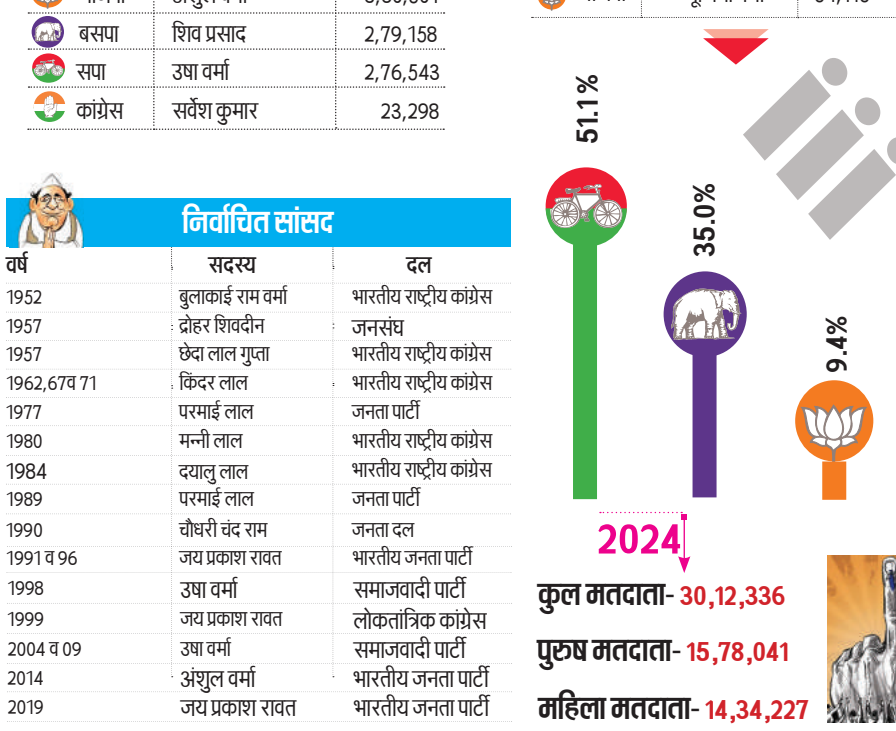

कुल मतदाता- 30,12,336
पुरुष मतदाता- 15,78,041
महिला मतदाता- 14,34,227

वर्चस्व बरकरार रखने की चुनौती का सामना कर रहे जयंत

रालोद प्रमुख और पत्नी चारु चौधरी जुटे एनडीए को जिताने में

पद्माकर पाण्डेय ,लखनऊ

अमृत विचार: पहले चरण में पश्चिम उप्र. की तीन लोकसभा सीटों पर मतदान होना है। सियासी चौसर बिछ चुकी हैं। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए व इंडी गठबंधन में सिमट चुके लोकसभा चुनाव में प्रतिष्ठा बड़े राजनैतिक दलों के साथ ही समर्थक दलों की भी दांव पर लगी है। पिता चौधरी अजित सिंह के निधन के बाद राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के मुखिया जयंत चौधरी के लिए पश्चिम उप्र. की राजनीति में धुरी बने रहने की बड़ी चुनौती है। इसके लिए उन्होंने पश्चिम उप्र. की हर सीट पर पत्नी चारू संग जाकर सभाएं कर रहें हैं।

पश्चिमी उप्र. की राजनीति जाट, मुस्लिम और किसानों के आस-पास ही घुमती है। इन तीनों वर्ग के मतदाता चौधरी चरण सिंह को अपना मसीहा मानते थे। इस क्षेत्र में लोकसभा की 27 सीटें हैं, यही वजह है कि चुनाव के ऐन वक्त पूर्व, केन्द्र सरकार ने चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न सम्मान देकर, पश्चिम उप्र. के मतदाताओं के दिलों में न केवल पहुंचने का मार्ग प्रशस्त किया बल्कि जयंत चौधरी के भाजपा गठबंधन में आने का बड़ा मौका दे दिया।

हुआ भी वही, इंडिया गठबंधन का हिस्सा बन चुके जयंत चौधरी ने पीएम मोदी को बड़े दिल वाला बताते हुए, एनडीए गठबंधन का हिस्सा बन गये, इतना ही नहीं इसके लिए उन्होंने सीटों से समझौता भी किया, इंडिया गठबंधन में मिली छह सीटें को बलिदान कर यहां मात्र दो सीटों पर ही संतोष किया है।

ऐसा था परिणाम

राजनीतिक खिलाड़ियों की माने तो समझौता सीट का नहीं है, बल्कि पश्चिम उप्र. में वर्चस्व बरकरार रखने की है। इसके अलावा रालोद को भी मजबूती से खड़ा करना है। इसके लिए उन्हें एनडीए से मिली दोनो सीटें बिजनौर और बागपत सीट पर अपने प्रत्याशियों को जिताने के अलावा पश्चिम उप्र. में एनडीए के सभी प्रत्याशियों को जीत दिलाने की है।इसके लिए जयंत चौधरी कोई कसर नहीं छोड़ रहें हैं, भाजपा के प्रस्तावित चुनावी प्रचार में मंच साझा करने वाले रालोद प्रमुख खुद के साथ पत्नी चारू चौधरी को भी प्रचार की जिम्मेदारी दिये हैं, पहली बार चौधरी परिवार की किसी महिला द्वारा, क्षेत्र में महिला मतदाताओं के बीच पहुंच कर, राजनैतिक पैठ बनाने की कोशिशे की जारी हैं।

राजनीति से दूर हुए राजघराने, दरबारों में सन्नाटा

कभी सांसद, विधायक बनने की रखते थे चाहत, अब टिकट से वंचित

विनय सिंह, लखनऊ

अमृत विचार: सांसद या विधायक बनकर अपनी शान-ओ-शौकत और रूतबे को बदलते वक्त के साथ बनाये रखने की चाहत रखने वाले राजघरानों के लोग अब कहां है? दरअसल, प्रदेश से वास्ता रखने वाले राजघरानों के न तो राजा और न ही युवराज राजनीति में अब सक्रिय दिख रहे। उनके दरबारों में भी इस बार सन्नाटा पसरा है। या तो पार्टियों ने उन्हें टिकट देना बंद कर दिया या फिर उनकी स्वयं राजनीति में दिलचस्पी खत्म हो गई? एक जमाने में राजा-महराजों का राजनीति में पूरा दखल रहता था। लेकिन 2024 के चुनाव में उनका दखल खत्म होते दिख रहा है। राज्य के बड़े-बड़े राजा इस बार चुनाव से बाहर हैं। हालांकि एक वक्त था जबकि राजघरानों के पुरुष ही नहीं महिलाओं के लिए भी राजनीति का मंच बड़ा मुफीद था।

राजकुमारी रत्ना सिंह

प्रतापगढ़ में कालाकांकर रियासत की वंशज राजकुमारी रत्ना सिंह 11वीं, 13वीं और 15वीं लोकसभा का चुनाव लड़ लोकसभा पहुंची थी। नेशनल इलेक्शन वाच नामक एनजीओ ने एक समय उन्हें सबसे धनी सांसद माना था। 2014 में वह कुंवर हरिवंश सिंह से चुनाव हार गई थी। इसके बाद कुछेक बार वह राजनीति में सक्रिय दिखी। भाजपा द्वारा प्रतापगढ़ सीट से टिकट फाइनल करने के बाद वह भी राजनीति में निष्क्रिय हो गईं।

राजा अरिदमन सिंह

आगरा के भदावर राजघराने के राजा अरिदमन सिंह बाह विधानसभा से छह बार विधायक और राज्यमंत्री रह चुके हैं। 2009 में लोकसभा का चुनाव भाजपा उम्मीदवार के रूप में लड़ा, लेकिन हार गए। 2012 से 2017 के बीच वह सपा के भी सदस्य रहे हैं। बाद में वह अपनी पत्नी रानी पक्षालिका सिंह के साथ भाजपा में शामिल हो गए। फिलहाल इस बार उन्हें टिकट नहीं मिला है।

कुंवर आरपीएन सिंह

कुंवर रतनजीत प्रताप नारायण सिंह (आरपीएन सिंह) कुशीनगर के सैंथवार शाही परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वह गृह मंत्रालय में पूर्व राज्यमंत्री रहे हैं। 15वीं लोकसभा में कुशीनगर निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए थे। 2014 में उनको भाजपा के राजेश पांडेय से चुनावी मात मिली। 2019 में भी वह हार गए। 2020 में आरपीएन सिंह को एआईसीसी ने झारखंड और छत्तीसगढ़ का प्रभारी बनाया था। 2022 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया।

कुंवर अक्षय प्रताप सिंह

जामोन स्टेट के उत्तराधिकारी कुंवर अक्षय प्रताप सिंह 2004 में सपा से जीते थे। 2009 में राजकुमार रत्ना सिंह से हार गए। पांचवी बार प्रतापगढ़ से एमएलसी बने। अक्षय प्रताप सिंह कई आपराधिक मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं। एक जांच सीबीआई कर रही है। फिलहाल लोकसभा-2024 के चुनाव में वह निष्क्रिय दिख रहे हैं।

राजा अजेय प्रताप सिंह

देश के पूर्व प्रधानमंत्री एवं मांडा स्टेट के राजा वीपी सिंह के पुत्र अजेय प्रताप सिंह जनमोर्चा पार्टी के अध्यक्ष रहे हैं। बाद में पार्टी का कांग्रेस में बिलय हो गया था। 1956 में जन्मे अजेय प्रताप बतौर पार्टी अध्यक्ष कुछ दिनों तक तो राजनीति में सक्रिय रहे, लेकिन 2012 के बाद वह पूर्ण रूप से निष्क्रिय रहे। राजनीतिक गलियारों में अब अजेय प्रताप की चर्चा भी नहीं होती है।

राजा संजय सिंह

अमेठी स्टेट के राजा संजय सिंह 1980 के दशक में उप्र. में दो बार एमएलए चुने गए और राज्यमंत्री भी रहे। 1990 में कांग्रेस से राज्यसभा पहुंचे। 1998 में लोकसभा का चुनाव लड़कर लोकसभा पहुंचे। 15वीं लोकसभा में भी सदस्य बनकर पहुंचे। राज्यसभा में असम का प्रतिनिधित्व किया। 2019 में उन्होंने कांग्रेस से इस्तीफा दिया और भाजपा में शामिल हो गए। लोग कयास लगा रहे थे कि इस बार सुल्तानपुर सीट से उन्हें टिकट मिल सकता है। लेकिन मेनका गांधी को टिकट मिलने के बाद संजय सिंह लगभग निष्क्रिय दिख रहे हैं।

बेगम नूर बानो

रामपुर के लोहारू रियासत में अमीन-उद-दीन अहमद खान और शौकत जहां वेगम के घर में जन्मी बेगम नूर बानो 11वीं और 13वीं लोकसभा में सदस्य रही हैं। 10 वर्ष तक राजनीतिक विश्राम के बाद उन्होंने 2023 में फिर से राजनीति में सक्रियता दिखाई और रामपुर की जनता समेत इंडी गठबंधन को भी हैरत में डाल दिया था। हालांकि 2024 में उन्हें टिकट न मिलने से मायूसी हाथ लगी।

कुंवर भारतेंद्र सिंह

बिजनौर के राजपरिवार के संबंध रखने वाले कुंवर भारतेंद्र सिंह 2014 में 16वीं लोकसभा के लिए चुने गए। इससे पहले 2002 और 2012 में वह विधायक चुने गए थे। 2012 से 2014 तक भारतेंद्र सिंह भाजपा से विधानसभा में सचेतक के तौर पर भी कार्यरत रहे हैं। जाट समुदाय से संबंध रखने वाले कुंवर भारतेंद्र को 2015 में अवैध खनन से जुड़े एक मामले में काफी विवादों के सामने करना पड़ा। 2019 में वह बिजनौर लोकसभा का चुनाव हार गए। इसके बाद वह सक्रिय राजनीति से गायब हैं।

चुनाव प्रचार की व्यस्तता के बीच योगी ने की गोसेवा

अमृत विचार,लखनऊ: लोकसभा चुनाव को लेकर युद्धस्तर पर चुनाव प्रचार में जुटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखपुर पहुंच कर गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोशाला का भ्रमण कर उन्होंने गोवंश का हाल जाना और उन्हें अपने हाथों से रोटी-गुड़ खिलाया।

सोमवार को बिहार में चुनाव प्रचार करने के बाद मुख्यमंत्री गोरखपुर पहुंचे थे। मंगलवार पूर्वाह्न पश्चिमी उत्तर प्रदेश में चुनाव प्रचार में जाने से पूर्व उन्होंने प्रातःकाल गोरखनाथ मंदिर में गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया और अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि स्थल पर जाकर मत्था टेका। इसके बाद योगी मंदिर की योगी गोशाला में पहुंचे और वहां कुछ समय व्यतीत किया। गोशाला में उन्होंने चारों तरफ भ्रमण करते हुए श्यामा, गौरी, गंगा, भोला आदि नामों से गोवंश को पुकारा। बाद में उन्हें योगी ने अपने हाथों से उन्हें रोटी और गुड़ खिलाया।

एक नजर

राजभवन संग्रहालय में जल्द लगेगा नया प्रवेश द्वार

अमृत विचार , लखनऊ : राजभवन के संग्रहालय में जल्द नये डिजाइन का प्रवेश द्वार लगेगा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंगलवार को इलाहाबाद संग्रहालय समिति की ओर से प्रस्तावित मुख्य द्वार के डिजाइन का अवलोकन किया। राज्यपाल ने आयरन गेट के अन्य डिजाइन विकल्प भी प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। संग्रहालय के निदेशक राजेश प्रसाद ने मुख्य द्वार की थ्रीडी ड्राइंग व डिजाइन, प्रवेश द्वार लोकेशन, साइट फोटोग्राफ, संग्रहालय भवन के डिजाइन एलीमेंट डिजाइन कॉन्सेप्ट, प्रवेश द्वार के साथ टिकट काउंटर, शौचालय सुविधा के साथ गार्ड रूम, लगभग सौ बैग स्टोरेज क्षमता वाला लगेज रूम, मेटल डिटेक्टर, सीसीटीवी कैमरा क्षमताओं सम्बन्धी प्रस्तावित डिजाइन का प्रस्तुतिकरण किया। उन्होंने बताया प्रस्तावित गेट संग्रहालय के वर्तमान स्वरूप से मेल खाता है।

डिफाल्टर आवंटियों पर 2,000 करोड़ बकाया

आवास विकास परिषद ने बिल्डरों की बनाई सूची, भूखंड लेकर नहीं जमा किया पैसा, फ्लैट बनाकर बेच दिए

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

- भेजी गई अंतिम नोटिस बकाया जमा न करने पर निरस्त होगा आवंटन

अमृत विचार : आवास एवं विकास परिषद ने भूखंड लेकर पैसा जमा न करने वाले डिफाल्टरों की सूची बनाई है। इन पर 2,000 करोड़ रुपये बकाया है। इनमें सबसे अधिक डिफाल्टर गाजियाबाद की मंडोला योजना, लखनऊ में वृंदावन योजना, आम्रपाली योजना और अवध विहार योजना के आवंटी हैं। इन बिल्डरों ने आवास विकास से भूखंड लेकर पैसा ही जमा नहीं किया और आवंटियों को फ्लैट भी बेच दिए। पांच वर्षों से ये बिल्डर पैसा जमा नहीं कर रहे हैं। इनमें ग्रुप हाउसिंग, व्यावसायिक और शैक्षणिक भूखंड शामिल हैं।

अब आवास विकास ने वसूली के लिए इन बिल्डरों की सूची तैयार की है। इनको पैसा जमा करने के लिए अंतिम नोटिस भेजी जा रही है। बकाया धनराशि ब्याज सहित जमा न करने पर बिल्डरों व आवंटियों के भूखंड का आवंटन निरस्त करके आवास विकास अपने कब्जे में लेगा। इसके बाद ई-नीलामी से इन भूखंडों को बेचेगा।

आरसी जारी होने के बाद भी नहीं हो पाई वसूली

भूखंड लेने के बाद पैसा जमा नहीं करने वालों से धनराशि वसूली के लिए परिषद ने जिलाधिकारी कार्यालय को पत्र लिखा। जिलाधिकारी कार्यालय से वसूली पत्र भी जारी किया गया। इसके बावजूद धनराशि की वसूली नहीं हो पायी। जांच में सामने आया कि कई बिल्डर आवंटियों को फ्लैट बेचकर गायब हो गए। परिषद का लगभग 1,000 करोड़ रुपये डूब गया है।

अधिकारियों ने चहेते बिल्डरों को दे दिए भूखंड

आवास विकास के अधिकारियों एवं सम्पत्ति प्रबंधकों ने अपने चहेते बिल्डरों को जमकर भूखंड बांटे। 10 प्रतिशत धनराशि जमा कराकर योजनाओं में बेशकीमती जमीन आवंटित कर दी। इसके बाद बकाया पैसा जमा कराना भी भूल गए। वसूली के लिए दबाव बनाया और न आवंटन निरस्त करने की कार्यवाही की। परिषद का लगभग 2,000 करोड़ रुपये फंस गया है।

डिफाल्टर आवंटियों पर निगरानी की व्यवस्था नहीं

आवास विकास में भूखंडों का आवंटन ई-नीलामी से किया जा रहा है। हाल ही में कर्मचारियों के वेतन व ठेकेदारों का भुगतान करने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू हो गई है। लेकिन डिफाल्टर आवंटियों पर निगरानी की कोई व्यवस्था नहीं है। आवास विकास के जोन कार्यालयों में आवंटन के बाद रजिस्ट्री और किश्तों के भुगतान का विवरण रहता है। मुख्यालय द्वारा बकायेदारों की रिपोर्ट जोन कार्यालयों से मांगी जाती है। मुख्यालय में सम्पत्ति विभाग द्वारा रिपोर्ट दबा दी जाती है। जिससे जोन स्तर से वसूली की कार्रवाई नहीं हो पाती है।

> किस बिल्डर पर कितना बकाया है मुझे पता नहीं है। जानकारी करके बकायेदारों से वसूली के लिए सख्त कार्रवाई की जाएगी।
>
> -बलकार सिंह, आवास आयुक्त, उप्र आवास एवं विकास परिषद

सभी थानों को मिलेंगे एसी हेलमेट, ऑटोमेटिक छाता

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- यातायात कार्मिकों को सहूलियत देने के लिए यातायात निदेशालय ने की पहल
- हर मौसम में राहत प्रदान करेगा हेलमेट, कहीं भी खड़ा कर सकते हैं छाता

अमृत विचार : तपती गर्मी में यातायात कर्मियों को राहत प्रदान करने के लिए यातायात निदेशालय ने अपने कार्मिकों को वातानुकूलित हेलमेट देने का निर्णय लिया है। हेलमेट को पहनकर यातायात कर्मी चौराहों पर खड़े होकर यातायात संचालित करेंगे। हेलमेट निर्धारित तापमान का होगा, जिससे उन्हें न सिर्फ गर्मियों में, बल्कि कड़ाके की ठंड और बरसात में भी राहत मिलेगी। निदेशालय ने प्रथम चरण में प्रदेश के प्रत्येक थाने में चार-चार हेलमेट और छाता देने का निर्णय लिया है।

यह हेलमेट हैदराबाद की एक कंपनी द्वारा तैयार किया जा रहा है। मशीन बैट्री द्वारा संचालित होगी। एक बार की चार्जिंग में आठ घंटे तक मशीन चलती रहेगी। हेलमेट में लगी एसी एक चिप द्वारा नियंत्रित होगी। बैट्री संचालित होने के कारण एसी की तीव्रता बहुत कम होगी, लेकिन गर्दन के ऊपर के सभी भागों, यथा सिर, नाक, कान, आंख, आदि को शीतलता प्रदान करेगी। हेलमेट की लागत करीब 12 हजार से 15 हजार के बीच आ रही है। इसी तरह यातायात कर्मियों को जो आटोमैटिक छाता दिया जाएगा, वह हल्के वजन का होगा। छाता खोलने के बाद वह चौराहे अथवा किसी भी स्थान पर एक स्टैंड पर खड़ा हो जाएगा। काम खत्म होने के बाद छाता बंद करने की स्थिति में वह एक छोटे से बैग में भी आ सकता है। अफसरों का कहना है कि कार्मिकों को राहत प्रदान करे के लिए यह निर्णय लिया गया है। जल्द ही एसी और छातों को थानों में भेजा जाएगा। अभी कानपुर कमिश्नरेट में इसकी शुरुआत भी कर दी गई है।

> प्रदेश में लगभग 1500 थाने हैं। प्रथम चरण में प्रत्येक थाने में चार-चार हेलमेट और छाता भेजने का निर्णय लिया गया है। विभाग ने कार्मिकों को तपती गर्मी से राहत दिलाने के लिए यह निर्णय लिया है, हालांकि हेलमेट सभी मौसमों में काम आएगा।
>
> -डॉ. बीडी पॉल्सन, एडीजी यातायात, उप्र.

सपा, बसपा व कांग्रेस के कई नेता भाजपा में शामिल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा, बसपा व कांग्रेस के कई नेता मंगलवार को भाजपा में शामिल हो गए। नेताओं ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के समक्ष सदस्यता ग्रहण की।

सदस्यता ग्रहण करने वाले बसपा नेताओं में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष सुधा वर्मा (अम्बेडकरनगर), जोनल को-आर्डिनेटर विजय कुमार (कुशीनगर), जोनल को-आर्डिनेटर व जिला पंचायत सदस्य कमलेश साहू (बांदा), जिला पंचायत सदस्य नीरज प्रजापति (बांदा), जिला पंचायत सदस्य आदित्य यादव (आजमगढ़), नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सिंह (प्रतापगढ़) व नगर पंचायत अध्यक्ष संजय सोनी (प्रतापगढ़) शामिल हैं। इसी तरह, बसपा से अनीता द्विवेदी (उन्नाव), शीतल कुशवाहा (जालौन), अशोक कुमार तिवारी (सिद्धार्थनगर), डॉ. सरोज पाण्डेय (आजमगढ़), घनश्याम पाण्डेय (प्रयागराज), जिला पंचायत सदस्य ब्रजकुमारी पाण्डेय (प्रयागराज), सूर्य प्रताप सिंह (फिरोजाबाद) व पार्षद अमित चौधरी (लखनऊ) शामिल हुए।

इसी तरह, सपा से पूर्व प्रदेश महासचिव दया शंकर सिंह यादव (गाजीपुर), पूर्व प्रदेश सचिव मनोज सिंह पटेल (मीरजापुर), ब्लॉक प्रमुख मीरा यादव (उन्नाव), सपा से पूर्व ब्लॉक प्रमुख धीरेन्द्र यादव (उन्नाव), केन्द्रीय ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लहुबीर व्यापार मंडल के संगठन मंत्री संजय मिश्रा (वाराणसी), सपा सिन्धी सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अंशवानी (कानपुर), सपा लोहिया वाहिनी के पूर्व राष्ट्रीय संयोजक संजय यादव (हमीरपुर), ब्राह्मण युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु पाण्डेय (आजमगढ़) ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

कांग्रेस के पूर्व पार्षद आशीष सिंह सुजल (लखनऊ) व पूर्व प्रदेश सचिव दीपक सिंह (बाराबंकी) ने अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष कान्ताकर्दम, प्रदेश महामंत्री अमरपाल मौर्य उपस्थित रहे। मंच का संचालन प्रदेश मीडिया सहप्रभारी हिमांशु दुबे ने किया।

विभिन्न पार्टियों के नेताओं को भाजपा कार्यालय पर पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक। अमृत विचार

400 के संकल्प को पूरा करें: ब्रजेश पाठक

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भाजपा परिवार में शामिल होने वाले सभी लोगों का स्वागत करते हुए कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र में युवा, नारी, गरीब व किसान की आर्थिक व सामाजिक समृद्धि के लिए गारंटी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोकसभा की सभी 80 सीटें जीतकर अबकी बार 400 पार के संकल्प को पूरा करना है।

इंडी गठबंधन के स्टार प्रचारक आज उतरेंगे चुनावी मैदान में

अमृत विचार, लखनऊ : इंडी गठबंधन के स्टार प्रचारक 17 अप्रैल को चुनाव मैदान में उतरेंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी सहारनपुर में पार्टी प्रत्याशी इमरान मसूद के समर्थन में रोड शो करेंगी, जबकि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी व सपा प्रमुख अखिलेश यादव गाजियाबाद में मंच साझा करेंगे। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन डॉ सीपी राय ने बताया कि लोकसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव गाजियाबाद में संयुक्त प्रेस वार्ता के माध्यम से मीडिया से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि पूरे देश में बदलाव की लहर चल रही है। बीते 10 साल में मोदी सरकार ने जनता से किए हुए किसी वादे को पूरा नहीं किया। इन्होंने जनता को सिर्फ छला है। 10 साल से जनता सिर्फ जुमला सुन रही है, मन की बात सुन रही है, लेकिन काम की बात आज तक कभी भाजपा नेताओं के मुंह से नहीं निकली है। जनता अब अपने मन की बात भाजपा नेताओं को बताएगी। केंद्र में बदलाव होगा। मोदी सरकार की विदाई तय है।

तकनीक से ही रुकेगा साइबर अपराध

इंस्टीट्यूट ऑफ फोरेंसिक साइंस के छात्रों को दी गई जानकारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप्र. स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेंसिक साइंस में छात्रों को साइबर सिक्योरिटी से जुड़े पहलुओं की जानकारी मंगलवार को गृह विभाग और पुलिस विभाग के अफसरों द्वारा दी गई। छात्रों को ड्रोन, डिजिटल डाटा, ऑनलाइन फ्रॉड आदि की रोकथाम आदि के बारे में भी जानकारी दी गई।

पुलिस महानिदेशक रूल्स एवं मैनुअल आशीष गुप्ता ने कहा कि वर्तमान परिवेश में डिजिटल डाटा का प्रयोग विभिन्न प्रकार के साइबर क्राइम के लिए अपराधियों द्वारा किया जा रहा है, जिसे रोकने के लिये साइबर सिक्योरिटी ही एक मात्र तरीका है। बताया कि इसे आईओटी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) प्वाइंट सिक्योरिटी एवं क्लाउड सिक्योरिटी के माध्यम से डिजिटल प्लेटफॉर्म को सुरक्षित किया जा सकता है। उन्होंने साइबर सुरक्षा से जुड़े कई केस स्टडी भी छात्रों से साझा किए। ड्रोन विशेषज्ञ मिलिंद राज ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस को ध्यान में रखते हुए कैसे ड्रोन के उपयोग से अपराध स्थल पर साक्ष्य खोज एवं बचाव कार्य किया जा सकता है। उन्होंने छात्रों को विभिन्न प्रकार के ड्रोन के सम्बन्ध में प्रत्यक्ष रूप से प्रशिक्षित भी किया। इस अवसर पर, विशेष सचिव (गृह) योगेश कुमार अपर निदेशक राजीव मल्होत्रा, पुलिस अधीक्षक डॉ सतीश कुमार एवं उपनिदेशक चिरंजीव मुखर्जी, प्रशासनिक अधिकारी अतुल कुमार यादव सहित संस्थान के शिक्षक भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के दौरान अतिथियों को सम्मानित करते संस्थान के अधिकारी।

77 हजार विद्यार्थी होंगे छात्रवृत्ति से वंचित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- फार्म भरने में हुई गलितयों का खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ा
- पोर्टल दोबारा खोलने के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में होगी बैठक

अमृत विचार : साइबर कैफे और कॉलेज के स्तर से फार्म भरने में हुई गलितयों का खामियाजा छात्र-छात्राओं को भुगतना पड़ा। पिछले वित्तीय वर्ष (2023-2024) में 77 हजार छात्र-छात्राएं छात्रवृत्ति से वंचित रह गए। शुक्रवार को मुख्य सचिव की अध्यक्षता में छात्र-छात्राओं को आवेदन करने के लिए दोबारा अवसर दिया जाए या नहीं इसको लेकर बैठक होगी।

पिछले वित्तीय वर्ष में अक्टूबर के अंतिम सप्ताह से छात्रवृत्ति के लिए आवेदन शुरू हुए थे। 18 जनवरी 2024 तक छात्रवृत्ति के लिए फार्म भरे गए और 23 जनवरी 2024 को फार्म अग्रसारित किए गए। मार्च के अंतिम सप्ताह में प्रदेश में 20 लाख से अधिक छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई। फार्म भरने के दौरान हुई गलती के कारण छात्रवृत्ति से वंचित हुए 77 हजार छात्र-छात्राएं जिला समाज कल्याण अधिकारी, कॉलेज और समाज कल्याण निदेशालय के चक्कर काटते रहे। अधिकारियों से मिलकर फार्म में हुई गड़बड़ी के बारे में बताया। अधिकतर फार्मों में अनुक्रमांक, पाठ्यक्रम और प्राप्तांक/पूर्णांक भरने में गलतियां हुईं।

समाज कल्याण निदेशालय ने पूरा मामला शासन को भेजा है। शासन स्तर पर मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बैठक होगी। बैठक में वित्त विभाग के प्रमुख सचिव समेत अन्य विभागों के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। बैठक में इस बात पर विचार किया जाएगा कि वंचित छात्र-छात्राओं को आवेदन के लिए दोबारा अवसर दिया जाए या नहीं। अगर अवसर दिए जाने पर सहमित बनती है तो पोर्टल खोला जाएगा और वंचित छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकेंगे। समाज कल्याण निदेशक कुमार प्रशांत ने कहा कि प्रयास किया जाएगा कि वंचित छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति का लाभ मिल सके।

सहारा हॉस्पिटल हुआ मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल

अमृत विचार, लखनऊ : गोमतीनगर स्थित सहारा हॉस्पिटल का नाम अब 'मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल' हो गया है। यह जानकारी मंगलवार को मैक्स हेल्थकेयर इंस्टीट्यूट लिमिटेड के अध्यक्ष और निदेशक अभय सोई ने दी, साथ ही बताया कि भविष्य में शहीद पथ पर स्थित 5.6 एकड़ भूमि पर 500 बिस्तरों वाला नया अस्पताल स्थापित किया जायेगा।

अस्पताल परिसर में ही प्रेस कांफ्रेंस में उन्होंने बताया कि शहर में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराने के लिए आने वाले समय में चरणबद्ध तरीके से 2500 करोड़ रुपये का निवेश किया जायेगा। योजना अंतर्गत 150-200 करोड़ रुपये से अस्पताल में 265 बिस्तर बढ़ाने के साथ ही चिकित्सकीय सेवाओं को अत्याधुनिक बनाया जायेगा। मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ कैंसर केयर की शुरुआत, अंग प्रत्यारोपण और रोबोटिक सर्जिकल सिस्टम शुरू किया जायेगा।

वर्ग पहेली-42

बाएं से दाएं

1. युवा (स्त्री और पुरुष का) वर्ग
3. वृत्त अथवा गोलाई खींचने का एक उपकरण।
6. ठाकुर होने का भाव, ठकुरायत 2. राज्य या उससे संबंध रखने वाला अधिकार या समृद्धि, प्रभुता, स्वामित्व 3. बड़ों के प्रति होने वाली श्रद्धा या प्रीति 4. शासनाधीन प्रदेश।
8. दे. ख़रीददारी।
9. 1. हज़ार सिपाहियों का सरदार 2. मुगल शासन में सरदारों को दिया जाने वाला एक ओहदा।

ऊपर से नीचे

2. ऐसे शब्द जिनके अंत में 'इ' हो
4. 1. जो धृष्टता करता हो, बेअदब 2. बड़े-बुज़ुर्गों का आदर न करने वाला
3. संकोच न करने वाला, निर्लज्ज 4. अशिष्ट,अक्खड़ 5. साहसी, निडर, निर्भय 6. हठीला, दुराग्रही 7. स्वेच्छाचारी।
5. 1. दुनियादार होने का भाव या गुण 2. व्यवहार-कुशलता, लोकचातुरी 3. सांसारिक प्रपंच, लोकाचार, लोकव्यवहार, संसार का जंजाल 4. घर-गृहस्थी का कामकाज, घर-परिवार का प्रपंच, गृहस्थी का झंझट या बखेड़ा 5. लोगों को दिखाने के लिए किया गया आचरण।
7. 1. भेदी 2. गुप्तचर 3. रहस्य जानने वाला।

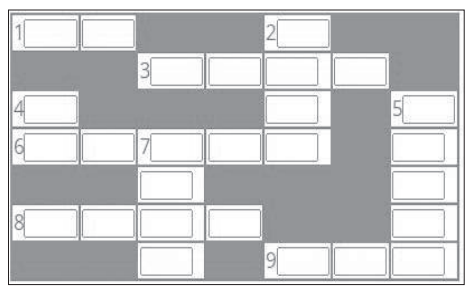

वर्ग पहेली -41 का हल

1 जु	लू	स	■	■	■	2 ठ
साँ	■	■	3 अ	पी	ड़	न
दा	■	■	नु	■	■	ठ
■	4 अ	धि	दे	य	■	न
5 गा	व	■	श	■	■	■
■	भा	■	■	■	■	■
■	6 स	दा	च	र	ण	■

सुडोकू-121

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1	3				5			9
		7		4			8	
2					6			
		5			8			1
	1						2	
4			9			5		
			2			6		3
	4			5				
9			3				4	7

सुडोकू -120 का हल

5	7	3	6	8	1	9	4	2
4	8	6	3	2	9	1	5	7
2	1	9	5	7	4	6	3	8
6	4	2	8	1	5	3	7	9
7	3	5	9	4	6	2	8	1
1	9	8	2	3	7	5	6	4
9	5	7	4	6	2	8	1	3
3	6	4	1	9	8	7	2	5
8	2	1	7	5	3	4	9	6

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 17 अप्रैल बुधवार 2024 संवत-2081,शक संवत 1946 मास-चैत्र, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-नवमी 15.14 तक तत्पश्चात दशमी।

आज का पंचांग

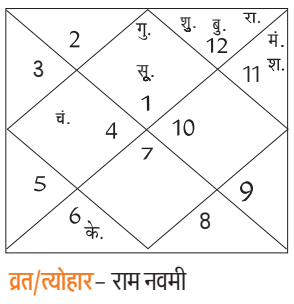

व्रत/त्योहार- राम नवमी

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-वसंत।

चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-अश्लेशा पूर्णरात्रि तक।

मेष — आज विद्यार्थी पढ़ाई में लापरवाही कर सकते हैं। व्यर्थ के खर्चों पर रोक लगाएं। आज जीवनसाथी से परामर्श कर काम करना लाभकारी होगा। महंगी वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। प्रेम संबंधों में तनाव बढ़ने की आशंका है।

वृष — आज व्यवसाय में आपको पुराने अनुभवों का लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में अतिरिक्त समय दे सकते हैं। आज आप अपनी कार्यक्षमता को अच्छी तरह से परख भी सकते हैं। उच्च पदस्थ लोगों के बीच आपका सम्मान बढ़ेगा।

मिथुन — आज ससुराल पक्ष से संबंध मधुर रहेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आय-व्यय में उत्तम सन्तुलन बना रहेगा। मन की किसी दुविधा का निराकरण होगा। परोपकार के कार्यों में रुचि लेंगे। सरकारी जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ेगी।

कर्क — आज नव उद्यमियों को शासन से सहयोग प्राप्त हो सकता है। भावुक होकर निर्णय करने से नुकसान होने की आशंका है। छोटे भाई-बहन को लेकर आप चिन्तित हो सकते हैं। किसी पर ज्यादा निर्भर होना ठीक नहीं है।

सिंह — आज नजदीकी लोगों से गलतफहमी उभरेगी। कार्यक्षेत्र में बाधाएं आने की आशंका है। अधूरे कार्यों के कारण तनाव हो सकता है। आपका मन काफी अशान्त हो सकता है। दूसरों के कार्यक्षेत्र में आपको प्रभाव डालने से बचना चाहिए।

कन्या — आज कार्यक्षेत्र की बाधाओं का निवारण होगा। अति आत्मविश्वास से बचने का प्रयास करें। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में आप रुचि लेंगे। वैवाहिक जीवन काफी सुखद रहेगा।

तुला — आज आप पुराने विवादों को सुलझा सकते हैं। अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की भावनाओं का ध्यान रखें। अपनी छुपी हुई प्रतिभा को विकसित करने का प्रयास करें। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। अपने कार्यों को दूसरों के साथ शेयर न करें।

वृश्चिक — आज बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कला क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने करियर को लेकर थोड़ी असुरक्षा की भावना उत्पन्न हो सकती है। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिये मेहनत करेंगे। बच्चों के व्यवहार पर नजर बनाए रखें।

धनु — आज कार्यक्षेत्र का तनाव आपकी मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकता है। परिवार में लोगों को नाराज न करें। अपने मत को किसी पर भी न थोपें। वरना आपके भावों को समझने के बजाय उल्टा अर्थ समझ सकते हैं।

मकर — आज व्यावसायिक यात्रा करनी पड़ सकती है। आपकी कार्यक्षमता पर सकारात्मक असर पड़ेगा। विरोधी आपसे आकर्षित रहेंगे। अपनी उपलब्धियों पर गौरवान्वित रहेंगे। कार्यक्षेत्र में उच्च पद मिल सकता है। आज काफी धार्मिक विचारों से प्रभावित हो सकते हैं।

कुंभ — आज आलस्य से आपको बचना चाहिए। परिवार में कलह हो सकती है। महिलाएं थोड़ी भावुक रहेंगी। राजनीति से जुड़े लोगों को सावधानी रखनी चाहिए। कानूनी मामले उलझ सकते हैं। किडनी के रोगियों को समस्या हो सकती है।

मीन — आज कार्यक्षेत्र में शानदार सफलता मिल सकती है। आईटी और सॉफ्टवेयर क्षेत्र से जुड़े लोगों को जॉब के बेहतरीन अवसर मिलेंगे। आपका मन काफी शान्त रहेगा। मनोरंजन पर धन खर्च करेंगे। छोटी बातों का बतंगड़ बनाने से बचें।

आज की फिल्में

B4U MOVIES
- शक्तिमान — दोपहर : 01.54
- चालबाज — शाम : 05.21
- 2.0 — सुबह : 10.32
- शेरदिल : द पीलीभीत सागा — रात : 08.00

&pictures

SONY PIX
- कैप्टेन फिलिप्स — सुबह : 11.30
- सॉल्ट — रात : 07.48

ZEE CINEMA
- त्रिदेव — सुबह : 11.30
- दिल का क्या कसूर — शाम : 06.00

colors CINEPLEX
- जुर्माना — सुबह : 11.48
- भागम भाग — रात : 08.58

आज की सुपरहिट फिल्म

एंड पिक्चर पर रात : 08.00 बजे

जोक्स ऑफ द डे

दोस्त- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला?

चिंटू- तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट की थी, इसलिए निकाला...

दोस्त- चेन चांदी की थी क्या?

चिंटू- नहीं साइकिल की..

दोस्त फिर तो तेरी बीवी ने बिल्कुल ठीक किया

चिंटू को मच्छर ने काटा तो वो उसे मारने के लिए रातभर कमरे में दौड़ता रहा।

सुबह हो गई मगर मच्छर नहीं मरा।

चिंटू बोला : चलो मार नहीं पाया तो क्या हुआ,

रातभर मैंने इसे सोने भी तो नहीं दिया।

बाजार	सेंसेक्स ▼	निफ्टी ▼
बंद हुआ	72943	22147
गिरावट	456	124
प्रतिशत में	0.62	0.56

कारोबार/कृषि

अमृत विचार
www.amritvichar.com
कानपुर, बुधवार, 17 अप्रैल 2024

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.) : गेहूँदड़ा 2250-2400 आर.आर.21 2450-2500 गेहूँफारम 2550-2600 जौ 2000-2100 बेझर ज्वार 2000-4000 बाजरा 2100-2150 मकाई 2200-2400 दलहन (प्रति क्वि.) : चना 5800-5900 अरहर 9000-10000 मसूर 5500-5600 मटर 3700-4000 उड़दहरा 11000-11800 उड़दकाला 6000-8000 मूँग 8500-8800 दाल (प्रति क्वि.) अरहरफूल 15800-16000 अरहरस्पेशल 13800-14000 डेढ़ नं. चनादाल 7250-7350 मटरदाल 5050-5150 मसूरमलका 7200-7250 मसूरदाल 7400-7450 उड़द्दाल 9500-13000 उड़द धोवा 10700-13250 मूँगदाल 9500-10500 मूँग धोवा 10000-11500 चावल (प्रति क्वि.) : अरवा 2000-2300 बासमती न01. 8500-10000 सेला 2500-3000 बासमती न02. 6500-7500 आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.) आटा 1380-1430 मैदा 1350-1400 सूजी 1410-1430 चक्की आटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.) शाहपसंद 1325-1350 रिचापसंद द्वारिकाभोग वरदान बेगमपसंद तिलहन (प्रति क्वि.) : लाही 4800-5100 लाहीनई. अलसी 4500-4600 अण्डी 4600-4700 गुल्लू तिल्ली 11500-12700 मूँगफली दानाषिवपुरी 9400-10600 बटाली 9000-10200 सेहुआं 4000-4500 तेल (प्रित क्वि.) सरसों एक्सपेलर सरसों कोल्हू 10800-10900 अलसी 9300-9400 अण्डी 12700-12800 गुल्लू तिल्ली(प्रति टिन) गरी (प्रति टिन) नीमतेल रिफाइण्ड (प्रति टिन) सरसों सोयाबीन 1580-1569 हीरा-पन्ना मयूर बावर्ची सुपरगोल्ड पकवान मूँगफली खली (प्रति क्वि.) सरसों 2400-2450 अलसी 4300-4400 मूंगफली अण्डी 1400-1450 वनस्पति (प्रति टिन 15 ली.) बावची 1525-1522 झूला अपना मयूर 1525-1522 गोल्डमोहर भोग नटखट रूचि गुड़ (प्रति क्वि.) पन्सेरा 3500-3550 मंगलौरलडडू (नया) 4150-4200 देशीभेली 3950-4050

मेंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1005 फ्लैग 1110 डीएमओ 890 बोल्ड 1180, **सम्भल-चन्दौसी**-शिवालिक 1000 फ्लैग 1110 बोल्ड 1155 डीएमओ 885।

सर्राफा

कानपुर

चाँदी 999 (प्रति किलो)	85500
सिक्का (प्रति सैकड़ा) लिवाल	85000
सिक्का (प्रति सैकड़ा) बिकवाल	90000
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	75100
गिन्नी (प्रति नग)	56000-56200

लखनऊ

सोना स्टैंडर्ड	75,500
सोना रवा	75,350
सोना गिन्नी (प्रति नग)	42,500
चांदी तैयार	83,100
चांदी (999)	83,000
चांदी सिक्के (100 नग)	80,000

बरेली

गोल्ड (पक्के जेवर)	75000
गोल्ड (गिन्नी जेवर)	74000
सिल्वर (पक्की)	830 (अनुमानित)

अच्छे और विविध निवेश अवसर पेश कर सकता है भारत

न्यूयॉर्क। कोटक अल्टरनेट एसेट मैनेजर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्रीनिवासन ने कहा कि भारत निवेशकों के लिए सबसे अच्छे तथा सबसे विविध निवेश अवसरों में से एक पेश कर सकता है।श्रीनिवासन ने देशभर में अग्रणी डिजिटल बुनियादी ढांचे का हवाला देते हुए कहा कि भारत ने पिछले 10 वर्षों में सभी सही चीजें की हैं। श्रीनिवासन ने बताया कि वस्तु एवं सेवा कर के कार्यान्वयन, दिवाला विनियमन, व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के उपायों, कॉर्पोरेट करों में कमी के साथ-साथ बुनियादी ढांचे में निवेश का हवाला दिया।

लगातार तीसरे दिन भी शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़का

पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव से प्रभावित हो रहा बाजार, निफ्टी में 0.56 प्रतिशत की गिरावट

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट रही और बीएसई सेंसेक्स 456 अंक और लुढ़क गया। वैश्विक बाजारों में कमजोर रुख और पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका के बीच मुख्य रूप से सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों में भारी बिकवाली से बाजार नीचे आया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की पूंजी निकासी से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 456.10 अंक यानी 0.62 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,943.68 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 714.75 अंक तक लुढ़क गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 124.60 अंक यानी 0.56 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,147.90 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में इन्फोसिस, इंडसइंड बैंक, बजाज फिनसर्व, विप्रो, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, बजाज फाइनेंस, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और लार्सन एंड टुब्रो प्रमुख रूप से नुकसान में रहे। दूसरी तरफ लाभ में रहने वाले शेयरों में टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, मारुति, आईटीसी, पावरग्रिड और रिलायंस इंडस्ट्रीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि वैश्विक राजनीतिक तनाव की आशंका और हाल-फिलहाल नीतिगत दर में कटौती की संभावना कम होने के बीच घरेलू बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट रही। अनुमान से अधिक मजबूत अमेरिकी खुदरा बिक्री के आंकड़ों के बाद चिंता बढ़ी है। इससे यह धारणा बढ़ गई कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के नीतिगत दर कटौती में देरी कर सकता है। इससे डॉलर सूचकांक और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आईटी क्षेत्र में गिरावट दर्ज की गयी। मुख्य रूप अमेरिका में सोच-विचारकर किए जाने वाले खर्च में कमी की आशंका से कंपनियों की कमाई प्रभावित होने के अनुमान से आईटी कंपनियों में गिरावट आई। इसके अलावा, घरेलू कंपनियों के चौथी तिमाही के हल्के वित्तीय परिणाम का भी बाजार पर असर है। अधिक शेयरों का प्रतिनिधित्व करने वाले बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0.57 प्रतिशत चढ़ा, जबकि मिडकैप 0.05 प्रतिशत मजबूत हुआ।

औद्योगिक इस्तेमाल वाले ड्रोन के लिए विचार कर रही सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

नागर विमानन सचिव वुमलुनमंग वुअलनाम ने मंगलवार को कहा कि सरकार नागरिक तथा औद्योगिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले ड्रोन के वास्ते एक अलग नियामक ढांचा बनाने पर विचार करेगी। उन्होंने ड्रोन परिवेश तंत्र के स्वदेशी विकास की वकालत की और इस बात पर भी जोर दिया कि सरकार ड्रोन को बढ़ावा देने के साथ-साथ उन्नत वायु परिवहन को आगे बढ़ाने के प्रयास करेगी।

राष्ट्रीय राजधानी में ड्रोन पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में उन्होंने कहा कि ड्रोन के नियमों के संदर्भ में बहुत कुछ किया गया है और अभी बहुत कुछ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालय नागरिक तथा औद्योगिक ड्रोन के लिए एक अलग नियामक ढांचा बनाने पर विचार कर रहा है। ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना सितंबर 2021 में अधिसूचित की गई थी। ड्रोन और ड्रोन घटकों के भारतीय विनिर्माताओं के लिए मूल्य संवर्धन तथा कुछ अन्य शर्तों के आधार पर 120 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन प्रदान दिया जा रहा है। भारतीय उद्योग परिसंघ द्वारा आयोजित सम्मेलन में वुमलुनमंग वुअलनाम ने कहा कि योजना सफल रही है। उन्होंने ड्रोन परिवेश तंत्र के स्वदेशी विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रोत्साहनों पर निर्भरता नहीं होनी चाहिए और ड्रोन उद्योग को अपने दम पर टिकना चाहिए। नमो ड्रोन दीदी योजना के बारे में उन्होंने कहा कि ड्रोन के लिए विशेष विवरण जल्द जारी किए जाएंगे।

डेयरी ऋण योजना को लेकर भ्रामक जानकारी से रहें सतर्क

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने नाबार्ड डेयरी ऋण योजना के बारे में वर्तमान में फैलाई जा रही गलत सूचना से लोगों को सतर्क रहने की अपील की है। इस संबंध में नाबार्ड ने स्पष्टीकरण जारी करते हुये उन झूठे दावों का खंडन किया है जिनमें कहा गया है कि नाबार्ड डेयरी उद्यमिता विकास योजना के तहत किसानों को डेयरी व्यवसायों के लिए सीधे ऋण प्रदान करता है।

नाबार्ड ने स्पष्ट किया है कि उक्त दावों में दी गई जानकारी पूरी तरह से गलत है। नाबार्ड ग्रामीण विकास से जुड़ी विभिन्न वित्तीय संस्थाओं और सहकारी संस्थाओं को वित्तीय सहायता और सहयोग प्रदान करने के लिए काम करता है।

नाबार्ड कभी भी अलग-अलग किसानों को सीधे ऋण वितरित नहीं करता है। सभी हितधारकों, विशेषकर किसानों और ग्रामीण उद्यमियों को ऐसी गलत सूचनाओं के संबंध में सावधानी बरतने और उनमें विश्वास करने तथा उनका प्रचार-प्रसार करने से बचने के लिए आग्रह किया गया है।

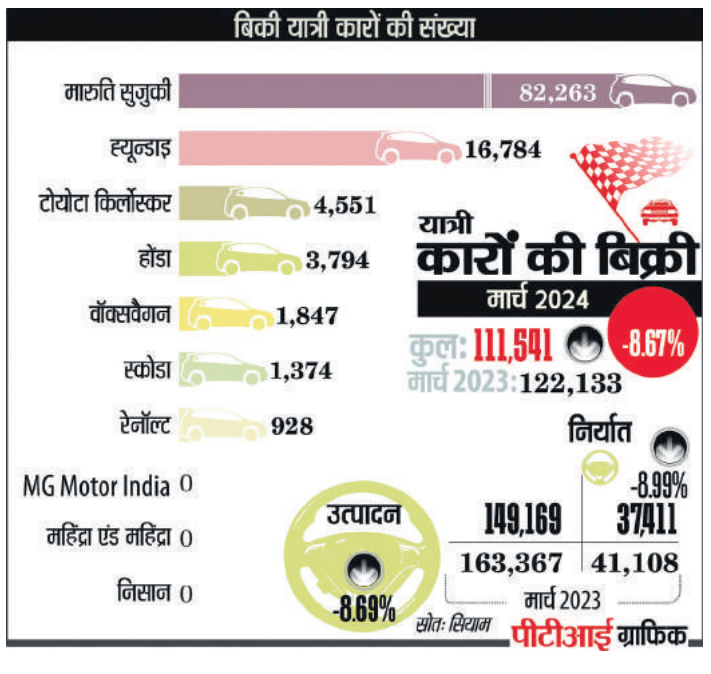

पीएचएफ लीजिंग ने जुटाये एक करोड़ डॉलर

नई दिल्ली। जमा स्वीकार करने वाली एनबीएफसी पीएचएफ लीजिंग लिमिटेड (पीएचएफ) ने इक्विटी और ऋण मिलाकर एक करोड़ डॉलर की पूंजी जुटाई है।

कंपनी ने आज यहां कहा कि इसमें लगभग 60 प्रतिशत इक्विटी और 40 प्रतिशत ऋण शामिल है। इस पैसे का उपयोग कंपनी की वृद्धि को वित्तपोषित करने के लिए किया जाएगा। पीएचएफ लीजिंग जमा स्वीकार करने वाली एक गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है जो 1998 से भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पंजीकृत है। कंपनी अचल संपत्ति के लिए बंधक ऋण (एलएपी) प्रदान करती है और ई-वाहनों का वित्तपोषण करती है।

राष्ट्रीय

एक नजर

सिरसा में 17 से 19 तक बंद रहेंगे शराब के ठेके

सिरसा। हरियाणा के उप आबकारी एवं कराधान आयुक्त आलोक पासी ने बताया कि राजस्थान में 19 मई को विभिन्न हिस्सों में मतदान होगा, जिसमें हनुमानगढ़ जिला भी शमिल हैं। चुनाव आयोग की हिदायतनुसार मतदान वाले क्षेत्र के साथ लगती राज्य की सीमा के तीन किलोमीटर दायरे में मतदान प्रक्रिया समाप्ति के समय से 48 घंटे पहले शराब ठेके, बार, आहते व शराब संबंधी कारोबार बंद किया जाना आवश्यक है। हनुमानगढ़ जिला की सीमा सिरसा के साथ लगती है। इसलिए हनुमानगढ़ जिला की सीमा के साथ लगते सिरसा के तीन किलोमीटर क्षेत्र में पडने वाले सभी शराब ठेके, बार, आहते 17 अप्रैल को शाम से लेकर 19 अप्रैल को मतदान समाप्ति तक बंद रहेंगे। इस दौरान शराब संबंधी कारोबार पर भी पूर्ण पाबंदी रहेगी। उन्होंने बताया कि आबकारी विभाग की टीमें चुनाव आयोग की हिदायतों की अनुपालना सुनिश्चित करने के लिए संबंधित क्षेत्र में लगातार निगरानी करेंगी। कहीं पर भी उल्लंघना पाई जाती है, तो संबंधित व्यक्ति के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

सबसे तेज वृद्धि वाली अर्थव्यवस्था बना रहेगा भारत : सीतारमण

जयपुर। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि बीते तीन वित्त वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था ने दुनिया में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है और आगामी वर्षों में यह रुख जारी रह सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि आने वाले 25 साल भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं। वह यहां जयपुर के एक दिवसीय दौरे पर आईं थीं। सीतारमण ने औद्योगिक एवं व्यावसायिक संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि अगले 25 साल भारत के लिए बेहद महत्वपूर्ण होंगे। आपने देखा वित्त वर्ष 2023-24 की तीनों तिमाही में प्रत्येक तिमाही में वृद्धि दर आठ प्रतिशत या अधिक रही है। तीसरी तिमाही में वृद्धि दर 8.4 प्रतिशत रही। चौथी तिमाही में भी इसी स्तर की वृद्धि दर की हम अपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह 2023-24 में औसत वृद्धि दर उस स्तर की ही है। हम आत्मविश्वास बनाए रखते हुए आगे बढ़ सकते हैं कि जैसे पूरी दुनिया में पिछले तीन साल से लगातार हम सबसे तेज वृद्धि दर वाली अर्थव्यवस्था रहे हैं।

तृणमूल घुसपैठियों को संरक्षण देती है पर सीएए का करती है विरोध : मोदी

टीएमसी ने बंगाल के लोगों को केंद्रीय योजनाओं के लाभ से कर दिया वंचित

बालुरघाट, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह घुसपैठियों को संरक्षण दे रही है, लेकिन शरणार्थियों को नागरिकता देने वाले कानून सीएए का विरोध कर रही है। मोदी ने बालुरघाट में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल को गुंडों और घुसपैठियों को पट्टे पर दे दिया है। प्रधानमंत्री ने राज्य में रामनवमी समारोह का कथित तौर पर विरोध करने के लिए सत्तारूढ़ तृणमूल की आलोचना की और कलकत्ता उच्च न्यायालय के उस फैसले को सच्चाई की जीत करार दिया, जिसमें विश्व हिंदू परिषद (विहिप) को हावड़ा में शोभायात्रा निकालने की अनुमति दी गई थी।

मोदी ने कहा कि इस साल का रामनवमी समारोह थोड़ा अलग है क्योंकि रामलला अयोध्या में अपने घर लौट आए हैं। लेकिन टीएमसी, पिछले वर्षों की तरह राज्य में रामनवमी समारोहों का विरोध कर रही है। उच्च न्यायालय ने सोमवार को विहिप को हावड़ा शहर में रामनवमी पर शोभायात्रा निकालने की अनुमति दे दी थी, साथ ही अदालत ने यह सुनिश्चित करने के लिए कुछ शर्तें भी लगाई थीं कि कार्यक्रम बिना तनाव के संपन्न हो सके। प्रधानमंत्री ने कहा कि संदेशखालि में महिलाओं के खिलाफ अपराध की घटनाओं से पूरा देश स्तब्ध है। देश ने देखा है कि कैसे टीएमसी सरकार ने संदेशखालि में दोषियों को बचाने की कोशिश की। संदेशखालि में हाल में महिलाओं ने कुछ टीएमसी नेताओं पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और अपराध बड़े पैमाने पर हैं। यहां तक कि जब केंद्रीय एजेंसियां इन भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करने की कोशिश करती हैं तो उन पर भी हमला किया जाता है। ऐसा लगता है कि टीएमसी ने राज्य को घुसपैठियों और गुंडों को पट्टे पर दे दिया है। पश्चिम बंगाल सरकार घुसपैठियों को बचाती है, लेकिन नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध करती है।

भुवनेश्वर में भगवान लिंगराज की रुकुना रथ यात्रा में भाग लेते श्रद्धालु। ● एजेंसी

भ्रष्टाचार के आरोपों से पहले प्रधानमंत्री खुद आईना देखें : ममता

जलपाईगुड़ी, एजेंसी

● **एनआरसी की आड़ में दलितों, आदिवासियों और ओबीसी को बाहर करना चाहती है भाजपा**

पश्चिम बंगाल में केंद्रीय दलों द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार संबंधी जांच पर श्वेतपत्र जारी करने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को कहा कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले खुद आईना देखना चाहिए। जलपाईगुड़ी जिले के मोइनागुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि राज्य में तृणमूल कांग्रेस ही भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से लड़ रही है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) और कांग्रेस उसके साथ मिलकर काम कर रही हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने बंगाल में भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए करीब 300 केंद्रीय दलों को भेजा था लेकिन उन्हें कुछ नहीं मिला। अब प्रधानमंत्री मोदी को बंगाल की जनता को जवाब देना होगा कि मनरेगा की धनराशि का क्या हुआ? गरीब लोगों ने योजना के तहत काम किया लेकिन उन्हें भुगतान नहीं किया गया। बनर्जी ने कहा प्रधानमंत्री कहते हैं कि तृणमूल कांग्रेस भ्रष्ट पार्टी है। पहले उन्हें आईना देखना चाहिए। उनकी पार्टी में डकैत भरे पड़े हैं। नोटबंदी का मुद्दा उठाते हुए मुख्यमंत्री ने पूछा कि इससे किसे फायदा हुआ था। उन्होंने भाजपा को बंगाली विरोधी पार्टी बताया और आरोप लगाया कि वह एनआरसी की आड़ में' आदिवासियों, दलितों तथा ओबीसी को बाहर करने की योजना बना रही है। बनर्जी ने कहा कि हम बंगाल में एनआरसी लागू नहीं होने देंगे। माकपा औ र कांग्रेस पर भी निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बंगाल में केवल तृणमूल कांग्रेस ही भाजपा से लड़ रही है, जबकि अन्य दोनों विपक्षी दल उसके साथ काम कर रहे हैं। हम राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी गठबंधन 'इंडी' के साथ हैं, लेकिन देश को बचाने के लिए बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को जीतना होगा। उन्होंने दावा किया कि अगर भाजपा फिर से सत्ता में आ जाती है तो देश में चुनाव नहीं होंगे।

अमेरिका में हिंदुओं पर हमलों के मामलों में हुई है वृद्धि : भारतीय-अमेरिकी सांसद

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय-अमेरिकी सांसद ने अमेरिका में हिंदुओं और हिंदुत्व के खिलाफ हमलों में काफी वृद्धि होने का दावा करते हुए आगाह किया कि यह नियोजित हिंदू-विरोधी हमलों के शुरुआत भर है। सांसद श्री थानेदार ने सोमवार को यहां नेशनल प्रेस क्लब में हुए संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज मैं अमेरिका में हिंदुत्व पर हुए हमलों में काफी वृद्धि देख रहा हूं। श्री थानेदार और चार अन्य भारतीय अमेरिकी सांसदों रो खन्ना, राजा कृष्णमूर्ति, एमी बेरा और प्रमिला जयपाल ने हाल ही में न्याय मंत्रालय को पत्र लिखकर हिंदू मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर हमलों में हुई हालिया वृद्धि की जांच कराने का अनुरोध किया था।

आमिर के प्रवक्ता का दावा, राजनीतिक बयानबाजी से जुड़ा वीडियो फर्जी

नयी दिल्ली, एजेंसी

अभिनेता आमिर खान के प्रवक्ता ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने अपने 35 साल के कॅरियर में कभी किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं किया है और इस संबंध में सामने आया वीडियो फर्जी है। खान के प्रवक्ता के अनुसार इस संबंध में मुंबई पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज करा दी गई है।

यह वीडियो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) तकनीक का उपयोग करके बनाया गया लगता है। 27 सैकंड की क्लिप में आमिर खान को कुछ कहते सुना जा सकता है। प्रवक्ता ने कहा कि आमिर खान ने कई वर्ष से निर्वाचन आयोग के जागरुकता अभियानों में भाग लिया है लेकिन कभी किसी राजनीतिक दल का प्रचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि हम स्पष्ट करना चाहते हैं कि आमिर खान ने अपने 35 साल के कॅरियर में कभी किसी राजनीतिक दल का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कई वर्षों से निर्वाचन आयोग के जन जागरण अभियानों के माध्यम से जागरुकता लाने के प्रयास किए हैं। हम पिछले दिनों वायरल हुए एक वीडियो से चिंतित हैं जिसमें कथित रूप से दर्शाया गया है कि आमिर खान एक खास राजनीतिक दल का प्रचार कर रहे हैं। वह स्पष्ट करना चाहेंगे कि यह एक फर्जी वीडियो है और पूरी तरह असत्य है। उन्होंने इस मुद्दे से संबंधित अनेक अधिकारियों को अवगत करा दिया है और मुंबई पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ में प्राथमिकी दर्ज करा दी है। आमिर खान के प्रवक्ता के अनुसार उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि वे मतदान करें और चुनाव प्रक्रिया में सक्रियता से हिस्सेदारी निभाएं।

पंजाब में चार और उम्मीदवारों को मैदान में उतारा

चंडीगढ़, एजेंसी

● **आम आदमी पार्टी ने मौजूदा तीन विधायकों पर खेला दांव, एक दलबदलू पर जताया भरोसा**

आम आदमी पार्टी ने मंगलवार को पंजाब की चार और लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी। पार्टी ने तीन मौजूदा विधायकों और एक दलबदलू नेता को मैदान में उतारा है। इस घोषणा के साथ ही आप ने पंजाब की सभी 13 लोकसभा सीट पर अपने उम्मीदवारों के नामों का ऐलान कर दिया है। पूर्व विधायक पवन कुमार टीनू को जालंधर (सुरक्षित) सीट से मैदान में उतारा गया है।

पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संदीप पाठक ने सोशल मीडिया मंच ''एक्स'' पर एक पोस्ट में उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की। जालंधर (सुरक्षित) लोकसभा सीट से पार्टी ने शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के पूर्व विधायक पवन कुमार टीनू को उम्मीदवार बनाया है। वह कुछ दिन पहले ही आप में शामिल हुए थे। टीनू का मुकाबला कांग्रेस उम्मीदवार व पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सुशील रिंकू से होगा। शिअद ने अभी तक इस सीट पर अपने उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। दलित नेता टीनू 2012 और 2017 में जालंधर जिले की आदमपुर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए थे हालांकि 2022 विधानसभा चुनाव में उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार सुखविंदर कोटली से हार का सामना करना पड़ा था। टीनू ने 2014 का लोकसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ा था। आप ने टीनू के अलावा पार्टी के तीन मौजूदा विधायकों को लोकसभा चुनाव का टिकट दिया है, जिनमें फिरोजपुर से जगदीप सिंह काका बराड़, गुरदासपुर से अमनशेर सिंह कलसी और लुधियाना लोकसभा क्षेत्र से अशोक पाराशर पप्पी शामिल हैं। बराड़, मुक्तसर से विधायक हैं। उन्होंने 2022 विधानसभा चुनाव में शिअद उम्मीदवार कंवलजीत सिंह को हराया था। हालांकि बराड़ ने 2017 का विधानसभा चुनाव भी लड़ा था लेकिन उन्हें हार का मुंह देखना पड़ना था। फिरोजपुर सीट से मौजूदा सांसद शिअद प्रमुख सुखबीर सिंह बादल पहले ही लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा कर चुके हैं।

कांग्रेस, भाजपा और शिअद ने अभी तक फिरोजपुर लोकसभा सीट से अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। आप ने बटाला से विधायक कलसी पर विश्वास जताते हुए उन्हें गुरदासपुर लोकसभा सीट से मैदान में उतारा है। गुरदासपुर लोकसभा सीट पर फिलहाल भाजपा सांसद सनी देओल का कब्जा है। कलसी 2022 विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के अश्वनी सेखरी को हराकर बटाला से विधायक बने थे। कलसी का मुकाबला भाजपा उम्मीदवार दिनेश बब्बू और शिअद के दलजीत सिंह चीमा से है।

कांग्रेस ने की आयरलैंड में भारत के राजदूत को बर्खास्त करने की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आयरलैंड में भारत के राजदूत द्वारा एक स्थानीय दैनिक के संपादकीय का जवाब देते हुए कांग्रेस की आलोचना करने पर मंगलवार को कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि एक राजनयिक का सरेआम पार्टी सदस्य की तरह विपक्षी दलों पर हमला करना शर्मनाक व्यवहार है और उन्हें बर्खास्त करना चाहिए।

● राजदूत द्वारा कांग्रेस की आलोचना करने पर जयराम रमेश ने जताई आपत्ति

'द आइरिश टाइम्स' को दिए अपने जवाब में भारतीय राजदूत अखिलेश मिश्रा की टिप्पणी को लेकर कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश उन पर निशाना साधा। अखबार में 11 अप्रैल को छपे संपादकीय को लेकर भेजे जवाब में मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न केवल भारत में बल्कि विश्वस्तर पर अभूतपूर्व लोकप्रियता और कद हासिल है। यह नवीन, समावेशी शासन और सतत विकास पर त्रुटिहीन व्यक्तिगत चरित्र और ईमानदारी और विचारवान नेतृत्व के कारण है। राजदूत ने यह भी लिखा भ्रष्टाचार की गहरी जड़ें जमा चुके तंत्र (भारत में एक ही वंशवादी पार्टी द्वारा 55 साल के शासन द्वारा निर्मित) के खिलाफ लड़ाई मोदी की लगातार बढ़ती लोकप्रियता के पीछे एक प्रमुख कारक है। उनकी इस टिप्पणी को लेकर रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया कि भारत सरकार का बचाव करना एक बात है और (एक राजनयिक से) इसकी उम्मीद भी की जानी चाहिए, लेकिन एक पक्ष की तरह इस तरह से विपक्षी दलों पर खुलेआम हमला करने की उम्मीद नहीं की जाती है।

राजधानी की घेराबंदी मामले में जांच आयोग ने आईएसआई के पूर्व प्रमुख को दी क्लीन चिट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में एक जांच आयोग ने एक कट्टरपंथी धार्मिक समूह के कार्यकर्ताओं द्वारा 2017 में राजधानी इस्लामाबाद और रावलपिंडी में धरने को लेकर 'इंटर सर्विस इंटेलिजेंस' (आईएसआई) के पूर्व महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) फैज हमीद को दोष मुक्त कर दिया है।

चरमपंथी समूह तहरीक-ए-लब्बैक पाकिस्तान (टीएलपी) ने 2017 में इस्लामाबाद की घेराबंदी की थी और फ्रांस में ईशनिंदा कार्टून के प्रकाशन के कारण फ्रांसीसी राजदूत के निष्कासन की मांग की थी। बाद में मौजूदा प्रधान न्यायाधीश काजी फैज़ ईसा के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय की एक पीठ ने 2019 में एक फैसले में प्रदर्शन की जांच करने और अपराधियों की पहचान करने का आदेश दिया। शीर्ष अदालत के एक फैसले के बाद जांच आयोग का गठन किया गया।आयोग ने अपनी रिपोर्ट में खुफिया एजेंसियों और उनके शीर्ष अधिकारियों को क्लीन चिट देते हुए कहा कि प्रांतीय और संघीय सरकारों के तत्कालीन उच्च पदस्थ अधिकारियों में से किसी ने भी एजेंसियों या किसी अन्य अधिकारी पर टीएलपी प्रदर्शनकारियों की मदद करने का आरोप नहीं लगाया।

अटल टनल के नॉर्थ पोर्टल के पास गिरा हिमखंड, चंद्रा नदी का बहाव रुका

हिमाचल प्रदेश में मौसम ने बजाई खतरे की घंटी

शिमला, एजेंसी

हिमाचल प्रदेश के अटल टनल रोहतांग के नार्थ पोर्टल के समीप हिमखंड गिरा है। हिमखंड गिरने से चंद्रा नदी का बहाव रुक गया है। इस दौरान लाहौल-स्पीति पुलिस ने लाउडस्पीकर के जरिए सिस्सू व आसपास आए पर्यटकों को आगाह किया है कि नदी के तट पर न जाएं। पुलिस ने क्षेत्र में पेट्रोलिंग शुरू कर दी है, ताकि कोई भी पर्यटक अनजाने में नदी तट की ओर रुख न करे। लाउड स्पीकरों के माध्यम से कहा गया कि कभी भी नदी विकराल रूप धारण कर सकती है। नदी का जलस्तर सिस्सू की तरफ कभी भी बढ़ सकता है।

बता दें हिमपात से हिमस्खलन की आशंका बनी हुई है। प्रशासन ने लोगों से आग्रह किया कि मौसम की स्थिति देखते हुए ही वह घरों से बाहर निकलें। हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम का पूर्वानुमान जैसा कि भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान लगाया है, अगले पखवाड़े में बारिश, तूफान, बर्फबारी और रुक-रुक कर शुष्क दौर की उम्मीद है। प्रदेश के मध्य और ऊंची पहाड़ियों में ठंड की स्थिति बनी हुई है, जो हाल की बर्फबारी से और बढ़ गई है।

शिमला के ठियोग में एंटी-हेल नेट से ढका सेब के बगीचा ● एजेंसी

राजधानी शहर का औसत तापमान 13-14 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहता है, जो वर्षा के साथ और भी गिर जाता है। आज चुनिंदा मध्य ऊंचाई वाले इलाकों और अलग-अलग निचले इलाकों में हल्की बारिश या हिमपात हो सकता है। आगामी 17 अप्रैल को छोड़कर अगले पांच दिनों तक राज्य में नमी और बादल छाए रहने की संभावना है। बर्फ रुक-रुक कर गिर रही है, जिससे परिदृश्य एक प्राचीन सफेद परत में ढक गया है। ताजा बर्फ पहाड़ों में एक शांत सुंदरता लाती है, जो साहसी आत्माओं को शीतकालीन वंडरलैंड का पता लगाने के लिए लुभाती है। ऊंचे इलाकों में कभी-कभार हिमपात के अलावा, निचले इलाकों में ताजा बारिश की बौछारें हो रही हैं। बारिश एक स्वागत योग्य राहत है, जो वनस्पतियों और जीवों को पुनर्जीवित करती है और घाटियों में जीवन लाती है। बारिश और बर्फ का यह मिश्रण सड़क पर फिसलन की स्थिति पैदा कर सकता है, इसलिए यात्रियों को सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

एक नजर

इंडोनेशिया में मलबे से निकाले शव भूस्खलन में अब तक 20 की मौत

ताना तोराजा (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर बचावकर्मियों द्वारा तीन वर्षीय एक बच्ची एवं उसकी मां के शवों को निकाले जाने के साथ ही भूस्खलन में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ कर 20 हो गयी है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि घटनास्थल पर खड़ी चट्टानों के कारण भारी उपकरण नहीं ले जाये जा सके। ऐसे में बचावकर्मियों ने छोटे औजारों की मदद से ही मिट्टी हटाई। इस बचाव एवं तलाश कार्य में कम से कम 20 बचाव कर्मियों/अधिकारियों एवं दर्जनों स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। स्थानीय पुलिस प्रमुख गुनार्डी मुंडू ने बताया कि शनिवार को दक्षिण सुलावेसी प्रांत में ताना तोराजा जिले के दक्षिण मकाले गांव में मूसलाधार वर्षा के कारण भूस्खलन हुआ और चार मकान मलबे के नीचे दब गए।

संरा ने सूडान में जारी हिंसा को समाप्त करने का किया आह्वान

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में लंबे समय से जारी हिंसा को समाप्त करने की अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से मांग की है। नरसंहार रोकथाम पर संयुक्त राष्ट्र की विशेष सलाहकार ऐलिस नेडेरिटु ने यहां जारी बयान में सूडान में जारी संघर्ष को पूरा एक साल हो गया है। इस दौरान यहां के लोगों, विशेषकर महिलाओं और युवतियों के लिए यह समय भयावह रहा है। उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सूडान में संघर्ष को खत्म करने का आह्वान किया है। उन्होंने आगे कहा कि इस संघर्ष में भयावह मानवीय संकट गहरा रहा है।

जॉर्डन ने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन को रोकने के लिये बढ़ाई उड़ानों की संख्या

अम्मान। जॉर्डन की वायु सेना ने हवाई क्षेत्र के उल्लंघन को रोकने के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ा दी है। जॉर्डन समाचार एजेंसी ने मंगलवार को जॉर्डन के सशस्त्र बलों के एक प्रवक्ता का हवाला देते हुए बताया कि यह निर्णय किसी भी पार्टी को किसी भी उद्देश्य के लिए देश के हवाई क्षेत्र का उपयोग करने की अनुमति नहीं देने की जॉर्डन की दृढ़ स्थिति की पुष्टि करता है। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने बताया कि शनिवार रात को ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशनरी गॉर्ड कोर ने इजरायली क्षेत्रों में पहला सीधा तीन सौ से अधिक ड्रोन और मिसाइल हमला किया। आईडीएफ प्रवक्ता डेनियल हगरी ने कहा कि उनके सैन्य बलों ने ईरान की ओर से दागे गए 99 प्रतिशत सभी ड्रोन और मिसाइल हमलों को रोक दिया।

अपराध की श्रेणी में आएगा बिना सहमति के डीपफेक तस्वीरें बनाना

लंदन। ब्रिटिश सरकार ने मंगलवार को कहा कि अश्लील डीपफेक सामग्री बनाने वाले लोगों को एक नए कानून के तहत मुकदमे का सामना करना पड़ेगा। यह कानून इस समय संसदीय प्रक्रिया से गुजर रहा है। डीपफेक से आशय ऐसी छवियों और वीडियो से है जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) अथवा अन्य तकनीकों से तैयार की जाती हैं और जिसमें आमतौर पर पीड़ित की सहमति नहीं होती। नए कानून के तहत बिना सहमति के इस तरह की तस्वीरें बनाने वाले लोगों को आपराधिक कार्यवाही और भारी जुर्माने का सामना करना पड़ेगा। कानून में प्रस्तावित प्रावधान के अनुसार अगर डीपफेक सामग्री व्यापक रूप से फैल जाती है तो दोषियों को जेल भेजा जा सकता है।

आधुनिक युग में विकसित देशों से कदमताल मिला रहा भारत : क्रूस

हिंद प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस और जापान के साथ भारत का सहयोग मजबूत

वाशिंगटन, एजेंसी

● अमेरिकी खुफिया अधिकारी बोले- भारत ने सेना को आधुनिक बनाने और रूसी हथियारों पर निर्भरता कम करने के लिए उठाए कदम

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के एक शीर्ष खुफिया अधिकारी ने संसद को बताया कि साल 2023 में भारत ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों का मुकाबला करने की अधिक इच्छाशक्ति प्रदर्शित करते हुए अपनी सेना के आधुनिकीकरण और रूस के उपकरणों पर निर्भरता कम करने के लिए कदम उठाए। रक्षा खुफिया एजेंसी के निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल जेफरी क्रूस ने चीन को लेकर रक्षा खुफिया पर संसद में एक सुनवाई के दौरान यह बात कही थी।

क्रूस ने सदन की सशस्त्र सेवा समिति और खुफिया उपसमिति के सदस्यों को बताया कि पिछले वर्ष भारत ने जी-20 के आर्थिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करके खुद को एक वैश्विक अगुआ के रूप में प्रदर्शित किया और पूरे हिंद प्रशांत क्षेत्र में पीआरसी (पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना) की गतिविधि का मुकाबला करने की इच्छाशक्ति प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि भारत ने प्रशिक्षण और रक्षा बिक्री के माध्यम से फिलीपीन जैसे दक्षिण चीन सागर के क्षेत्रीय दावेदारों के साथ हिंद प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाई है और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस व जापान के साथ अपने सहयोग को और मजबूत किया है। क्रूस ने कहा कि वर्ष 2023 में भारत ने चीन से प्रतिस्पर्धा करने और रूसी उपकरणों पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए अपनी सेना को आधुनिक बनाने के लिए कदम उठाए। भारत ने स्वदेश निर्मित विमानवाहक पोत का समुद्री परीक्षण किया और प्रमुख रक्षा प्रौद्योगिकियों के हस्तांतरण पर कई पश्चिमी देशों के साथ बातचीत भी की। भारत ने रूस-यूक्रेन युद्ध पर अपना तटस्थ रुख बरकरार रखा है।

क्रूस ने कहा कि रूस भारत का सबसे बड़ा रक्षा साझेदार है और भारत ने अपनी रक्षा खरीद साझेदारी में विविधता लाने की इच्छा के बावजूद रूस से सतह से हवा में मार करने वाली एस-400 मिसाइल प्रणाली जैसे हथियारों खरीद जारी रखी है। उन्होंने सांसदों से कहा कि भारत सरकार आगामी लोकसभा चुनाव को सुरक्षित करने, आर्थिक विकास को बनाए रखने और अपनी 'मेक इन इंडिया' पहल को सैन्य आधुनिकीकरण के लिए तैयार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी जिसका उद्देश्य चीन का मुकाबला करना है।

सुरक्षा परिषद को पुनर्गठन की आवश्यकता : भारत

संयुक्त राष्ट्र। भारत ने एक पुनर्गठित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की आवश्यकता को रेखांकित किया है, जो आज के संयुक्त राष्ट्र की भौगोलिक और विकासात्मक विविधता को बेहतर ढंग से दर्शाए। साथ ही भारत ने इस बात पर जोर दिया कि संयुक्त राष्ट्र के अधिकतर सदस्य शक्तिशाली यूएनएससी में स्थायी सीटों की संख्या बढ़ाए जाने के आह्वान का समर्थन करते हैं। भारत विशेष रूप से ग्लोबल साउथ का नेतृत्व करते हुए संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की मांग करता रहा है। साथ ही यह 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य के रूप में जगह पाने की मांग करने में सबसे आगे रहा है।

अमेरिका में भारतीय विद्यार्थियों को बेहतर माहौल देने की कोशिश जारी : गुरदीप

वाशिंगटन। अमेरिका भारत से आने वाले विद्यार्थियों को बेहतर माहौल प्रदान करने की अपनी कोशिश जारी रखे हुए है। एक प्रख्यात भारतीय-अमेरिकी शिक्षाविद ने इस वर्ष भारतीय मूल के या भारत से आने वाले 11 विद्यार्थियों की मौत की खबरों के बीच सोमवार को यह बात कही। अमेरिका में भारतीयों पर हमले की घटनाओं ने भारतीय समुदाय और भारत में रहने वाले विद्यार्थियों के परिजनों की चिंता बढ़ा दी है। अमेरिका में हुई इन मौतों के पीछे हमलावरों के मकसद का फिलहाल पता नहीं चल पाया है और भारतीय राजनयिक मिशनों ने विद्यार्थियों के साथ संपर्क साधने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसमें छात्र संघों के साथ संपर्क करने और विद्यार्थियों के लिए समय-समय पर जारी निर्देशों से अवगत कराना शामिल है। वर्जीनिया के जॉर्ज मेसन यूनिवर्सिटी में स्कूल ऑफ कंप्यूटिंग के डिविजनल डीन गुरदीप सिंह ने बताया यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस वर्ष ऐसी घटनाएं हुईं और इतनी तादाद में हुईं।

● 2024 में तीन गुना बढ़ी है भारतीय विद्यार्थियों की संख्या

● विद्यार्थियों को सतर्क रहने की जरुरत

बिशप व पादरी पर हमले को आतंकवादी कृत्य मान रही ऑस्ट्रेलियाई पुलिस

गिरजाघर पर चाकूबाजी के बाद ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने बढ़ाई चौकसी। ● एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस का कहना है कि सिडनी में एक गिरजाघर में प्रार्थना के दौरान एक बिशप व पादरी पर चाकू से किए गए हमले के कारण वहां मौजूद और ऑनलाइन प्रार्थना देख रहे लोग सकते में आ गए। पुलिस इसे आतंकवादी कृत्य मान रही है। पुलिस ने क्राइस्ट द गुड शेफर्ड चर्च में हुई चाकू से हमले की घटना के बाद मंगलवार को 16 वर्ष के एक किशोर को गिरफ्तार किया। घटना में बिशप मार मारी इमैनुएल और एक पादरी घायल हुए हैं।

न्यू साउथ वेल्स पुलिस आयुक्त कारेन वेब ने बताया कि संदिग्ध की टिप्पणियां हमले के लिए धार्मिक मकसद की ओर इशारा करती हैं। अधिकारी ने बताया हमें लगता है कि यह हमला एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया क्योंकि इस व्यक्ति ने हमले के लिए ऐसे स्थान को चुना, जो उसके घर के आसपास तक नहीं है। आरोपी चाकू के साथ आया और गिरजाघर में घुसकर बिशप व पादरी पर उसने चाकू से हमला किया। किशोर को पुलिस जानती थी लेकिन वह निगरानी सूची में नहीं था। मुख्य खुफिया एजेंसी ऑस्ट्रेलियन सिक्योरिटी इंटेलिजेंस ऑर्गनाइजेशन (एएसआईओ), ऑस्ट्रेलियन फेडरल पुलिस और प्रांतीय पुलिस मामले की जांच में आतंकवाद रोधी कार्यबल का सहयोगी कर रही हैं।

दीदार-ए-ताज

दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारतों और भारत के एकमात्र अजूबे में शुमार ताज का दीदार पूरी दुनिया करना चाहती है इसीलिए आगरा में पर्यटकों का तांता लगा रहता है। मंगलवार को बॉलीबुड अभिनेत्री माहिरा शर्मा ने भी ताजमहल का दीदार किया। ● एजेंसी

समझौते की शर्तों को हमास ने किया खारिज

गाजा, एजेंसी

● युद्धविराम पर कोई समझौता नहीं चाहता सिनवार, कहा- अमेरिकी प्रस्तावों के बाद भी पीड़ित होते रहेंगे गाजावासी

फिलिस्तीनी चरमपंथी संगठन हमास ने नवीनतम बंधक समझौते के प्रस्ताव के सभी शर्तों को खारिज कर दिया है, जिससे समझौते के तहत इजराइल द्वारा रिहा किए जाने वाले फिलिस्तीनी कैदियों की संख्या में बढ़ गई है। द टाइम्स ऑफ इजराइल अखबार ने मंगलवार को एक वरिष्ठ इजराइली अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा कि इसके अलावा, हमास समझौते के पहले चरण के हिस्से के रूप में केवल लगभग 20 बंधकों (50 से अधिक उम्र की महिलाओं और पुरुषों) को रिहा करने किया जाना है।

रिपोर्ट में बताया कि हमास ने यह भी मांग की है कि बंधकों को रिहा करने से पहले इजरायल छह सप्ताह के युद्धविराम पर सहमत हो। अखबार ने अधिकारी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में कहा है, सिनवार (गाजा पट्टी में हमास प्रमुख याह्या) कोई समझौता नहीं चाहता है। उसे इसकी परवाह नहीं है कि अमेरिकी प्रस्ताव के सभी मापदंडों के संबंध में इजराइल के असाधारण लचीलेपन के बाद भी गाजावासी पीड़ित होते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि सात अक्टूबर, 2023 को, हमास ने इजराइल की सीमा में घुसकर और गाजा से बड़े पैमाने पर रॉकेट से हमला किया था। हमले के दौरान इजराइल में करीब 1,200 लोग मारे गए और अन्य 240 लोगों को हमास के लड़ाके बंधक बना कर ले गए थे। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में अब तक 33,700 से अधिक लोग मारे गए हैं।

इजरायल के खिलाफ ईरान की प्रतिक्रिया होगी और तेज

अंकारा। तुर्की में ईरानी राजदूत मोहम्मद हसन हबीबुल्लाहजादेह ने मंगलवार को कहा कि तेहरान इस क्षेत्र में तनाव बढ़ाना नहीं चाहता है लेकिन इजराइल के जवाबी कदमों पर ईरान की प्रतिक्रिया तेज और व्यापक होगी। तुर्की अखबार आयडिनलिक ने राजदूत के हवाले से कहा कि ईरान द्वारा इजरायल पर हमला केवल दमिश्क में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर आतंकवादी हमले में इस्तेमाल किए गए सैन्य लक्ष्यों पर निर्देशित था।

इजराइल की गोलीबारी में दो फिलिस्तीनियों की हत्या

रामल्ला। फिलिस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि वेस्ट बैंक के नब्लस शहर के दक्षिण में इजरायल की ओर से की गोलीबारी में कम से कम दो फिलिस्तीनी मारे गए। मंत्रालय ने बताया कि मारे गए दो लोगों की पहचान 30 वर्षीय अब्दुलरहमान माहेर बानी फादेल और 21 वर्षीय मोहम्मद अशरफ बानी जामे के तौर पर हुई है। अकरबा के मेयर सलाह बानी जाबेर ने कहा कि कई बाशिंदों ने अकरबा शहर के उपनगर खिरबेट अल-तवील में फिलिस्तीनियों के एक समूह पर हमला किया, जिसके कारण दो लोगों की मौत हो गई और तीन घायल हो गए।

ब्रिटेन के प्रार्थना प्रतिबंध पर भारतीय मूल की प्रधानाचार्या को मिली जीत

लंदन। अक्सर ब्रिटेन की सबसे सख्त प्रधानाध्यापिका बताई जाने वाली भारतीय मूल की एक स्कूल प्रधानाचार्या ने मंगलवार को ब्रिटेन के उच्च न्यायालय के उस फैसले का स्वागत किया जिसमें उनके द्वारा प्रार्थना पर लगाए गए प्रतिबंध को बरकरार रखा गया।

प्रार्थना को भेदभावपूर्ण बताते हुए एक मुस्लिम छात्र ने इसे कानूनी रूप से चुनौती देने की मांग की थी। उसके बाद प्रधानाचार्या ने प्रार्थना पर रोक लगा दी थी। भारतीय-गुयाना मूल की कैथरीन बीरबलसिंह ने बताया था कि वेम्बली में लड़कों और लड़कियों के लिए एक धर्मनिरपेक्ष माध्यमिक विद्यालय- मिशेला स्कूल ने समावेशी माहौल को बढ़ावा देने के लोकाचार के अनुरूप धार्मिक प्रार्थनाओं की अनुमति नहीं दी गई। स्कूल में आधे छात्र मुस्लिम हैं और बड़ी संख्या में सिख, हिंदू और ईसाई छात्र भी हैं। बीरबलसिंह ने बताया जैसा कि शासी निकाय को ज्ञात है, स्कूल विभिन्न कारणों से विद्यार्थियों के उपयोग के लिए प्रार्थना कक्ष उपलब्ध नहीं कराता है।

परमाणु संयंत्र पर हमले को लेकर आईएईए ने दी चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी

● मारियानो ग्रॉसी बोले- बढ़ रहा है रेडियोलॉजिकल हादसों का जोखिम, तुरंत बदं हो हमले

रूस और यूक्रेन ने यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हुए हमलों के लिए सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के समक्ष एक दूसरे पर दोषारोपण किया। इसको लेकर अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के प्रमुख ने कहा कि इसने दुनिया को खतरनाक रूप से परमाणु हादसे के करीब पहुंचा दिया है। आईएईए महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा कि उनकी एजेंसी ने 7 अप्रैल से जापोरीजिया परमाणु ऊर्जा संयंत्र के खिलाफ तीन हमलों की पुष्टि की है। उन्होंने सुरक्षा परिषद से कहा कि ये लापरवाह हमले तुरंत बंद होने चाहिए। हालांकि, सौभाग्य से, इस बार उनके कारण कोई रेडियोलॉजिकल हादसा नहीं हुआ है, लेकिन इससे जोखिम काफी बढ़ जाते हैं जहां परमाणु सुरक्षा से पहले ही समझौता किया जा चुका है।

ग्रॉसी ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा कि संयंत्र पर हमला करने वाले ड्रोन की रिमोट-नियंत्रित प्रकृति का मतलब है कि यह निश्चित रूप से पता लगाना असंभव है कि उन्हें किसने संचालित किया। उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ कहने के लिए हमारे पास सबूत होना चाहिए।

खतरे का अंदेशा आने वाले दिनों में भू चुम्बकीय सौर तूफान पृथ्वी के ध्रुवों तक पहुचने की आशंका

जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में है सूर्य

अमृत विचार, नैनीताल

वर्तमान सौर चक्र आसमान छूने में लगा है। जबरदस्त विस्फोटों की चपेट में सूर्य रोजाना आग उगल रहा है। आने वाले दिनों में सूर्य की सतह पर जबरदस्त विस्फोट होने की संभावना वैज्ञानिक जता रहे हैं। जिनसे निकलने वाले सौर चुम्बकीय तूफानों का असर धरती के वातावरण तक असर डालेंगे।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान एरीज के पूर्व कार्यवाहक निदेशक व सौर वैज्ञानिक डा वहाब उद्दीन ने बताया कि सौर गतिविधि दिन-प्रतिदिन बढ़ रही है। सूर्य की सतह पर जटिल चुंबकीय क्षेत्र वाले कई सनस्पॉट समूह बने हुए हैं। सूर्य के उत्तरी और दक्षिणी गोलार्ध में पूर्वी सौर हिस्से में उभरते हुए सनस्पॉट समूह अधिक सक्रिय हैं । इन सन स्पॉट समूहों से बड़े भीषण ज्वालाएँ उत्पन्न हो सकती हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान सूर्य ने आधा दर्जन एम-श्रेणी की सौर ज्वालाएँ उत्पन्न की हैं। यह स्पॉट सूर्य के उत्तरपूर्वी छोर पर स्थित हैं। एक बड़ा सन स्पॉट संख्या ए आर 3639 लगातार अपना आकार बड़ा रहा है, जो कुछ दिनों के अंतराल में लाखों किमी फैलकर चौगुना हो गया है। अब इसकी दिशा पृथ्वी के सामने की ओर बढ़ रही है। इसमें जियोइफेक्टिव सोलर फ्लेयर्स (ज्वाला) की संभावना है। इन दिनों सूर्य की सतह सन स्पॉट से भरी हुई है। इस सौर चक्र में अभी तक हजारों विस्फोट हो चुके हैं। इनसे निकलने वाले सौर तूफानों का असर पृथ्वी के ध्रुवों तक नजर आया है। जिनमें सभी सबसे बड़ी ज्वाला एक्स श्रेणी की कई बार निकल चुकी हैं। दुनियाभर के सौर वैज्ञानिकों की नजरें इन पर लगी हुई हैं।

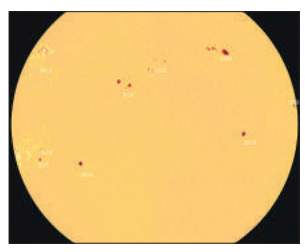

सूर्य की सतह पर उभरे सन स्पॉट।

रिकॉर्ड तोड़ विस्फोटों की झड़ी लगी है सूर्य पर

डा वहाब उद्दीन के अनुसार सूर्य का यह दौर अत्यधिक सक्रियता से गुजर रहा है, जो 2025 तक बना रह सकता है। इस दौर में वैज्ञानिकों की अपेक्षा से कहीं अधिक विस्फोट हो चुके हैं। आने वाले दिनों में भी सौर सक्रियता का दौर जारी रहेगा। जिनसे हमारे सैटेलाइट, पृथ्वी पर इलेक्ट्रिक्स व इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के अलावा हवाई सेवाओं व मोबाइल नेटवर्क में भी असर पड़ने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

वृन्दावन में 70 मंजिला मंदिर से पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

वाशिंगटन, एजेंसी

● आठ करोड़ डॉलर की लागत से बन रहा है वृन्दावन हेरिटेज टॉवर

इस्कॉन के एक शीर्ष पदाधिकारी ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश के वृंदावन में भगवान श्रीकृष्ण का गगनचुंबी मंदिर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारतीय संस्कृति के एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरेगा और भारत में पर्यटन और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। ग्लोबल हरे कृष्णा मूवमेंट के उपाध्यक्ष और इस्कॉन बैंगलोर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंचलपति दास ने कहा कि आध्यात्मिकता के लिए कोई टूटा-फूटा बुनियादी ढांचा नहीं हो सकता और मंदिर हमेशा जर्जर स्थिति में नहीं रह सकते। वृन्दावन हेरिटेज टॉवर 70 मंजिल ऊंचा और 210 मीटर होगा, जो आठ करोड़ अमरीकी डालर की लागत से बनाया जा रहा है। दास ने निर्माणाधीन वृन्दावन हेरिटेज टॉवर के बारे में कहा कि जब वे भारत आयेंगे तो निःसंदेह वे अच्छे हवाई अड्डे देख सकते हैं। वे आध्यात्मिकता की भी तलाश में होंगे। अब ऐसे में हमार पास विदेशियों को भारत लाने और उन्हें दिखाने के लिए धार्मिक बुनियादी ढांचा होना चाहिए, जिन पर आप गर्व कर सकें।